A Daily News Magazine
इंदौर
सोमवार, 17 जून, 2024

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित
वर्ष 9 अंक 240, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2 (डाक पंजीयन संख्या: MP/IDC/1529/2016-2018)

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

राजस्थान: क्या बीजेपी वसुंधरा की उपेक्षा की कीमत चुका रही है?

राजन महान

लोकसभा चुनाव संपन्न हो चुके हैं। भगवा ब्रिगेड को झटका लग चुका है, नई एनडीए सरकार बन चुकी है और विभागों का बंटवारा भी हो चुका है लेकिन राजस्थान की एकमात्र महिला मुख्यमंत्री एकदम से गायब हैं। तथ्य यह है कि उनके बेटे दुष्यन्त सिंह, जो अब झालावाड़ से पांच बार के सांसद हैं, को एक बार फिर मंत्री पद के लिए नजरअंदाज कर दिया गया। यह दर्शाता है कि बीजेपी के शीर्ष नेतृत्व द्वारा वसुंधरा राजे को कैसे नजरअंदाज किया जा रहा है?

पिछले दिसंबर में विधानसभा चुनाव में बीजेपी की जीत के बाद जब से राजे को मुख्यमंत्री पद के लिए नजरअंदाज किया गया, तब से एक बड़ी चर्चा थी कि अगर उनके बेटे दुष्यंत 2024 के चुनाव में अपनी सीट जीतते हैं, तो उन्हें केंद्र सरकार में मंत्री बनाया जाएगा। राजनीतिक हलकों में इस बात की चर्चा थी कि दुष्यंत की संभावित पदोन्नति एक राजनीतिक समझौते का हिस्सा थी, जिसने लोकसभा चुनाव के बाद अपने बेटे को केंद्रीय मंत्री बनाने के वादे के साथ राजे की चुप्पी ने भी सुनिश्चित कर दी थी।

गौरतलब है कि दुष्यंत वर्तमान में राजस्थान से सबसे वरिष्ठ लोकसभा सदस्य हैं, जिन्होंने पांच बार अपनी सीट जीती हैं, लेकिन उनके एक बार फिर नजरअंदाज कर दिया गया, जब वसुंधरा राजे ने उन्हें कैबिनेट में शामिल करने के लिए कड़ी पैरवी की। राजे और मोदी के बीच संबंधों में तब खटास आ गई थी, जब 2014 में पीएम ने दुष्यंत को अपने मंत्रिमंडल में शामिल करने से इनकार कर दिया था।

दुष्यंत के दावों को नजरअंदाज किया जा रहा है, इसका मुख्य कारण राजे और मोदी-शाह की जोड़ी के बीच लंबे समय से चले आ रहे विवाद के कारण हैं, शाह-मोदी पिछले दशक में बीजेपी की राजनीति पर हावी हैं। केंद्रीय मंत्रालय में दुष्यंत को जगह न मिलना वसुंधरा राजे और नरेंद्र मोदी-अमित शाह के बीच दुश्मनी का ताजा संकेत है, जिन्होंने हाल के वर्षों में राजस्थान बीजेपी में उनकी भूमिका को काफी कम कर दिया है। लेकिन लोकसभा अभियान में राजे को दरकिनार करने का तरीका बेहद क्रूर रहा है। उनकी वरिष्ठता और लोकप्रिय अपील के बावजूद, राजे को पार्टी टिकट देने में नजरअंदाज कर दिया गया, उनके वफादारों को बाहर कर दिया गया (जैसे चूरू में मौजूदा सांसद राहुल कस्वां) और उन्हें चुनाव-संबंधी कोई विशेष रोल नहीं सौंपा गया।

चौंकाने वाली बात यह है कि राजस्थान की दो बार की सीएम राजे को रेगिस्तानी राज्य में पीएम मोदी या गृह मंत्री अमित शाह की सार्वजनिक रैलियों में भी आमंत्रित नहीं किया गया था। लोकसभा चुनाव में उम्मीदवार भी राजे को प्रचार के लिए आमंत्रित करने से झिझक रहे थे क्योंकि वे पार्टी आलाकमान के क्रोध से डरते थे; वास्तव में, बीजेपी आकाओं ने राजे को राजनीतिक अछूत बना दिया था!

लोकसभा चुनाव प्रचार में राजे को पूरी तरह से हाशिए पर डाल दिया जाना विधानसभा चुनावों से पहले बीजेपी आलाकमान द्वारा उनके साथ किए गए व्यवहार के बिल्कुल विपरीत था। राजे और उनके खेमे द्वारा किसी भी खुले विद्रोह को रोकने के लिए उस समय एक चालाक गर्म और फिर ठंडा रुख अपनाने की नीति विकसित की गई थी। बीजेपी के शीर्ष नेताओं ने राजे को चकमा देने के लिए एक चतुर 'बिल्ली और चूहे' का खेल खेला।

ऐसे में, 2023 में राजे को राज्य चुनावों में सार्वजनिक प्रमुखता दी गई। ऐसा करके स्पष्ट संकेत दिए गए कि राजे राज्य में एक महत्वपूर्ण भूमिका में होंगी। यहां तक कि पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने भी बीजेपी के सभी कार्यक्रमों में राजे को प्रमुखता देने का खास ख्याल रखा।

हालांकि, अन्य समय में, बीजेपी के शीर्ष नेताओं ने राजे को परिवर्तन यात्रा का एकमात्र चेहरा नहीं बनने देना, उन्हें प्रमुख चुनाव पैनलों से बाहर करने और पार्टी के उम्मीदवारों की पहली सूची में उनके कुछ प्रमुख वफादारों को बाहर करने जैसे विपरीत संकेत दिए। चूंकि बड़े पैमाने पर विद्रोह से बीजेपी की संभावनाओं के पटरी से उतरने का खतरा था, राजे के कई समर्थकों को जल्द ही दूसरी सूची में टिकट दे दिए गए जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि राजे और उनके खेमे को पर्याप्त रूप से संतुष्ट किया जा सके।

इससे मतदाताओं को लुभाने में मदद मिली लेकिन चुनाव जीतने के बाद, बीजेपी आलाकमान ने राजे को हटा दिया और उनकी जगह नए विधायक भजनलाल शर्मा को नियुक्त किया, जो कम अनुभव वाले आरएसएस से थे। वसुंधरा राजे को न केवल मोदी-शाह जोड़ी द्वारा बल्कि राज्य में आरएसएस लॉबी द्वारा भी निशाना बनाया गया।

कथित तौर पर राजे ने राज्य विधानसभा का अध्यक्ष बनने का प्रस्ताव ठुकरा दिया क्योंकि उन्हें इससे जुड़े नकारात्मक संकेत का एहसास हुआ। इसके अलावा, मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री पद से हटाए जाने के बावजूद सक्रिय और सकारात्मक रहने वाले शिवराज चौहान के विपरीत, राजे चुप हो गई हैं, उन्होंने अपने आप को सीमित कर लिया है। राजे ने खुद को लोकसभा चुनाव में केवल अपने बेटे दुष्यंत के प्रचार तक ही सीमित रखा।

बीजेपी में बड़े पैमाने पर मंथन को देखते हुए, राजे का भविष्य इस बात से जुड़ा हो सकता है कि पार्टी की आंतरिक गतिशीलता राष्ट्रीय स्तर पर कैसे उभरती है लेकिन राजस्थान में, बीजेपी ने पिछले दो चुनावों में जीती गई कुल 25 सीटों में से 11 सीटें खो दीं, राजनीतिक हलकों में इस सिद्धांत पर चर्चा हो रही है कि राजे को दरकिनार करने ने, बीजेपी के खराब प्रदर्शन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। राजनीतिक पर्यवेक्षकों का मानना है कि न केवल राजे की लोकप्रियता और जमीनी स्तर पर जुड़ाव बरकरार है, बल्कि बीजेपी विधायकों का एक बड़ा हिस्सा अभी भी उनके पक्ष में है। राज्य बीजेपी का एक वर्ग पहले से ही सीएम भजन लाल शर्मा शर्मा के नेतृत्व पर सवाल उठा रहा है, खासकर तब जब पार्टी उनके गृह जिले भरतपुर में भी हार गई।

पार्टी के अंदरूनी सूत्रों के अनुसार राजस्थान बीजेपी में एक खामोश तूफान चल रहा है और अगर राजे असंतुष्ट खेमे को नेतृत्व प्रदान करती हैं, तो अगले कुछ महीनों में राज्य में भगवा ब्रिगेड में उथल-पुथल देखी जा सकती है। अगले कुछ महीनों में यह स्पष्ट हो जाएगा कि राजे के पास अपने विरोधियों से निपटने का साहस और दृढ़ विश्वास है या नहीं। यदि नहीं, तो जिस नेता ने कभी राजस्थान में 'वन-वुमन शो' चलाया था, उसके राजनीतिक गुमनामी में खोने का खतरा है।

(द क्विंट हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

सुप्रभात

चिड़िया मेरे कंधों पर नहीं बैठती है
वह मुझे देखकर फुर्र से उड़ जाती है
गिलहरी को कई बार मैंने
रोटी के टुकड़े देने की कोशिश की
वह थोड़ा आगे आयी
अपने दोनों पैरों पर खड़ी हुई
और पूंछ हिलाते हुए भाग खड़ी हुई
तोते मेरे घर के सामने अशोक के पेड़ पर
खूब शोर मचाते हैं
लेकिन जैसे ही मैं वहां पहुंचता हूँ
वे एक साथ उड़ जाते हैं
उन सबको न जाने कैसे पता चल गया है
कि मेरे पास एक पिंजरा है।

- सुभाष राय

मोदी के दौरे से पहले टॉप अधिकारियों के साथ की हाईलेवल मीटिंग

आतंकवाद को कुचलें, मददगारों को भी न बख्शें

जम्मू-कश्मीर की सुरक्षा को लेकर अधिकारियों से बोले अमित शाह

श्रीनगर/नई दिल्ली (एजेंसी)। गृह मंत्री अमित शाह दिल्ली में रविवार 16 जून को जम्मू-कश्मीर की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर मीटिंग की। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि आतंकवाद को कुचलें और आतंकियों की मदद करने वालों पर भी सख्ती बरतें। शाह ने यह भी कहा कि जम्मू-कश्मीर में सभी तीर्थस्थलों और पर्यटन स्थलों पर सुरक्षा व्यवस्था और बढ़ाई जाए। 21 जून को योग दिवस के कार्यक्रम के लिए प्रधानमंत्री मोदी 20 जून को श्रीनगर जा रहे हैं। 29 जून से अमरनाथ यात्रा भी शुरू हो रही है। इसे देखते हुए शाह ने अधिकारियों से यात्रा रूट और नेशनल हाईवे पर अतिरिक्त बलों की तैनाती करने कहा है। शाह ने एजेंसियों को निर्देश दिया कि वे कश्मीर घाटी में एरिया डोमिनेशन प्लान और जीरो टेरर प्लान के जरिए हासिल की गई सफलताओं को जम्मू संभाग में भी दोहराएं। मीटिंग के दौरान गृह मंत्री शाह का पूरा फोकस अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा पर रहा। पिछले साल 4.28 लाख से ज्यादा तीर्थयात्री अमरनाथ यात्रा पर आए थे। इस बार यह आंकड़ा पांच लाख तक जा सकता है। यह कहा जा रहा है कि इस बार सभी तीर्थयात्रियों को स्पेशल कार्ड दिए जा सकते हैं, ताकि उनकी असली लोकेशन का पता लगाया जा सके। इसके अलावा सभी को 5 लाख रुपए का बीमा कवर दिया जा सकता है। सूत्रों ने कहा कि तीर्थयात्रियों को ले जाने वाले प्रत्येक जानवर के लिए 50 हजार का बीमा कवर भी होगा। शाह ने एयरपोर्ट और रेलवे स्टेशन से बेस कैंप तक सभी तीर्थयात्रियों की सुरक्षा पर जोर दिया है। अमरनाथ यात्रा 29 जून से शुरू हो रही है। इस बार अमरनाथ यात्रा 52 दिन की होगी। यात्रा से पहले केंद्र ने जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा बढ़ाने के लिए केंद्रीय सुरक्षाबलों की 500 कंपनियों को घाटी में तैनात करने का फैसला लिया है। सूत्रों के मुताबिक सीआरपीएफ, बीएसएफ, और आईटीबीपी समेत सशस्त्र सुरक्षा बल की 500 कंपनियों को अमरनाथ यात्रा के रूट पर तैनात किया जाएगा।

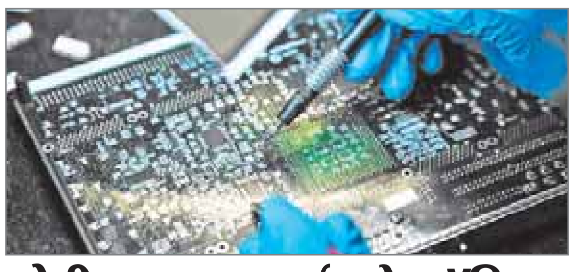

मोदी सरकार का 'इलेक्ट्रॉनिक प्लान' रेडी, अबकी बड़ा टारगेट!

- देश भर में पांच साल में 50,00,000 नौकरी देने का रखा लक्ष्य

नई दिल्ली (एजेंसी)। मोदी सरकार का पूरा फोकस बेरोजगारी कम करने पर है। इसके लिए वह जी तोड़ मेहनत करने में जुट गई है। सरकार की योजना इलेक्ट्रॉनिक मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर में नौकरियां पैदा करने की है। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सूत्रों के मुताबिक, अगले पांच सालों में भारत सरकार देश में इलेक्ट्रॉनिक उत्पादन दोगुना करने वाली है। इससे नौकरियों के अवसर पैदा होंगे। मंत्रालय के एक सूत्र ने बताया कि अगले 5 साल में भारत का इलेक्ट्रॉनिक उत्पादन लगभग 250 अरब डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। अभी देश का इलेक्ट्रॉनिक निर्यात 125-130 अरब डॉलर है। बेरोजगारी की समस्या से निपटने के लिए सरकार इलेक्ट्रॉनिक उत्पादन के क्षेत्र में नौकरियां पैदा करना चाहती है। अभी इस क्षेत्र में 25 लाख लोग काम करते हैं। सरकार का लक्ष्य है कि अगले पांच साल में इलेक्ट्रॉनिक उत्पादन के क्षेत्र में नौकरियों को दोगुना करके 50 लाख कर दिया जाए। वैष्णव ने कहा, डिजिटल तकनीक को सेवाएं प्रदान करने पर हमारा फोकस है।

हैकिंग, एलन मस्क का ट्वीट और अब ब्लैक बॉक्स का घेरा

- चुनाव नतीजों के बाद फिर सवालों के घेरे में आई ईवीएम, ईवीएम एक ब्लैक बॉक्स है -राहुल गांधी

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव के परिणाम आने के 11 दिन बाद एक बार फिर ईवीएम पर सवाल उठे हैं। कांग्रेस सांसद ने 2024 के नतीजे आने के बाद पहली बार ईवीएम पर टिप्पणी की है। राहुल ने इसे ब्लैक बॉक्स बताया और कहा कि भारत जैसे देश में किसी को भी इसकी जांच करने की अनुमति नहीं है। राहुल ने इसके अलावा एक न्यूजपेपर की कटिंग भी शेयर की है जिसमें लिखा है कि मुंबई

उत्तरपश्चिम लोकसभा सीट जीतने वाले शिवसेना सांसद (शिंदे गुट) रवींद्र वायकर के रिश्तेदार के पास ऐसा फोन है जिससे ईवीएम को आसानी से खोला जा सकता है।

राहुल से पहले मशहूर शख्सियत और टेस्ला के मालिक एलन मस्क भी ईवीएम को बदलने की बात दोहरा चुके हैं। राहुल गांधी ने अपने ताजा एक्स पोस्ट के बहाने लिखा कि भारत में ईवीएम एक ब्लैक बॉक्स है और किसी को भी उनकी जांच करने की अनुमति नहीं है। हमारी चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता को लेकर गंभीर चिंताएं जताई जा रही हैं। जब संस्थानों में जवाबदेही की कमी होती है तो लोकतंत्र एक दिखावा बन जाता है और धोखाधड़ी का शिकार हो जाता है। राहुल गांधी ने एक न्यूजपेपर की कटिंग को भी शेयर किया है। उसमें लिखा है कि 2024 के लोकसभा चुनाव में मात्र 48 वोटों से मुंबई उत्तर पश्चिम सीट जीतने वाले शिवसेना(शिंदे गुट) के सांसद रवींद्र वायकर के रिश्तेदार के फोन से ईवीएम मशीन खोलने की ट्रिक है।

ट्रेनों में स्लीपर और जनरल कोच बढ़ाने की तैयारी

भीषण गर्मी के बीच रेली मंत्री ने दी बड़ी खुशखबरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गर्मियों में यात्रियों को होने वाली दिक्कतों को देखते हुए अधिकारियों को युद्धस्तर पर काम करने के निर्देश दिए हैं। इनमें ट्रेनों में गैरवातानुकूलित स्लीपर व अनारक्षित श्रेणी के कोचों की संख्या बढ़ाना और वातानुकूलित कोचों में एयर कंडीशनिंग प्रणाली के खराब होने की शिकायतों को दूर करना शामिल है। रेलवे के सूत्रों के अनुसार रेल, सूचना एवं प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री वैष्णव ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए मीटिंग की। इसमें रेलवे बोर्ड के सदस्य व दूसरे सीनियर अधिकारियों के साथ-साथ जोनल रेलवे के महाप्रबंधक और सभी मंडल रेल प्रबंधक शामिल हुए।

देश में बुलेट ट्रेन परियोजना की रफ्तार बढ़ाने का संकल्प

- इटली में पीएम मोदी ने जापानी पीएम के साथ की थी बैठक

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी-7 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए इटली की यात्रा पूरी कर भारत वापस आ चुके हैं। उनकी यह यात्रा कई मायने में खास रही है। इस दौरान उन्होंने जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा के साथ द्विपक्षीय बैठक भी की। उन्होंने जापान को यह भरोसा दिलाया कि अपने तीसरे कार्यकाल में भी वह जापान के साथ संबंधों को प्राथमिकता देते रहेंगे। बुलेट ट्रेन परियोजना को जापानी अधिकारियों ने कहा सभी खंडों पर काम शुरू हो गया है और वे प्रगति से संतुष्ट हैं।

पीएमश्री धार्मिक पर्यटन हेली सेवा देवस्थलों के प्रति हमारी आस्था को जोड़ने का संकल्प है: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उज्जैन हेलीपैड से किया पीएमश्री धार्मिक पर्यटन हेली सेवा संचालन का शुभारंभ

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा है कि पीएमश्री धार्मिक पर्यटन हेली सेवा केवल श्री महाकालेश्वर और ओंकारेश्वर नहीं है बल्कि हमारे आस्था के केंद्र ज्योतिर्लिंगों के प्रति देश और दुनिया में स्थित श्रद्धालुओं की आस्था को जोड़ने का संकल्प है। इस आनंद में आज हम सभी सहभागी बन रहे हैं। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के प्रति मैं आभार व्यक्त करता हूं कि उज्जैन में एयरपोर्ट बनाने के लिए भारत सरकार द्वारा स्वीकृति दे दी गई है। मुख्यमंत्री डॉ यादव आज उज्जैन स्थित पुलिस लाइन में पीएमश्री धार्मिक पर्यटन हेली सेवा के संचालन प्रारंभ कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कार्यक्रम में पीएमश्री धार्मिक पर्यटन हेली सेवा के तहत प्रारंभ हो रहे हैं हेलीकॉप्टर की विधिवत पूजा अर्चना की और हेलीकॉप्टर को हरी झंडी दिखाकर हवाई सेवा का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने हेली सेवा के अंतर्गत प्रथम यात्री मुंबई से आई श्रीमती दिशा सिंह और उनके परिवार को विमान टिकट का वितरण किया। पहले चरण में भोपाल उज्जैन ओंकारेश्वर एवं इंदौर उज्जैन ओंकारेश्वर रूट पर यह हवाई सेवा प्रारम्भ की गई है। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए आईआरसीटीसी पर इस सेवा की बुकिंग की सुविधा उपलब्ध कराई गई है।

उज्जैनवासियों ने पेश की सांप्रदायिक सौहार्द की अनूठी मिसाल

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि उज्जैन को पिछले दो दिनों में कई महत्वपूर्ण विकास कार्यों की सौगातें मिली हैं। विकास का यह क्रम निरंतर जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि विकास के लिए उज्जैनवासियों ने सांप्रदायिक सौहार्द की अनूठी मिसाल पेश की है। केडी मार्ग चौड़ीकरण के लिए स्वेच्छा से धार्मिक स्थलों को पीछे करने के लिए मुख्यमंत्री डॉ यादव ने उज्जैनवासियों को धन्यवाद दिया।

कान्ह का दूषित जल मां शिप्रा में नहीं मिलेगा

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि विकास के मामले में उज्जैन नित्य नए आयाम स्थापित कर रहा है। मां शिप्रा शुद्धिकरण के संकल्प को पूरा करने के लिए कान्ह क्लोज डक्ट परियोजना का भूमिपूजन किया गया। जिसमें बड़े आकार की लाइन के माध्यम से पूरी कान्हा नदी की दिशा बदली जायेगी। जिससे मां शिप्रा में कान्ह का दूषित पानी नहीं आएगा। मां शिप्रा का जल शुद्ध बना रहेगा।

'पांडा' डिप्लोमेसी से सुधरेंगे चीन-ऑस्ट्रेलिया के संबंध!

- चीनी पीएम ने की ऑस्ट्रेलिया को दो पांडा देने की घोषणा

बीजिंग (एजेंसी)। चीन और ऑस्ट्रेलिया के संबंधों में कुछ समय पहले तनाव देखा गया। लेकिन अब चीन ऑस्ट्रेलिया से संबंध सुधार रहा है। चीन ने ऑस्ट्रेलिया को एक विशाल पांडा की एक नई जोड़ी देने का फैसला किया है। प्रधानमंत्री ली कियांग ने रविवार को कहा कि दोनों देशों के बीच संबंधों में गर्मजोशी का यह नवीनतम संकेत है। ऑस्ट्रेलिया के पब्लिक ब्रॉडकास्टर एबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक ली ने ऑस्ट्रेलिया की चार दिवसीय यात्रा शुरू करते हुए एडिलेड चिड़ियाघर में यह घोषणा की। यह ऑस्ट्रेलिया का दूसरा सबसे पुराना चिड़ियाघर है। चीनी सरकारी मीडिया के मुताबिक उन्होंने कहा कि इस साल के अंत में वर्तमान जोड़ी जब ऑस्ट्रेलिया से चीन लौट जाएगी, तब नई जोड़ी भेजी जाएगी।

कैमरे में कैद हुआ पृथ्वी का सबसे नजदीकी 'सुपर स्टार'

नासा के चंद्र एक्स-रे ऑब्जरवेटरी ने ली यह खूबसूरत तस्वीर

नई दिल्ली (एजेंसी)। नासा के चंद्र एक्स-रे ऑब्जरवेटरी और नासा के दूसरे टेलीस्कोप से मिले नए डेटा के की मदद से पृथ्वी के सबसे बड़े और सबसे नजदीकी 'सुपर' स्टार समूह पर वैज्ञानिक अध्ययन कर रहे हैं। इस ग्रुप को वेस्टरलंड 1 नाम दिया गया है। इन अध्ययनों की मदद से खगोलविदों को तारों के निर्माण की प्रक्रिया को समझने में मदद मिलेगी। यह एक्सटेंडेड वेस्टरलंड 1 और 2 ओपन क्लस्टर सर्वे नाम की परियोजना से पहला सार्वजनिक रूप से जारी किया गया डाटा है। इसका नेतृत्व इटली के पलेर्मो में स्थित एक संस्थान कर रही है। चंद्र ऑब्जरवेटरी ने सुपर के हिस्से के रूप में वेस्टरलंड 1 का लगभग 12 दिनों तक अध्ययन करने के बाद यह डाटा साझा किया है। नई तस्वीर में चंद्र का डाटा और नासा के हबल स्पेस टेलीस्कोप से पिछला डाटा शामिल है। चंद्र के एक्स-रे से क्लस्टर में नए तारे और गैसों का पता चलता है। युवा तारे ज्यादातर सफेद और गुलाबी रंग के दिखाई देते हैं, जबकि गर्म गैस गुलाबी, हरे और नीले रंग में दिखाई देती है। हबल के डेटा में कई तारे पीले और नीले रंग के डॉट्स के रूप में दिखाई देते हैं। एक दिलचस्प खोज यह है कि वेस्टरलंड 1 के केंद्र में चार प्रकाश वर्ष के दायरे में 1,075 तारे हैं। इसे इस तरह से समझ सकते हैं कि चार प्रकाश वर्ष सूर्य और उसके निकटतम पड़ोसी तारे के बीच की दूरी है। सुपर डेटा की मदद से वेस्टरलंड 1 के केंद्र के चारों ओर गर्म गैस के एक प्रभामंडल का पहली बार पता चला है। खगोलविदों का मानना है कि यह क्लस्टर के गठन और विकास को समझने और इसके मास का बेहतर अनुमान लगाने के लिए जरूरी है।

वर्तमान में, हमारी गैलेक्सी में हर साल केवल कुछ ही तारे बनते हैं। हालांकि, अतीत की बात करे तो मिल्की-वे लगभग 10 बिलियन साल अपने चरम पर था जब यहां हर साल दर्जनों या सैकड़ों तारे बनते थे। इनमें से ज्यादातर घटनाएं विशाल क्लस्टर्स में हुईं जिन्हें सुपर स्टार क्लस्टर के नाम से जाना जाता है। इन्हीं में से एक को वेस्टरलंड 1 नाम दिया गया है। ये क्लस्टर औरों की तुलना में नए हैं और इनका वजन सूरज के वजन से 10,000 गुना ज़्यादा है।

अयोध्या आ रहा है देश का सबसे बड़ा धनुष

• लंबाई इतनी कि हाईवे के तारों में फंसा, कंपनी अफसरों को बुलाया, 4 हजार किलो का गदा पहुंचा

लखनऊ (एजेंसी)। अयोध्या में देश का सबसे लंबा धनुष और बाण स्थापित होगा। धनुष की लंबाई 33 फीट और वजन 3400 किलो है। धनुष के साथ 3900 किलो का गदा भी लगेगी। गदा और धनुष-बाण पंच धातु से बनाए गए हैं। इसे राजस्थान में सुमेरपुर के शिवगंज स्थित श्रीजी सनातन सेवा संस्थान ने बनवाया है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने कहा- सूचना मिली है कि कुछ भक्त गदा और धनुष-बाण लेकर आ रहे हैं। पहले उसे कारसेवकपुरम में रखा जाएगा, फिर तय किया जाएगा कि इन्हें कहां स्थापित किया जाए। राजस्थान से अयोध्या के बीच पांच पड़ाव पार करते हुए यह कारवां अयोध्या पहुंच रहा

है। इसमें पहला पड़ाव बर में, दूसरा जयपुर में, तीसरा आगरा में था। चौथा पड़ाव लखनऊ में, फिर पांचवां और आखिरी पड़ाव है अयोध्या। हर पड़ाव में कई प्रमुख राजनेताओं, साधु-संतों और आम लोग इस गदा और धनुष का स्वागत कर रहे हैं। इस यात्रा को निकालने के लिए पिछले तीन महीने से तैयारी की जा रही थी। मार्च से कारीगरों से लेकर यात्रा निकालने वाले लोग इसमें लगे हुए थे। यात्रा में साथ चलने वाले लोगों के लिए 105 एसी बसों का इंतजाम किया गया। राजस्थान से ही इन बसों में लोग धनुष-बाण और गदा के साथ अयोध्या पहुंच रहे हैं। सबसे पहले पाली में हाईवे पर 72 फीट बालाजी से कुछ आगे राम धनुष का रथ रोकना पड़ा था।

संक्षिप्त समाचार

एनसीईआरटी ने बदल दिया अयोध्या विवाद वाला चैप्टर

• नई किताबों से अब गायब हो गया 'बाबरी मस्जिद' का नाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। 12वीं कक्षा की सामाजिक विज्ञान की नई एनसीईआरटी की किताब में बाबरी मस्जिद का नाम भी हटा दिया गया है। अब नई किताब में इसे तीन गुंबद वाला ढांचा कहा गया है। वहीं अयोध्या वाले अध्याय को छोटा करके चार पेज से केवल दो में कर दिया गया है। इसमें बीजेपी की सोमनाथ से अयोध्या की रथ यात्रा, कार सेवकों की भूमिका, बाबरी मस्जिद ढहाने के बाद हुई हिंसा, राष्ट्रपति शासन और अयोध्या में हुई हिंसा पर बीजेपी के खेद वाली बातों को शामिल किया गया है।

मोदी सरकार तैयार खत्म होगा नई शिक्षा नीति का इंतजार

• विद्यालयीन शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा स्तर तक किए जा रहे हैं कई बदलाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। अरसे से लंबित शिक्षा सुधारों को गति देने की तैयारी हो रही है। इस कड़ी में भारतीय उच्च शिक्षा आयोग का प्रस्ताव अब जल्द संसद की दहलीज तक पहुंच सकता है। इस संबंध में विधेयक को कैबिनेट में मंजूरी के लिए भेजने की तैयारी शिक्षा मंत्रालय की ओर से पूरी कर ली गई है। यह जानकारी केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने दी है।

वसंत राशिनकर स्मृति अ. भा. समारोह में हुआ रचनात्मकता का सम्मान

आपले वाचनालय का रचनात्मक अवदान अतुलनीय व प्रेरणास्पद

इंदौर। शहर की प्रतिष्ठित संस्था आपले वाचनालय के संस्थापक संस्कृति पुरुष वसंत राशिनकर की स्मृति में प्रतिवर्ष आयोजित होने वाले अ. भा. सम्मान समारोह का गरिमापूर्ण आयोजन आपले वाचनालय सभागृह में सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम के अतिथिद्वय मराठी साहित्य अकादमी के पूर्व निदेशक अश्विन खरे और समाजसेवी और शिक्षाविद विनीता धर्म ने आपले वाचनालय को संस्कृति संवर्धन और संरक्षण का अद्वितीय केंद्र निरुपित करते हुए वसंत राशिनकर के निस्वार्थ सामाजिक योगदान को आदरपूर्वक याद किया। अध्यक्ष विद्वान मधुसुदन तपस्वी ने संस्था द्वारा किये जा रहे रचनात्मकता के सम्मान का जिक्र करते हुए अपने उद्बोधन में कवि, मूर्तिकार और समाजसेवी वसंत राशिनकर द्वारा आपले वाचनालय के माध्यम से समाज मे किये गए कार्यों की भूरी भूरी प्रशंसा की। इसके पूर्व प्रसंग वक्ता के रूप में उपस्थित सुभाष वाघमारे ने अपने आत्मीय और प्रभावी संबोधन में न सिर्फ वसंतजी के कार्यों और समर्पण को शिद्दत से याद किया वरन उन्हें शहर की सांस्कृतिक धरोहर निरूपित किया।

आपले वाचनालय व श्री सर्वोत्तम के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस सम्मान समारोह में वर्ष 22 केलिए रत्नागिरी के प्रतिभाशाली कवि और उपन्यासकार डॉ.बालासाहेब लबडे को समारोह के सर्वोच्च सम्मान कविवर्य वसंत राशिनकर स्मृति अ. भा. सम्मान से सम्मानित किया गया। उल्लेखनीय कृतियों को दिए जाने वाले वसंत राशिनकर काव्य साधना अ. भा. सम्मान 22 से अमरावती से आये नितिन भट, पुणे के शरद कवठेकर, नाशिक की जयश्री वाघ के अलावा लातूर के भारत सातपुते, परभणी के तुकाराम पुंडलिक खिल्लारे और बारामती के राघव को सम्मानित किया गया। वर्ष 23 के लिए लातूर के कवी प्रताप वाघमारे को समारोह के सर्वोच्च सम्मान कविवर्य वसंत राशिनकर स्मृति अ. भा. सम्मान से सम्मानित किया गया। उल्लेखनीय कृतियों को दिए जाने वाले वसंत राशिनकर काव्य साधना अ. भा. सम्मान 23 से बेलगांव की हर्षदा सुंठणकर, ठाणे के उदय भिड़े पुणे की सीमा गाँधी, संजीवनी बोकील, अमलनेर के रमेश पवार, देवास की ऋचा दीपक कर्पे और उदगीर के प्रा.ज्ञानेश्वर हंडरगुलीकर को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अच्युत पोतदार प्रदत्त रामू भैया दाते स्मृति पुरस्कार संगीत के क्षेत्र में विशिष्ट उपलब्धी पाने वाले रोहित अग्निहोत्री को प्रदान किया गया। राजेंद्रनगर के नागरिकों की कई वर्षो से निस्वार्थ भाव से सेवा करने वाले राकेश नागदे को संस्था द्वारा इस वर्ष विशिष्ट 'मानव सेवा सम्मान' से सम्मानित किया गया। पूर्वार्द्ध के कार्यक्रम का सुचारू संचालन श्रीति राशिनकर ने किया। उत्तरार्ध में वरिष्ठ कवी भारत सातपुते की अध्यक्षता में प्रभावी मराठी कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस काव्य यात्रा में समारोह में सम्मानित देश के कवियों के अलावा इंदौर की मेधा खिरे, उमेश थोरात, मनीष खरगोणकर, दीपक देशपांडे, ऐश्वर्या डगावकर, जया गाडगे, सुषमा अवधूत, आभा निवसरकर, ज्ञानेश्वर तीखे ने अपनी विविध रंगी कविताओं से श्रोताओं को अभिभूत किया। कवि सम्मलेन का रोचक संचालन किया वैजयंती दाते ने। मनोहर शहाणे द्वारा गायी सरस्वती वंदना के बाद अतिथियों का स्वागत किया सर्वश्री किशोर पाटिल, दीपक देशपाडे, पुंडलिकराव शिंदे ने और आभार माना संदीप राशिनकर ने। इस अवसर पर कार्यक्रम में बड़ी संख्या में सुधि श्रोता उपस्थित थे।

श्री माथुर चतुर्वेदी महासभा के 35वें राष्ट्रीय अधिवेशन का हुआ समापन

भोपाल के वरिष्ठ नागरिकों को प्रदान किया गया श्री माथुर चतुर्वेदी वरिष्ठ नागरिक सम्मान

भोपाल। दूसरे दिन प्रमुख सत्रों में सेवानिवृत्त मेजर जनरल अजय चतुर्वेदी का व्याख्यान सत्र एवं परिचर्चा सत्र आयोजित हुआ जिसमें डॉ. अंजना चतुर्वेदी, डॉ. सिद्धार्थ चतुर्वेदी, डॉ. अदिति चतुर्वेदी, संतोष चौबे प्रमुख रूप से शामिल होंगे। अपने मुख्य वक्तव्य में पूर्व लेफ्टिनेंट जनरल अजय चतुर्वेदी ने कहा कि अभिभावकों को बच्चों पर अपनी आकांक्षाएं थोपने की बजाए उनकी बात सुनने और उसके अनुसार इनेब्लिंग एंवायरमेंट बनाने की सलाह दी जिससे बच्चे अपनी प्रतिभा का बेहतर प्रदर्शन कर सकें। उन्होंने कहा कि सबसे पहले बच्चा परिवार में सीखता है, इसके बाद स्कूल में और उसके बाद समाज में सीखता है। ऐसे में संस्कार से लेकर आत्मविश्वास देने के लिए इस एंवायरमेंट को सजग और मजबूत बनाने की जरूरत पर जोर दिया। साथ ही उन्होंने युवाओं के लिए हॉबी को अपनाने पर भी जोर दिया। हॉबी से इनोवेटिव स्किल्स बेहतर होती हैं जो उन्हें करियर में सफलता के लिए आवश्यक हैं।

डॉ. अंजना ने अपने वक्तव्य में कहा कि बच्चों के समाज से दूर होने में हम अभिभावकों की ही भूमिका रही है। अभिभावकों को बच्चों को समाज के कार्यक्रमों में जोड़ने का प्रयास करना चाहिए क्योंकि यही वे जगहें हैं जहां वे अपने इतिहास, संस्कारों और रीति रिवाजों को करीब से जान सकते हैं। परंतु अक्सर परिवार के बड़ों में ही बच्चों को समाज के कार्यक्रम में लाने के प्रति वैसा उत्साह नहीं होता जैसा कि होना चाहिए।

डॉ. अदिती चतुर्वेदी वत्स ने युवाओं के अपने ट्रेडिशंस से दूर होने के ट्रेंड पर बात करते हुए कहा कि युवाओं को साइंस और लॉजिक

के आधार पर वापस ट्रेडिशंस से जोड़ा सकता है। ऐसे में आवश्यकता है कि हम उन्हें बिंदी लगाने, बिछिया पहनने और अन्य रीति-रिवाजों को मानने के साइंटिफिक लॉजिक देंगे तो वे बिल्कुल इन्हें अपनाएंगे। समाज और संस्कारों से युवाओं को जोड़ने के लिए डिजिटल माध्यम कारगर साबित हो सकते हैं। आज युवा अधिकतर समय इंस्टाग्राम पर बिता रहे हैं। ऐसे में हम अपनी बात उनके रील्स के जरिए रोचक अंदाज में कहें तो वे जरूर विचार करने को मजबूर होंगे। साथ ही डॉ. अदिति ने युवाओं के लिए उद्यमिता प्रकोष्ट की जानकारी वेबसाइट के माध्यम से पहुंचाने एवं उद्यमिता के लिए प्रोत्साहित करने वेबिनार सीरीज का सुझाव दिया। वहीं डॉ. सिद्धार्थ चतुर्वेदी ने युवाओं से जुड़े कई मुद्दों को रखते हुए कहा कि आज युवाओं का पिछली पीढ़ी के साथ ट्रस्ट डिफिसिट की समस्या है। वह आसानी से अपने बुजुर्गों द्वारा अपनाए जा रहे तरीकों से रिलेट नहीं कर पाता है। ऐसे में युवा अलग फ्रिक्वेंसी पर काम कर रहे हैं वहीं बड़े बुजुर्ग अलग फ्रिक्वेंसी पर। इस दूरी को कम करने के लिए युवाओं को परिवार की डिसिजन मेकिंग में शामिल किया जा सकता है। इसके अलावा सिद्धार्थ चतुर्वेदी ने समाज के युवाओं को सशक्त बनाने के लिए स्टार्टअप मेंटरशिप, एजुकेशन असिस्टेंस प्रोग्राम, सोशल मीडिया और एआई टेक्नोलॉजी के उपयोग का सुझाव दिया। साथ ही उन्होंने इंटर्नशिप प्रदान करने की भी बात कही। इस दौरान कार्यक्रम का सफल संचालन संतोष चौबे ने किया।

इसके अलावा कार्यक्रम में श्री माथुर चतुर्वेदी वरिष्ठ नागरिक सम्मान का आयोजन हुआ जिसमें भोपाल के वरिष्ठ नागरिको में हृदयनाथ चतुर्वेदी, हीरालाल चतुर्वेदी, डॉ. दिवाकर नाथ चतुर्वेदी, विमला चतुर्वेदी, कुमुद चतुर्वेदी को सम्मानित किया गया।

इसके बाद दोपहर के सत्र में आयोजन समिति को स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया गया और श्री माथुर चतुर्वेदी महासभा की कार्यकारिणी की घोषणा एवं कार्यकारिणी बैठक का आयोजन हुआ।

एक्सीडेंट कर भाग रहे ट्रॉले ने दो लोगों को रौंदा

बाइक सवार की मौत, महिला गंभीर घायल, बस-दो पिकअप में भी टक्कर मारी

खंडवा (नप्र)। खंडवा में 16 चक्के के ट्रॉले ने दो लोगों को रौंद दिया। बाइक सवार की मौत हो गई। सड़क किनारे खड़ी महिला गंभीर घायल है। इसके पहले ट्रॉले ने कार को टक्कर मारी। कार सवारों के पीछा करने पर ड्राइवर ट्रॉले को फुल स्पीड में भगा रहा था। उसने रास्ते में दो पिकअप और एक बस को भी टक्कर मारी है। घटना रविवार सुबह 11.30 बजे आशापुर गांव में खंडवा-होशंगाबाद स्टेट हाईवे की है। 300 मीटर आगे जाकर चलते ट्रॉले से ड्राइवर और क्लीनर कूदकर फरार हो गए। रेत से भरा ट्रॉला पलट गया। घायलों में एक की हालत गंभीर बताई जा रही है। सबसे पहले ट्रॉले ने इस कार में टक्कर मारी। सवारों ने पीछा किया तो ड्राइवर ट्रॉले को फुल स्पीड में भगाकर ले जा रहा था। सबसे पहले ट्रॉले ने इस कार में टक्कर मारी। सवारों ने पीछा किया तो ड्राइवर ट्रॉले को फुल स्पीड में भगाकर ले जा रहा था।

वेतन वृद्धि को लेकर दिया लीगल नोटिस

भोपाल। दिसंबर एवं 30 जून को सेवानिवृत्ति शासकीय सेवकों को 1 जनवरी एवं 1 जुलाई को वेतनवृद्धि का लाभ देने के संबंध में 15 मार्च 2024 को वित्त विभाग द्वारा जारी परिपत्र में केवल न्यायालयीन आदेश लाने वालों को ही वेतन वृद्धि का लाभ दिए जाने का पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन ने कड़ा विरोध जताया है। संगठन के संरक्षक गणेश दत्त जोशी ने आरोप लगाया है कि वित्त विभाग प्रदेश के पेंशनरों के साथ लगातार भेदभाव कर आर्थिक नुकसान पहुंचा रहा है एवं समरूप उदाहरण/न्यायालयीन निर्णय के संबंध में सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा 26 अप्रैल 2017 को जारी परिपत्र का पालन नहीं करने के कारण न्यायालय में प्रकरणो की अनावश्यक बढ़ोतरी कर उच्च न्यायालय द्वारा ड्ढक्क क्रमांक- 20876/ 2016 में पारित आदेश की अबमानना की जा रही है। एसोसिएशन के प्रांताध्यक्ष आमोद सक्सेना ने बताया कि वेतन वृद्धि के संबंध में 15 मार्च 2024 को जारी परिपत्र में संशोधन कर मृत एवं शारीरिक व आर्थिक रूप से कमजोर सहित सभी प्रभावित पेंशनरों को लाभ देने वाला आदेश जारी किया जाए, के संबंध में लिखे गए पत्रों पर मुख्य सचिव सहित वित्त विभाग के अधिकारियों द्वारा ध्यान नहीं देने के कारण एसोसिएशन ने अधिवक्ता अशोक श्रीवास्तव के माध्यम से मुख्य सचिव, वित्त सचिव आयुक्त कोष एवं लेखा सहित संचालक पेंशन को संशोधित आदेश जारी करने का लीगल नोटिस दिया है। वेतन वृद्धि को लेकर सर्वोच्च न्यायालय द्वारा पारित आदेश का हवाला देते हुए उपादान अधिनियम 1972 के प्रावधान अंतर्गत उपादान की राशि एवं अवकाश नगदी कारण का लाभ सहित एरियर्स देने के लिए 15 दिवस का समय नोटिस में दिया गया है।

अनोखी शादी

आईसीयू में बीमार पिता के सामने बेटियों ने किया निकाह

• डॉक्टर-नर्स बने बाराती, लखनऊ की इस शादी की खूब हो रही चर्चा

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी की राजधानी में अनोखी शादी हुई। फादर्स डे की पूर्व संध्या पर शनिवार को आईसीयू में भर्ती बीमार पिता की आखों के सामने दो बेटियों का निकाह कराया गया। पिता अपने जीते जी बेटियों के हाथ में मेहंदी लगी देखना चाहता था। बीमार पिता की इच्छा के मुताबिक एरा मेडिकल कॉलेज का आईसीयू दो सगी बहनों की शादी का गवाह बना। आईसीयू में भर्ती गंभीर मरीजों की ख्वाहिश पर उसकी दो बेटियों का निकाह आईसीयू में ही पढ़ा गया। माला पहने दूल्हे आईसीयू में निकाह की रस्म पूरी करते नजर आए। डाक्टर नर्स बाराती की भूमिका में नजर आए। दुबग्गा स्थित एरा मेडिकल कॉलेज के

आईसीयू में सैयद जुनैद इकबाल (51) गुजरे 15 दिनों से भर्ती हैं। संक्रमण की वजह से उन्हें सांस लेने में दिक्कत है। इससे पहले चार बार तबीयत बिगड़ने पर अलग-अलग दिनों में भर्ती कराया गया है। भाई डॉ. तारिक साबरी ने बताया कि सैयद जुनैद इकबाल उन्नाव के मुसंडी शरीफ मजार के सज्जादा नशीन हैं। इनकी दो बेटिया हैं। पहली तन्वीला व दरख्शां। दोनों का निकाह पहले से तय था। 22 जून को मुंबई में निकाह व रिसेप्शन मुकर्रर था। अप्रैल में भाई की तबीयत खराब हो गई। 15 दिन पहले एरा के आईसीयू में भर्ती कराया गया। इलाज के बावजूद तबीयत में सुधार नहीं हुआ। लिहाजा पिता ने अपने सामने बेटियों की शादी की ख्वाहिश जाहिर की। पिता चलने-फिरने में लाचार हैं। इसके लिए एरा मेडिकल कॉलेज प्रशासन से अनुमति मांगी। एरा मेडिकल कॉलेज के डॉक्टरों ने इंसानियत की मिसाल पेश करते हुए आईसीयू में निकाह की अनुमति दी। लिहाजा अस्पताल प्रशासन ने आईसीयू में पिता के सामने दूल्हे और मौलवी को बुलाकर दोनों बेटियों का निकाह कराया।

वाराणसी से कल बड़ा तोहफा देने जा रहे पीएम मोदी

• किसान सम्मान निधि के साथ महिलाओं को भी मिलेगा फायदा

नई दिल्ली (एजेंसी)। तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने के बाद पीएम मोदी अपने लोकसभा क्षेत्र वाराणसी का दौरा करने जा रहे हैं। 18 जून यानी मंगलवार को वह वाराणसी में होंगे। पीएम मोदी वाराणसी से ही 9,3 करोड़ किसानों के खाते में 2

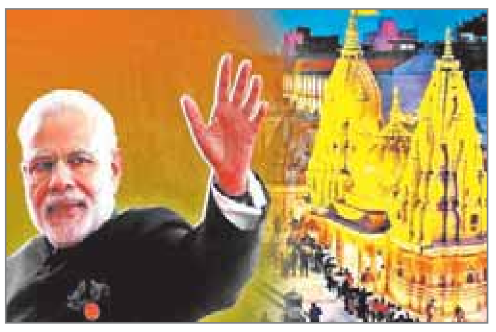

हजार रुपये की 17वीं किस्त ट्रांसफर कर देंगे। इसके अलावा 30 हजार स्वयं सहायता समूहों को 'कृषि सखी' के रूप में मान्यता देंगे। इनमें वे महिलाएं शामिल होंगी जिन्हें कृषि संबंधित प्रशिक्षण दिया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देशभर के 732 कृषि विज्ञान केंद्रों से वर्चुअली जुड़ेंगे। इसके अलावा कई राज्यों में स्थित कृषि विज्ञान केंद्रों से कई केंद्रीय मंत्री भी जुड़े रहेंगे।

मरीजों को मिला लंबी कतार से छुटकारा, अब घर बैठे भी ले सकते हैं डॉक्टर से अपॉइंटमेंट

इंदौर। एमवाय अस्पताल की ओपीडी में मरीजों को लंबी कतार से छुटकारा मिलने लगा है। मरीजों को अब घंटों कतार में नहीं लगना पड़ रहा है। क्योंकि मोबाइल फोन के माध्यम से मरीज घर बैठे डॉक्टर से अपॉइंटमेंट ले सकता है।

ओपीडी बिल्डिंग में मरीज को अपनी जानकारी देने के लिए जगह-जगह स्कैनर चस्पा किए गए हैं। साथ ही यहां कुछ कर्मचारियों की भी नियुक्ति की गई है, जो मरीजों की आईडी बनाने में मदद कर रहे हैं। अस्पताल में मरीजों की आयुष्मान भारत (आभा) आईडी बनाई जा रही है। इसमें मरीज यहां लगे स्कैनर पर मोबाइल से स्कैन करता है। इसके बाद एक फार्म आता है, जिसमें मरीज की जानकारी भरनी होती है। इसके बाद आभा आईडी बन जाती है। इससे एक टोकन नंबर भी जनरेट होता है। काउंटर पर जब टोकन नंबर बताया जाता है तो मरीज की पूरी जानकारी कंप्यूटर पर आ जाती है। काउंटर से मरीज को पर्ची मिल जाती है।

साथ ही अगली बार जब भी मरीज ओपीडी में आएगा और स्कैन करेगा तो उसका रजिस्ट्रेशन हो जाएगा। उसे बार-बार विवरण नहीं डालना पड़ेगा। पहले मरीज को यहां लंबी लाइन में लगकर अपनी पूरी जानकारी देनी होती थी।

इसमें कई बार अधिक भीड़ के कारण घंटों लगते थे, लेकिन अब सिर्फ दो मिनट में पर्ची हाथ में आ जाती है। मरीजों ने बताया कि अब हमें लंबी कतार से राहत मिलने लगी है। हम अस्पताल आते हैं और दो मिनट में हमारी ओपीडी पर्ची बन जाती है। इससे हमारे समय की बचत हो रही है।

घर बैठे ऐसे लें अपॉइंटमेंट

डाक्टरों ने बताया कि अब मरीज एबीडीएम सक्षम एप से घर बैठे भी रजिस्ट्रेशन कर सकता है। एक बार आईडी बनने के बाद उसे डॉक्टर को दिखाने के लिए पुनः टोकन नंबर जारी हो सकता है। अस्पताल में लगे काउंटर पर नंबर दिखाने के बाद उसे पर्ची मिल जाएगी। साथ ही सात दिनों के अंदर यदि वह आता है तो 10 रुपये शुल्क भी नहीं देना पड़ेगा।

डिजिटल हेल्थ रिकॉर्ड हो रहा तैयार

आभा आईडी के माध्यम से मरीजों का डिजिटल रिकॉर्ड भी तैयार हो रहा है। यदि अस्पताल में कोई जांच होगी तो उसकी रिपोर्ट इसके रिकॉर्ड में आ जाएगी। साथ ही यह भी पता चल जाएगा कि किस तारीख को डॉक्टर को दिखाया था। इससे मरीजों को यह फायदा मिलेगा कि उन्हें अब पुरानी जांच रिपोर्ट अपने साथ लाने की आवश्यकता नहीं होगी।

ओपीडी में रोजाना आते हैं दो हजार मरीज

बता दें कि एमवाय अस्पताल की ओपीडी में रोजाना करीब दो हजार मरीज आते हैं। यहां मनोरोग, चर्म रोग, टीबी एवं चेस्ट रोग, ईएनटी, नेत्र रोग, कार्डियोलाजी, यूरोलाजी, किडनी, शिशु रोग आदि की ओपीडी लगती है। यहां सिर्फ इंदौर की नहीं, बल्कि संभाग के धार, बड़वानी, झाबुआ, आलीराजपुर के साथ ही प्रदेशभर से मरीज इलाज के लिए आते हैं।

इनका कहना है

अस्पताल में मरीजों को अब ओपीडी के लिए कतार में नहीं लगना पड़ेगा। यहां आभा आईडी बनाई जा रही है। मरीजों की मदद के लिए यहां कर्मचारी की ड्यूटी भी लगाई गई है। इससे अब मरीजों की रिपोर्ट भी डिजिटल रिकॉर्ड हो जाएगी। उन्हें अपने साथ पुरानी रिपोर्ट नहीं लानी पड़ेगी।

- डॉ. अशोक यादव,
अधीक्षक, एमवाय अस्पताल

इंदौर से शुरू हुई पीएमश्री पर्यटन वायु सेवा, टिकट पर एक माह तक 50 प्रतिशत की छूट

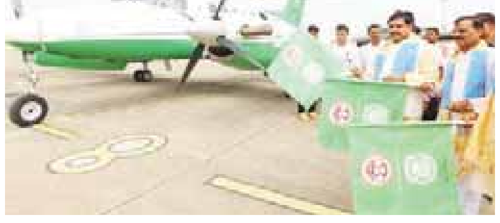

इंदौर। इंदौर में पीएमश्री पर्यटन वायु सेवा की शुरुआत 16 जून से हो गई है। पहले दिन उज्जैन और भोपाल की उड़ानें संचालित होंगी। इसके लिए दोनों शहरों के विमान में बुकिंग फुल हो चुकी है। इसमें यात्रा करने वाले यात्रियों को एक माह तक 50 प्रतिशत की छूट टिकट पर प्राप्त हो रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उज्जैन में पीएमश्री धार्मिक पर्यटन हेली सेवा के संचालन का शुभारंभ किया। इंदौर में पीएमश्री पर्यटन वायु सेवा का पहला विमान उज्जैन और भोपाल के लिए रविवार को देवी अहिल्याबाई होलकर अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट से रवाना होगा। यह 30 मिनट में विमान उज्जैन पहुंच जाएगा। भोपाल के लिए 55 मिनट का समय लगेगा। सप्ताह में चार दिन रविवार, सोमवार, मंगलवार, बुधवार को उड़ानें संचालित होंगी। छह सीटर विमान में पहले दिन रविवार को दोनों शहरों के लिए सीटें उपलब्ध नहीं हैं। इसके बाद भी अगले तीन दिन उज्जैन और भोपाल की सभी सीटें फुल हो चुकी हैं। जबलपुर के लिए सीटें उपलब्ध हैं।

एक माह तक मिलेगी छूट- पीएमश्री पर्यटन वायु सेवा में यात्रियों को एक माह तक 50 प्रतिशत छूट किराये में दी जा रही है। इस वजह से अभी इंदौर से उज्जैन की यात्रा महज 1125 रुपये में हो रही है। वहीं भोपाल, ग्वालियर, रीवा और जबलपुर के लिए भी आधा किराया चुकाना पड़ रहा है। एक माह बाद पूरा किराया चुकाना होगा। अभी उज्जैन की अपेक्षा भोपाल की सीटें अधिक बुक हो रही हैं।

जुलाई से इंदौर एयरपोर्ट पर यात्री अपना चेहरा दिखाकर कर सकेंगे प्रवेश

इंदौर। इंदौर एयरपोर्ट जल्द ही देश के उन चुनिंदा एयरपोर्ट में शामिल होगा, जहां पर चेहरा दिखाकर यात्रियों को एयरपोर्ट पर प्रवेश मिल सकेगा। प्रवेश के दौरान किसी तरह के कागज दिखाने की आवश्यकता नहीं होगी। डीजीयात्रा के उपकरण लगाने का काम लगभग पूरा हो चुका है। इसी माह ट्रायल भी शुरू हो जाएंगे। इसके बाद जुलाई से यह सुविधा यात्रियों को मिल सकेगी। इंदौर के देवी अहिल्याबाई अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर यात्रियों को अब लाइन में खड़े होकर दस्तावेज दिखाने की आवश्यकता नहीं होगी। डीजीयात्रा के

माध्यम से अब यात्री अपना चेहरा स्कैन कर सीधे टर्मिनल में प्रवेश पा सकेंगे। एप पर यात्रियों का चेहरा स्कैन होते ही उनकी जानकारी वेरिफाय हो जाएगी और बोर्डिंग पास मिल जाएगा।

मशीनें लगाने का काम लगभग पूरा- एयरपोर्ट पर इसकी मशीनें लगाने का काम लगभग पूरा हो चुका है। सामान्य प्रवेश द्वार और डीजीयात्रा का प्रवेश द्वार अलग-अलग रहेगा। डीजीयात्रा वाले गेट पर चेहरा स्कैन करने के बाद सीधे अंदर प्रवेश मिल जाएगा। अभी देश के मुंबई, दिल्ली, वाराणसी सहित चुनिंदा एयरपोर्ट पर ही यह सुविधा उपलब्ध है।

तीन स्थानों पर लगाई मशीनें- इंदौर एयरपोर्ट पर तीन स्थानों पर स्कैनर मशीनें लगाई गई हैं। यह मशीनें प्रवेश द्वार, सिक्योरिटी चेकिंग और बोर्डिंग एरिया पर हैं। सभी के संचालन के लिए कर्मचारियों को भी नियुक्त किया जा रहा है। इसके बाद यात्री चेहरा दिखाकर प्रवेश कर सकेंगे। आधार और अन्य दस्तावेज दिखाने की आवश्यकता नहीं होगी। इससे यात्री पेपरलेस यात्रा कर सकेंगे और कागज की जांच में लगने वाला अतिरिक्त समय भी बचेगा।

मोबाइल में एप डाउनलोड करना होगा- डीजीयात्रा की सुविधा का फायदा लेने के लिए यात्रियों को अपने मोबाइल में डीजीयात्रा एप डाउनलोड करना होगा। एप डाउनलोड कर अपना आधार कार्ड, ड्राइविंग लायसेंस और पासपोर्ट, स्कूल सर्टिफिकेट आदि की जानकारी दर्ज करनी होगी। एयरपोर्ट पर कियोस्क पर या मोबाइल एप के माध्यम से चेहरे की पहचान प्रक्रिया पूरी करनी होगी। सत्यापित जानकारी और बोर्डिंग पास की जानकारी का मिलान होते ही यात्री को प्रवेश मिल सकेगा।

मप्र में जल स्त्रोतों के संरक्षण और संवर्धन का कार्य जारी रहेगा : मुख्यमंत्री

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जल स्त्रोतों के संरक्षण और संवर्धन के लिए सभी को संकल्प दिलाया। उन्होंने अभियान के अंतर्गत आयोजित पौधारोपण का शुभारंभ भी किया। इस अवसर पर मीडिया से बातचीत में मुख्यमंत्री ने कहा कि जल ही जीवन है। 5 जून से शुरू होकर 16 जून तक पूरे प्रदेश में चले जल गंगा संवर्धन अभियान में सहभागिता करने वाले सभी लोगों का मैं आभार मानता हूं। डॉ. मोहन यादव ने कहा कि इस अभियान का समापन भले ही हो जाए, लेकिन मध्य प्रदेश सरकार द्वारा जल स्त्रोतों के संरक्षण व संवर्धन का कार्य लगातार चलता रहेगा। आयोजन में मप्र के मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और तुलसी सिलावट भी शामिल हुए।

चार बार के खिलाफ प्रशासन की कार्रवाई टीडीएस, जिमखाना, डियाबलो और पिंड बलूची के लाइसेंस सस्पेंड

इंदौर। जिला प्रशासन द्वारा शहर के टीडीएस, जिमखाना, डियाबलो और पिंड बलूची के लाइसेंस सस्पेंड किए गए हैं। इनमें से तीन के लाइसेंस एक माह के लिए और पिंड ब्लूची का लाइसेंस 15 दिनों के लिए सस्पेंड किया गया है। यह कार्रवाई देर रात खुले रहने और लाइसेंस शर्तों के उल्लंघन करने पर की गई है। डियाबलो बार 31 मार्च को देर रात खुला पाया गया था। टीडीएस और सेंट्रल जिमखाना द्वारा 3 जून को ड्राई डे का उल्लंघन कर देर रात तक बार संचालित किया गया था। पिंड बलूची का 29 मई को निरीक्षण किया गया। इस दौरान लाइसेंस शर्तों का उल्लंघन पाया गया था। टीडीएस, जिमखाना और पिंड बलूची पर 10-10 हजार का जुर्माना किया गया है।

दोनों हाथों से गेंदबाजी करते हैं सोहम पटवर्धन, बीसीसीआई के हाई परफॉर्मेंस शिविर के लिए चयन

इंदौर। क्रिकेट में बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों साथ करने वाले हरफनमौला कम होते हैं। इस पर भी यदि कोई खिलाड़ी दोनों हाथ से गेंदबाजी करे ऐसा कम ही देखने या सुनने को मिला है। मप्र के जूनियर क्रिकेटर सोहम पटवर्धन बल्लेबाजी के साथ दोनों हाथ से नियमित गेंदबाजी भी करते हैं। इसी प्रतिभा के चलते उन्हें बीसीसीआई ने बेंगलुरू में

आयोजित हाई परफॉर्मेंस शिविर के लिए चुना है। मध्य प्रदेश से सोहम के अलावा इस शिविर में रोहित सिंह राजावत भी हिस्सा लेंगे।

बाएं हाथ से बल्लेबाजी, दोनों हाथ से गेंदबाजी- सोहम बाएं हाथ से बल्लेबाजी करते हैं। साथ ही दोनों हाथ से गेंदबाजी भी करते हैं। दाएं हाथ से आफ स्पिन और बाएं हाथ से ऑर्थोडॉग्स गेंदबाज सोहम परिस्थिति के अनुसार फैसले लेते हैं। जब सामने दाएं हाथ के बल्लेबाज आते हैं तो बाएं हाथ से गेंदबाजी करने लगते हैं। वहीं बाएं हाथ का बल्लेबाज होता है तो दाएं हाथ से आफ स्पिन करते हैं। उस कारण उन्हें खेलना विपक्षी बल्लेबाजों के लिए कठिन हो जात है। हाल ही में अकादमी की अनादी तागड़े और आयुषी शुक्ला का भी चयन जूनियर लड़कियों के लिए आयोजित हाई परफॉर्मेंस शिविर में हुआ है।

इंदौर में बोले मुख्यमंत्री : महाकाल लोक में लगेंगी ठोस प्रतिमाएं

इंदौर। लोक कला और संस्कृति के व्यापक प्रसार में मालवा उत्सव का विशेष महत्व है। मालवा उत्सव को और विस्तार दिया जाएगा। यह बात मुख्यमंत्री डा मोहन यादव ने आज इंदौर में आयोजित मालवा उत्सव में कही। डा यादव ने कहा मालवा की कला और संस्कृति का दुनियाभर में व्यापक प्रसार हो इसके लिए भी विशेष प्रयास किए जाएंगे। कला और संस्कृति से एक से दूसरे देश को तथा मानव सभ्यता को जोड़ने में विशेष महत्व रहता है। उन्होंने कहा मां अहिल्या द्वारा स्थापित संस्कृति की ध्वज पताका आज भी फहरा रही है। उन्होंने यह भी बताया कि उज्जैन महाकाल लोक में ठोस पत्थर की प्रतिमाएं स्थापित की जा रही हैं। गौरतलब है कि कुछ समय पहले महाकाल लोक में स्थित सप्तऋषि की प्रतिमाएं आंधी तूफान में गिर गई थी जिसके बाद देशभर में भक्तों ने रोष जताया था। कार्यक्रम में मध्यप्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र के लोक संस्कृति दलों द्वारा नृत्य की प्रस्तुति दी गई।

इंदौर- जल गंगा संवर्धन- वन्दे जलम अभियान के तहत साइक्लोथान

500 से ज्यादा प्रतिभागियों ने लिया हिस्सा, महापौर ने दिलाई जल संरक्षण की शपथ

इंदौर। जल गंगा संवर्धन एवं वंदे जलम अभियान के अंतर्गत जल संरक्षण के महत्व को समझाने और प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस अभियान का समापन रविवार एक भव्य साइक्लोथान के साथ हुआ, जिसका शुभारंभ महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने किया। इस मौके पर जलकार्य प्रभारी अभिषेक शर्मा बबलू, अधीक्षण यंत्री महेश शर्मा, विभिन्न संगठनों के 500 से अधिक प्रतिभागी एवं अन्य उपस्थित थे। पलासिया चौराहा से भंवरकुआ चौराहा और वापस पलासिया चौराहा तक आयोजित इस साइक्लोथान में 500 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने साइक्लोथान का शुभारंभ करते हुए कहा, जल संरक्षण हमारे भविष्य के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस अभियान के माध्यम से हम न केवल जल संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ा रहे हैं, बल्कि इसे एक सामुदायिक प्रयास बना रहे हैं। साइक्लोथान के आयोजन के पूर्व पलासिया चौराहा सेल्फी पॉइंट पर एक सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किया गया, जिसमें शहरवासियों ने बड़ी संख्या में भाग लिया।

जलकार्य प्रभारी अभिषेक शर्मा बबलू ने बताया कि इस अभियान के तहत शहर में कुओं, बावड़ी, और तालाब की सफाई के लिए श्रमदान और निबंध एवं पेंटिंग प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया था, उक्त प्रतियोगिताओं में चयनित प्रतिभागियों को भी सम्मानित किया गया। इस अवसर पर महापौर भार्गव ने सभी उपस्थित लोगों को जल संरक्षण की शपथ दिलाई और इस दिशा में लगातार प्रयास करने की प्रेरणा दी। साइक्लोथान में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को महापौर द्वारा सम्मानित किया गया, और उन्होंने सभी को इस महत्वपूर्ण अभियान का हिस्सा बनने के लिए धन्यवाद दिया।

कारोबारी से दो करोड़ रुपये वसूलने की साजिश का पर्दाफाश, लेडी डॉन के रूप में कुख्यात युवती और पहलवान सहित सात पर केस

इंदौर। लोहा कारोबारी को दुष्कर्म के मामले में फंसाकर दो करोड़ रुपये वसूलने की साजिश का पर्दाफाश हुआ है। पलासिया पुलिस ने एक महिला सहित चार लोगों को गिरफ्तार किया है। साजिश अन्नपूर्णा क्षेत्र की लेडी डॉन के रूप में कुख्यात युवती सपना साहू द्वारा तैयार की गई थी। आरोपित दुष्कर्म की रिपोर्ट लिखवाने के बाद भी कारोबारी और उसके पिता पर समझौते का दबाव बना रहे थे। पुलिस ने गुरुवार रात गीता कॉलोनी निवासी कारोबारी सजल मित्तल पर दुष्कर्म का केस दर्ज किया था। शुक्रवार को कथित दुष्कर्म पीड़िता का पति सजल के पिता सतीश के पास पहुंचा और एक कैफे पर बुलाकर 50 लाख रुपये में समझौते का प्रस्ताव रखा।

पुलिस ने महिला और पति को बुलाया थाने पर- पुलिस ने महिला और उसके पति को बातचीत के लिए थाने बुलाया और मोबाइल जब्त कर लिए। महिला के फोन में सपना साहू, ऋषि से हुई चैटिंग मिल गई, जो पिछले चार महीने से चल रही थी। सपना साहू ने ही महिला को सजल के पास भेजा था।

नहीं लिखवाई थाने में रिपोर्ट

महिला का पति साथियों के साथ पीछा करते हुए पहुंचा और सजल के साथ मारपीट की। मामला तिलकनगर थाने पहुंचा लेकिन उस वक्त रिपोर्ट नहीं लिखवाई। दूसरे दिन पुलिस आयुक्त राकेश गुप्ता को शिकायत कर सजल पर दुष्कर्म का आरोप लगाया।

फोन की जांच में मिली चैटिंग

टीआइ ने शुक्रवार को महिला के फोन की जांच की तो पति को भेजी लोकेशन और चैटिंग मिल गई। टीआइ के मुताबिक महिला ने राधे पहलवान को भी मैसेज भेजे थे। सजल का विजिटिंग कार्ड भेजकर उसकी जानकारी निकालने के लिए कहा था। यह भी कहा था कि बड़ा आदमी है। दो करोड़ रुपये का काम हो जाएगा।

अवैध वसूली करती है लेडी डॉन सपना साहू

सपना साहू के खिलाफ शहर और अन्य जिलों में आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। उसे लेडी डॉन के नाम से जानते हैं। सपना की गैंग से आपराधिक किस्म के लोग जुड़े हैं। टीआई के मुताबिक सपना फरार हो गई है। सजल की गिरफ्तारी के बाद भी सपना थाना और कोर्ट पर सक्रिय थी।

जन्मदिन पार्टी के बाद विवाद में चाकू मारकर युवक की हत्या, युवती को लेकर हुई कहासुनी, आरोपी हिरासत में

इंदौर। पुलिस के अनुसार आरोपी और मृतक आपस में रिश्तेदार थे। इंदौर के लालबाग के सामने स्थित अर्जुनपुरा मल्टी में हत्या हुई। 19 वर्षीय शिवा को आरोपी कुणाल उर्फ कान्हा ने चाकू मारा था। दोनों के बीच किसी युवती को लेकर भी कहासुनी हुई थी। दोनों किसी दोस्त की जन्मदिन की पार्टी में भी शामिल हुए थे।

इंदौर। छत्रीपुरा थाना अंतर्गत शनिवार रात युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में भी ले लिया है। पुलिस के अनुसार दिन में तो दोनों साथ बैठकर शराब पी रहे थे। रात को पुनः विवाद हुआ और आरोपित ने युवक के गले के पास चाकू मार दिया। देर रात उसकी मौत हो

गई। आरोपी और मृतक आपस में रिश्तेदार भी बताए जा रहे हैं। उनमें एक युवती को लेकर कहासुनी हो गई थी।

अर्जुनपुरा मल्टी में हुई घटना- एडिशनल डीसीपी जोन-4 आनंद यादव के मुताबिक घटना लालबाग के सामने स्थित अर्जुनपुरा मल्टी की है। 19 वर्षीय शिवा को आरोपित कुणाल उर्फ कान्हा ने चाकू मारा था। शिवा को गंभीर अवस्था में स्वजन अस्पताल लेकर गए। खून ज्यादा बहने से देर रात शिवा को डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने रात में ही कान्हा को हिरासत में ले लिया।

युवती को लेकर हुआ विवाद

दोपहर को सभी ने शराब पी और घर लौट आए। रात को मल्टी में एक युवती को लेकर कहासुनी हो गई। कान्हा ने शिवा के गले पर चाकू मार दिया। स्वजन ने उसे तत्काल अस्पताल पहुंचाया, लेकिन उसकी मौत हो गई। शिवा ढोलक बजाने का काम करता था। वह माता-पिता का इकलौता बेटा था।

पुलिस कर रही पूछताछ

पुलिस के मुताबिक आरोपित कान्हा भी ढोलक बजाता है। पुलिस घटना स्थल और पार्टी में मौजूद लोगों से भी पूछताछ कर रही है। शिवा की मां की तरफ से जानलेवा हमला का केस दर्ज हुआ था। अब हत्या की धारा बढ़ाई जाएगी।

संपादकीय

जी7 : भारत को क्या हासिल

दुनिया की औद्योगिक और बड़ी आर्थिक महाशक्तियों के सम्मेलन जी 7 में भारत के संदर्भ में यह सवाल पूछा जाना वाजिब है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का मेजबान इटली की पीएम जार्जिया मेलोनी के साथ सेल्फी खिंचवाने, मेलोनी का नमस्ते करके उनका स्वागत करने और दोनों के मिलकर ठहाका लगाने के अलावा और क्या हासिल है? भारत जी 7 का सदस्य नहीं है, फिर भी बतौर आमंत्रित उसे इस सम्मेलन में बुलाया जाता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तीसरी बार पद की शपथ लेने के बाद इटली इस सम्मेलन में भाग लेने गए थे। मोदी भक्तों ने इस सम्मेलन की सफलता इस बात में आंकी कि वहां मोदी ने मेलोनी के साथ सेल्फी खिंचवाई, जिसे वायरल किया गया। महज 9 घंटे के अंतराल में वीडियो क्लिप को 20.2 मिलियन से अधिक बार देखा और सोशल साइट एक्स पर 64 हजार से अधिक बार रीपोस्ट किया गया। यही नहीं, आमंत्रित होने के बाद भी मोदी को मंच पर बीच में जगह मिली, जो विश्व में भारत के बढ़ते सम्मान और आर्थिक ताकत के रूप में स्वीकृति है। जी 7 संगठन मूलतः दो वैश्विक महाशक्तियों रूस और चीन के खिलाफ एक अमेरिकानीत गठजोड़ है जो इन दोनों महाशक्तियों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से काम करता है। जहां तक भारत की बात है तो उसके जी7 देशों और रूस से भी अच्छे सम्बंध है, इसलिए भारत रूस के खिलाफ किसी अंतरराष्ट्रीय मोर्चाबंदी में खुले तौर पर भाग नहीं ले सकता। अलबत्ता चीन के विरूद्ध ऐसी किसी भी गोलबंदी में वह सहयोग करने के लिए तैयार है। यही बात सम्मेलन की कार्रवाई से स्पष्ट होती है। सम्मेलन में जो घोषणा हुई, उसमें सबसे महत्वपूर्ण भारत पश्चिम एशिया यूरोप आर्थिक गलियारे के निर्माण को लेकर प्रतिबद्धता को दोहराना तथा वैश्विक न्यूनतम कर आधार के जरिये एक निष्पक्ष अंतरराष्ट्रीय कराधान प्रणाली को अपनाना है। इसके लिए सभी सदस्य देशों से राजनीतिक इच्छाशक्ति व्यक्त करने की अपेक्षा की गई है। भारत के संदर्भ में यह महत्वपूर्ण है कि भारत पश्चिम एशिया यूरोप कॉरिडोर का जो प्रस्ताव पश्चिम एशिया में हमास इजराइल युद्ध के कारण ठंडे बस्ते में चला गया था, वह फिर से ताजा हो गया है। दुनिया के सात शीर्ष औद्योगिक देशों के समूह जी7 के शिखर सम्मेलन के अंत में जारी साझा वक्तव्य में भारत-पश्चिम-यूरोप आर्थिक गलियारे (आईएमईसी) के प्रस्तावों को आगे बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्धता जताई गई है। यह समूचा कॉरिडोर दर असल चीन के 'वन बेल्ट वन रोड' जैसी महत्वाकांक्षी योजना का तगड़ा जवाब है। लेकिन इस कॉरिडोर का निर्माण बहुत आसान नहीं है। इसके सम्बंधित देशों की ठोस प्रतिबद्धता चाहिए। जी7 सम्मेलन के समापन पर जारी वक्तव्य में कहा गया कि जी7 कानून के शासन के आधार पर स्वतंत्र और मुक्त हिंद-प्रशांत के लिए प्रतिबद्ध है। इसके साथ ही कहा गया कि गुणवत्तापूर्ण अवसंरचना और निवेश के लिए परिवर्तनकारी आर्थिक गलियारे विकसित करने के लिए जी7 वैश्विक अवसंरचना और निवेश के लिए साझेदारी (पीजीआईआई) की अहम परियोजनाओं को बढ़ावा देंगे। इनमें भारत-पश्चिम एथिया-यूरोप आर्थिक कॉरिडोर के साथ ही लोबिटो कॉरिडोर, लुजोन कॉरिडोर, मिडिल कॉरिडोर शामिल हैं। वक्तव्य में कहा गया है कि खासतौर पर आईएमईसी को मूर्तरूप देने के लिए समन्वय और वित्तपोषण पर जोर दिया जाएगा। इसके साथ ही ईयू ग्लोबल गेटवे, ग्रेट ग्रीन वॉल पहल और अफ्रीका के लिए इटली द्वारा शुरू की गई मैटेई योजना को भी अमली जामा पहनाया जाएगा। भारत-पश्चिम एशिया-यूरोप आर्थिक गलियारा (आईएमईसी) परियोजना के तहत सऊदी अरब, भारत, अमेरिका और यूरोप के बीच एक विशाल सड़क, रेलमार्ग और पोत परिवहन तंत्र की परिकल्पना की गई है। इस पर अमल हो सका तो भारत सचमुच विश्व की तीसरी अर्थ व्यवस्था बन सकता है।

नजरिया

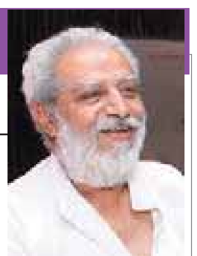

रघु ठाकुर

लेखक समाजवादी चिंतक हैं।

चुनाव परिणाम में छिपा है जनता का संदेश

लोकसभा के चुनाव परिणाम आ चुके हैं और नई सरकार का गठन भी हो चुका है। इस संसदीय चुनाव में यद्यपि भाजपा और श्री मोदी ने अबकी बार 400 पार के नारे से अभियान शुरू किया था। परन्तु मतदाताओं ने उनका नारा बदल दिया और कहा कि अबकी बार मुश्किल से पाये। देश के जनमत ने अपना निर्णय इस प्रकार का दिया कि भाजपा को 240 और एनडीए 291 सीट ही मिली है। जनता ने प्रतिपक्ष को ताकत दी है और सशक्त विपक्षी की भूमिका निर्वाहन के लायक बनाया है। अयोध्या जिसकी चर्चा पिछले लगभग 3 दशक से राजनीति के केन्द्र में रही और इस चुनाव के पहले रामलला की प्राण प्रतिष्ठा और अयोध्या में जाकर दर्शन करने का एक सुनियोजित अभियान चलाया गया। जिससे ऐसा वातावरण बना कि शायद अब भाजपा को कोई चुनौती देने वाला नहीं है। प्रतिपक्ष के नेताओं को दर्शन न करने का अपराधी घोषित किया गया और प्रचार तंत्र से ऐसा वातावरण बना कि प्रतिपक्ष के नेता भी प्राण प्रतिष्ठा के समय अयोध्या नहीं पहुंच पाने के मामले में देश को सफाई देने लगे। परन्तु देश की जनता ने एक बार वैसा ही चमत्कारी निर्णय लिया जैसा कि सन् 1977 में जनता पार्टी के पक्ष में लिया था। जनता ने नरेन्द्र मोदी की सरकार तो बनाई परन्तु उन्हें वैशाखियों पर खड़ा कर दिया और प्रतिपक्ष के मुंह पर केन्द्र सरकार ने जो दबाव की ईडी, सीबीआई, इनकम टैक्स की पट्टियाँ बांधी थी उन्हें खोल दिया। ग्रामीण समाज में तो यहां तक चर्चा है कि भगवान राम मर्यादा पुरुषोत्तम हैं और इसलिए उन्होंने सरकार और प्रतिपक्ष दोनों की मर्यादा रेखा खींच दी। ऐसा लगता था कि इस चुनाव परिणाम के बाद जिनमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तकनीकी रूप से जीते हैं परन्तु नैतिक रूप से हारे हैं। श्री नरेन्द्र मोदी अपनी राजनैतिक शैली में कुछ बदलाव लायेंगे। बनारस संसदीय क्षेत्र में उनकी जीत का अंतर 4 लाख से घटकर 1.5 लाख हो गया और वह भी तब जब उन्होंने सरकारी तंत्र का भरपूर उपयोग किया। परन्तु ऐसा प्रतीत नहीं होता कि उन्होंने परिणाम को तथ्यों के आधार पर लिया है। उनकी भाषा अभी भी घमंड से भरी हुई है। उन्होंने एनडीए की संसदीय दल की बैठक में कहा कि ना हारे हैं और ना हारेंगे। यह भाषा न लोकतांत्रिक है और न विनम्रता की भाषा है। बल्कि एक प्रकार से देश के जनमत को चुनौती देती है। कांग्रेस के नेता श्री राहुल गांधी ने भी 11 जून को बयान दिया कि अगर मेरी बहिन प्रियंका गांधी लड़ी होती तो वे दो-तीन लाख मतों से जीतती। यह बयान भी अहंकारी बयान है। यदि उनका यह आंकलन था तो उन्होंने अपनी बहिन को प्रत्याशी क्यों नहीं बनाया। जबकि बनारस की कांग्रेस पार्टी के प्रत्याशी श्री अजय राय यह मांग कर रहे थे कि प्रियंका जी को लड़ाया जाये। श्री राहुल गांधी के बयान का तो अर्थ यह हुआ कि वे श्री नरेन्द्र मोदी को चुनाव जिताना चाहते थे इसलिए उन्होंने अपनी बहिन को उनके विरुद्ध खड़ा नहीं किया। वे भूल कर रहे हैं कि कांग्रेस की संख्या वृद्धि श्री अखिलेश यादव, श्री लालू यादव एवं श्री उद्धव ठाकरे के सहारे हुई है, वरना कांग्रेस शासित राज्यों कर्नाटक, तेलंगाना में कांग्रेस की स्थिति कमजोर ही रही है। कर्नाटक व तेलंगाना में भी भाजपा कांग्रेस को बराबर सीटें मिली। केरल में भी उन्होंने भाजपा को नहीं वरन अपने गठबंधन के सहयोगी को ही हराया है।

हालांकि जनस्मृति को ताजा करने के लिए मैं बता दूं कि 1992 में मस्जिद के गिरने के बाद जब उत्तरप्रदेश विधानसभा चुनाव हुए थे तब भी अयोध्या में भाजपा हारी थी। उस समय सपा और बसपा का गठजोड़ था और नारा चलता था कि शिमले मुलायम कांशीराम हवा हो गये जय श्रीराम। उत्तरप्रदेश ने कभी भी राम के नाम पर राजनैतिक निर्णय नहीं किया, चाहे वह निर्णय 1993 का हो या वह 2024 का हो। श्री अखिलेश यादव ने इस बार जातीय फार्मूला को छोड़कर डॉ. लोहिया और कर्पूरी ठाकुर के विचार के अनुरूप पिछड़े वर्ग का फार्मूला अपनाया। उन्होंने यादव को 5, कुर्मी को 10, कोयरी, कुशवाहा को 10, मल्लाह को तीन टिकिट दिया। और इस न्याय संगत बंटवारे ने बुंदेलखंड, अवध और पूर्वांचल जहां से भाजपा जीतती थी उसे लगभग साफकर दिया। लोहिया, कर्पूरी फार्मूले का यह प्रभाव हुआ है कि श्री नरेन्द्र मोदी जो स्वयं विश्व नेता बनते थे, बनारस के नेता भी नहीं रहे। उनके शपथ समारोह में भी केवल दक्षिण एशिया के छोटे देशों के प्रतिनिधि ही शामिल हुए हैं।

श्री नरेन्द्र मोदी की मानसिक बनावट के आधार पर यह माना जा सकता है कि वे अपने आपको नहीं बदलेंगे समय का इंतजार करेंगे। उनकी थोड़ी बहुत ऊपरी विनम्रता अस्थायी दिखावा है। उनके मंत्रिमंडल के गठन में भी जो पुराने मंत्री थे यथावत वापिस किये गये हैं। बल्कि वो ऐसे मंत्री हैं जो अभी किसी भी सदन के सदस्य नहीं है। जाहिर है कि यह जनमत का अपमान है। ऐसा भी लगता है कि शायद वैश्विक आर्थिक संस्थाओं के दबाव में वे उसी प्रकार है जिस प्रकार से स्व. नरसिंहराव या स्व. वाजपेयी और श्री मनमोहन सिंह थे।

इतना अवश्य है कि इस बार शपथ के बाद वे श्री आडवानी और श्री मुरलीमनोहर जोशी जिनके ऊपर वे दृष्टि भी नहीं डालते थे, से जाकर मिले। उन्होंने श्री मनमोहन सिंह से भी बात की और जिन राष्ट्रपति श्रीमति द्रोपदी मुर्मू का खड़े होकर अभिवादन भी नहीं किया था, इस बार दोनों हाथ जोड़कर उन्हें नमस्कार किया। सेगोल रूपी धर्म दण्ड की बजाय संविधान को नमन किया। अब यह तो भविष्य ही तय करेगा कि यह उनका भीतरी बदलाव है या नया मार्केटिंग का पैंतरा। यह शक इसलिए भी है कि वे इतने अधिक प्रचार आतुर हैं कि केदारनाथ मठ या विवेकानंद स्मारक शिला पर जाकर ध्यान लगाते हैं और फोटो खिंचवाकर छपवाते हैं।

प्रधानमंत्री बनने के बाद देश में तीन घटनायें हुई जिन पर उनकी चुप्पी पूर्व के समान यथावत है। एक जम्मू में मंदिर के दर्शन के लिए गये श्रद्धालुओं पर आतंकी हमला जिसमें लगभग 10 लोगों की मौत हुई, दूसरी मणिपुर में मुख्यमंत्री के काफिले पर हमला। यद्यपि इसमें मुख्यमंत्री नहीं थे, परन्तु काफी क्षति पहुंची। तीसरी नीट परीक्षा में धांधली हुई। यहां तक कि 67 विद्यार्थियों को पूरे 720 अंक प्राप्त हुए और यह विद्यार्थी केवल दो कालेजों के ही बताये जाते हैं। समूचे देश के परीक्षार्थी जिनकी संख्या लाखों में है इस घोटाले से प्रभावित हैं और परिणाम के घोषणा के बाद देशभर में आंदोलन हो रहे हैं। परन्तु प्रधानमंत्री अभी भी कन्याकुमारी की ध्यानावस्था में आंख और मुंह बंद करे बैठे हैं। यहां तक कि सुप्रीम कोर्ट ने भी इसे संदिग्ध माना है। शायद उनकी निर्णय क्षमता बहुत घट गयी है और बोली तथा कर्म का अंतर बहुत बढ़ गया है।

पिछले दो दिनों से संघ प्रमुख मोहन भागवत और संघ मुखपत्र पांचजन्य का समाचार चर्चा में है। श्री मोहन भागवत को लगभग एक वर्ष से जारी मणिपुर की हिंसा का ध्यान अब आया है और उन्होंने चिंता जताई है, जब मणिपुर नियंत्रण के लगभग बाहर हो चुका है। और दूसरा उन्होंने उपदेश दिया है कि लोकतंत्र में विपक्ष नहीं प्रतिपक्ष होता है। जबकि पिछले दस वर्षों से उनकी जमातें प्रतिपक्ष को विपक्ष तो दूर शत्रु-पक्ष मान रहा था और उसे समाप्त करने के लिए वैधानिक या अवैधानिक, संवैधानिक या असंवैधानिक कदमों का सहारा ले रही थी। श्री मोहन भागवत का यह बयान उनकी अपनी भविष्य की चिंता का बयान लगता है। इसी को दूसरे रूप में पांचजन्य में छापा गया है कि श्री नरेन्द्र मोदी को मद हो गया था। भाजपा अध्यक्ष ने बयान दिया था कि हमें संघ की आवश्यकता नहीं है और संघ ने आखिरी चरणों के चुनाव में उन्हें उनकी हैसियत बता दी। हालांकि पहले 5 चरणों में भी मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ को छोड़कर भाजपा को कोई उल्लेखनीय सफलता नहीं मिली थी। केरल में उन्हें 1 सीट मिली है परन्तु मुख्य प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस बनाम वामपंथी है। आंध्रप्रदेश में भाजपा श्री चंद्रबाबू नायडू की वैशाखियों पर टिकी है। एक उड़ीसा को छोड़कर कोई बड़ी उपलब्धि नहीं है जो संघ बताना चाहता है कि भाजपा को वही जिताता और वही हराता है। फिर वह पिछले 5 साल से चुप क्यों था? संघ का तरीका भी द्विअर्थी भाषा और मीठा-मीठा गप्प, कड़वा-कड़वा थू का रहा है और जब तक फायदा उठा सको तो उठाओ और जब नहीं उठा सको तो उसको नकार दो। पांचजन्य कहता है कि महाराष्ट्र में अजित पवार के समझौते से नुकसान हुआ तो जब भाजपा समझौता कर रही थी तब संघ और उसके संगठन प्रमुख जो भाजपा में संघ से प्रतिनियुक्ति पर भेजे जाते हैं और वे ही निर्णायक होते हैं, तब वे कहां थे? क्या बिहार में नीतीश कुमार, उत्तरप्रदेश में ओमप्रकाश राजभर के साथ समझौता नैतिक और नीति संगत था? तब संघ एक तरफसत्ता का भरपूर उपयोग करता है और दूसरी तरफरणनीति के तौर पर भाजपो स अलग है यह बताता है। हालांकि एक कटु सत्य यह भी है कि संघ के दबाव में मोदी जी जातीय जनगणना नहीं करा सके। जिसका भारी नुकसान हिंदी भाषीय क्षेत्रों में उन्हें उठाना पड़ा। प्रतिपक्ष को जातिगत जनगणना, आरक्षण समाप्ति और संविधान बदलने की मंशा, ये तीनों ही मुद्दे संघ ने दिये हैं जिसका नुकसान श्री मोदी को को उठाना पड़ा है। यहां तक उनकी इतनी मुंहबंदी हुई कि कांग्रेस ने 2011 में जो जातिगत जनगणना कराई थी पर परिणाम घोषित नहीं किये थे। उसकी भी चर्चा वे सार्वजनिक तौर पर नहीं कर सके। देश में यह आम धारणा बनी है कि यह सरकार अपना कार्यकाल पूरा नहीं करेगी। एनडीए का अंतर संतुलन श्री मोदी का स्वभाव और मुखर-जन विरोध इसके कारण हो सकते हैं। हो सकता है कि संघ भाजपा के इस अनिश्चित भविष्य की शंकाओं से आशंकित हो और ऐसे बयान देकर भविष्य की सुरक्षा तलाश रहा हो। मैं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को सलाह दूंगा कि वे निम्न कदम उठायें ताकि उनकी सरकार की साख बच सके-

1. जम्मू की आतंकवादी घटनाओं में अमेरिकी, एम-कार्बाइन का इस्तेमाल हुआ है। जिन्हें अमेरिका ने पाकिस्तानी फौज को दिया था। मतलब साफ है कि आतंकवादियों को हथियार पाकिस्तान की सेना के द्वारा दिये जा रहे हैं। और यह पर्याप्त आधार है कि भारत अब पीओके को वापिस लेने की कार्यवाही करे ताकि आतंकवाद के आवागमन पर स्थायी रोक लग सके।
2. सार्वजनिक क्षेत्र के उद्योगों की निजीकरण की नीति समाप्त करे और पिछले दिनों जो निजीकरण हुआ है उसे वापिस करे।
3. देश के वरिष्ठ नागरिकों, पत्रकारों, महिलाओं के दी जाने वाली सुविधायें जैसे रेलवे और अन्य विभागों की जो समाप्त कर दी गई थी, उन्हें बहाल करें।
4. देश के सरकारी क्षेत्रों में जो नौकरियों के रिक्त स्थान हैं उन्हें एक मुश्त अधिकतम तीन माह में भरे।
5. जातिगत जनगणना 2011 की रपट सार्वजनिक करे तथा बिहार के समान आरक्षण सीमा बढ़ायें।
6. नीट परीक्षा घोटाले जैसे घोटाले फिर न हो उसके लिए कदम उठायें। अभी नीट की परीक्षा में जो गड़बड़ी हुई है उन 67 देवपुत्रों की अंकसूचियों की खुली जांच कराये तथा जिम्मेदार संख्या के मालिकों के तथा अधिकारियों के खिलाफभी आपराधिक कार्यवाही हो तथा बकाया विद्यार्थियों के परीक्षा परिणाम घोषित किये जायें।

डेक्कन - डायरी

डॉ. सुधीर सक्सेना

पवन कल्याण: इसे कहते हैं स्ट्राइकिंग रेट !

पवन कल्याण सिनेस्टार हैं। तेलुगु फिल्मों के लोकप्रिय और चहेते सितारे। उनके लिए दीवानगी की एक बानगी मैंने अपने विशाखापट्नम प्रवास में देखी। जब उनकी एक झलक पाने के लिए हजारों युवक-युवतियां आरके बीच पर नोवोटेल होटल के नीचे जमा थे। पवन कल्याण जब कुछ देर के लिए होटल की खिड़की या टैरेस पर नमूदार थे, जन सैलाब में बिजलियाँ दौड़ जातीं और हर्षध्वनियों का कोलाज उभर उठता। यह अनूठा और यादगार नजारा था।

यह तबकी बात है, जब तीन घोड़ों से जुती चुनावी त्रोइका ने आकार नहीं लिया था। बात चल रही थी। चंद्रबाबू अपने जीवन के कठिन दौर से गुजर रहे थे। सत्ता से निर्वासित और लांछित बाबू तब सरकारी एजेंसियों के निशाने पर थे। वह जानते थे कि बिना जद्दोजहद के वह मुश्किलों से निजात न पा सकेंगे। याईएसआर कांग्रेस पार्टी से अकेले के बूते पार पाना कठिन था। कांग्रेस न तीन में थी, न तेरह में। सहयोगी जुटाने थे। बहस- मुबाहसे का लंबा दौर चला, जिसकी परिणति बीजेपी और जेएसपी के साथ 'त्रोइका' में हुई। इस त्रिदलीय गठबंधन में चंद्रबाबू बड़े भाई की भूमिका में थे। साथ थी बीजेपी और सबसे छोटे भाई के किरदार में थे पवन कल्याण, जनसेना पार्टी के संस्थापक नेता। पवन का ट्रैक-रिकार्ड बाबू के सामने था। पहली इनिंग में पवन बुरी तरह फ्लॉप रहे थे। उन्होंने अपनी पहली पारी अपने सिने अभिनेता बड़े भैया चिरंजीवी की प्रजाराज्यम पार्टी से प्रारंभ की थी। टूर, चैरिटी और पब्लिसिटी में उन्होंने कोई कोर कसर नहीं उठा रखी थी। किन्तु कुछ काम न आया। प्रजाराज्यम से विदाई के बाद उन्होंने जनसेना पार्टी (जेएसपी) की स्थापना की थी। सन 2019 में वह गाजे-बाजे के साथ चुनाव मैदान में उतरे। सारी सीटों पर उम्मीदवार खड़े किये। स्वयं दो सीटों - गजुवाका और भीमावरम से चुनाव लड़ा। लेकिन प्रथम ग्रासे मक्षिका पातः का दृष्टांत घटित हुआ। पवन दोनों सीटों से हारे। जेएसपी का सिर्फ एक विधायक निर्वाचित होकर सदन में पहुंचा।

कोई और होता तो उसने सियासत से तौबा कर ली होती, मगर पवन ने धैर्य बरता। उन्होंने आपा नहीं खोया। वह कह सकते थे कि अंगूर खट्टे हैं, लेकिन उन्होंने तिनका- तिनका जोड़कर आशियाना बनाया। चंद्रबाबू 'अण्णा' बनकर सामने आये। जेएसपी ने विधानसभा की 21 सीटों और लोकसभा की दो सीटों पर चुनाव लड़ा। मजा देखिये कि उनके सभी प्रत्याशी चुनाव जीत गये। जेएसपी की टिकट पर दो सांसद चुने गये और 21 एमएलए। इसे भारत के इतिहास की अनूठी घटना कहेंगे। शत-प्रतिशत स्ट्राइकिंग-रेट। सफलता में दशमलव की भी न्यूनता नहीं। चुनाव मैदान में पनन कल्याण कुछ यूं चले पवन की चाल कि अनूठा और अपूर्व कर्तिमान रच गया। कुल जमा 175 में से त्रयी की 164 सीटें। स्ट्राइकिंग-रेट 93 फीसद। विजयवाड़ा में जेएसपी विधायक दल ने पवन को अपना नेता चुन लिया। अभूतपूर्व समर्थन से अभिभूत चंद्रबाबू ने पवन को उपमुख्यमंत्री जैसे सम्मानित पद से नवाजा। 10 जून को विजयवाड़ा में हुई तीनों दलों की बैठक में चंद्रबाबू ने पवन को लक्षित कर भावविह्वल स्वरों में कहा- 'आप लोगों ने देखा कि पवन झोका नहीं, वरन तूफान है'। उस बीच एक दूरगामी महत्व की घटना यह घटी कि जेएसपी ने मोदी सरकार में शामिल होने के बजाय उसे बाहर से समर्थन देने का फैसला किया। आंध्र प्रदेश का पुनर्गठन और जनसेना पार्टी के गठन कुछ ही माह आगे-पीछे की घटनाएं हैं। दोनों ही घटनाएं सन 2014 के ग्रीष्म में हुई। थोड़ा आगे-पीछे। 14 मार्च सन 2014 को पवन कल्याण ने जनसेना पार्टी की स्थापना की। प्रजाराज्यम के असफल प्रयोग के उपरांत यह एक साहसिक फैसला था। नवजात पार्टी का मुख्यालय बना हैदराबाद में जुबिली हिल्स में प्रशांत नगर स्थित बंगला। लातिनी अमेरिका के प्रखर आर जुझारू वामपंथी नेता चे ग्वेरा से प्रभावित पवन ने छात्र, युवक और महिला विंग भी खोले। उनके नाम रखे गये भगतसिंह स्टूडेंट यूनियन, आजाद युवा सेना विभागम और झाँसी वीर महिला विभागम। उनकी रीति- नीति सोशल मीडिया पर सद्य प्रचारित उनकी हिन्दुत्ववादी छवि से कतई मेल नहीं खाती। उनके सफेद झंडे में लाल गोला और तारा तथा लाल पट्टी है। यही नहीं, 2019 के चुनाव में मनुवाद विरोधी बसपा और लेफ्ट पार्टियां उनकी सहयोगी थीं।

पवन कल्याण सिने स्टार रहे हैं। सितारा होने का मतलब है जीवन में ऐश्वर्य। सितारों के पांव प्रायः जमीं पर नहीं पड़ते, लेकिन पवन को नाजोनखरों के अभ्यस्त ऐसे नकचढ़े सितारों की पांत में खड़ा नहीं किया जा सकता। उनकी जिंदगी सरोकार से गुंथी रही है और ये सरोकार ही उन्हें अलग पायदान पर खड़ा करते हैं। पवन का अभिनेता से नेता तक का सफर बहुत दलचस्प है। उन्होंने अभिनय की शुरूआत तेलुगु फिल्म 'अक्कड़ा अन्नाई, इक्कड़ा अब्बाई' फिल्म से की। दो सितंबर, सन 1967 में आंध्र में बापतला में जनमे पवन बेहद सफल फिल्मी शख्सियत हैं और अपने बेहतरीन अभिनय और मैनरिज्म के लिए जाने जाते हैं। अनेक सम्मानों से नवाजे गये पवन को फोर्ब्स ने अव्वल सौ सेलिब्रिटीज की सूची में स्थान दिया। उन्हें दक्षिण का फिल्म फेयर अवॉर्ड भी मिला। उनके फिल्मी जीवन की शुरूआत सन् 1996 में हुई। तीन साल में ही वह छलांग लगाकर सितारों में नीहारिका में शामिल हो गये। थोली प्रेमा, थम्मुडु, गुडुम्बा, शंकर, बद्री, गब्बरसिंह, जानी, कुशी, बालू, गोपाला-गोपाला, वकील साब, भीमला नायक, अत्तारिंतिकी दरेदी आदि फिल्मों ने उन्हें टालीवुड में अग्रणी कलाकार तौर पर स्थाई प्रतिष्ठित कर दिया। प्रसंगवश उल्लेखनीय है कि पवन चिरंजीवी और नागेन्द्र बाबू के छोटे भाई हैं तथा अल्लू अर्जुन, रामचरण, वरुण तेजे, साई धरम तेज, अल्लू शिरीष, वैष्णव तेज और नीहारिका के काका हैं। नेल्लोर के सेंट जोसेफ हाईस्कूल में पढ़े पवन और कराटे में ब्लैक बेल्ट पवन ने सन 2008 में राजनीति में पदार्पण किया। उन्होंने अग्रज चिरंजीवी की प्रजाराज्यम पार्टी की युवक शाखा युवाराज्यम की कमान संभाली। सन् 2011 में प्रजाराज्यम के कांग्रेस में विलय के बाद उन्होंने गूढ़ मंत्रणा के बाद जनसेना पार्टी की नींव डाली। उन्होंने अपनी विचारधारा की अभिव्यक्ति के लिए एक किताब लिखी। शीर्षक था 'इज्म'। तदंतर भावी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मिले और 'कांग्रेस हटाओ, आंध्र बचाओ' आंदोलन में उन्होंने खुद को झोंक दिया। उनकी सभाओं में खूब भीड़ उमड़ी। अक्टूबर सन 2017 में उन्होंने पूर्णकालिक राजनीति की मंशा जाहिर की। प्रदर्शनों और भूख हड़ताल से उन्होंने उड्डानम में गुर्दों की बीमारी की ओर सबका ध्यान आकृष्ट किया। उनकी सक्रियता से राज्य सरकार की नींद टूटी। उन्होंने ड्रेजिंग कार्पोरेशन ऑफ इंडिया के निजीकरण की केंद्र सरकार की योजना का विरोध किया। रायल सीमा में किसानों की खुदकुशी और पलायन को लेकर उन्होंने कूच का नेतृत्व किया। भूमि कानून को लेकर वह टीडीपी सरकार के विरोध में खड़े हुए और राजमुंद्री में दौलेश्वरम बराज को लेकर उन्होंने विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व किया। ईस्ट गोदावरी जिले में आरक्षित वन में अवैध खनन के खिलाफ भी उन्होंने मोर्चा बाँधा।

सन् 2019 में उन्होंने राजमुंद्री में ही लोकलुभावन मैनीफेस्टो जारी किया और 140 प्रत्याशी खड़े किये। चुनाव प्रचार के दौरान गन्नावरम एअरपोर्ट पर वह निर्जलीकरण का शिकार हुए और उन्हें विजयवाड़ा के अस्पताल में भर्ती करना पड़ा। स्वस्थ होते ही वह फिर प्रचार पर निकल पड़े। चुनाव में बुरी तरह विफलता से भी उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और तीन साल दूरी करने के बाद जनवरी सन् 2020 में बीजेपी से राजनीतिक गलबांह का एलान कर दिया। उनका धैर्य रंग लाया। सन् 24 के चुनाव में उन्होंने इतिहास रच दिया। पीथापुरम से वह 70,000 से अधिक मतों से जीते। उनकी शिक्षा हाईस्कूल तक सीमित है, लेकिन सन् 2017 में हार्वर्ड विश्वविद्यालय ने उन्हें व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया। चुनाव में शत- प्रतिशत सफलता की नजीर स्थापित कर पवन कल्याण निश्चित ही सियासत की बेनजीर शख्सियत के तौर पर उभरे हैं।

सरोकार

डॉ. चन्दर सोनाने

मोहन की भागवत की सीख के मायने

नागपुर में संघ कार्यकर्ताओं के विकास वर्ग कार्यक्रम के समापन अवसर पर पिछले दिनों राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के प्रमुख डॉ. मोहन भागवत ने अनेक महत्वपूर्ण बातें कही। इसमें उन्होंने मणिपुर हिंसा और लोकसभा चुनाव में राजनीतिक दलों के रवैये पर कई बड़ी बातें कही है। इन बातों में से दो बात अत्यन्त महत्वपूर्ण है। एक तो ये कि उन्होंने कहा कि मणिपुर एक साल से जल रहा है। त्राहि-त्राहि कर रहा है। उस पर ध्यान कौन देगा? दूसरी महत्वपूर्ण बात उन्होंने यह भी कही कि हाल ही के लोकसभा चुनाव में दोनों पक्षों ने जैसे एक दूसरे पर हमले किए, इससे दरारें बढ़ेगी।

संघ प्रमुख डॉ. मोहन भागवत देश के उन लोगों में एक हैं, जो कम बोलते है और सटीक बोलते हैं। उनकी बातों के कहने के अनेक अर्थ छिपे होते हैं। उसके साथ ही उनकी बातों से यह भी लगता है कि संघ और मोदी सरकार में कुछ ठीक नहीं चल रहा है। वे कुछ नाराज से चल रहे हैं। संघ प्रमुख डॉ. भागवत ने सबसे पहले मणिपुर का जिक्र करते हुए कहा कि मणिपुर एक साल से शांति की राह देख रहा है। इससे पहले 10 साल वह शांत रहा। और अब अचानक जो कलह वहाँ पर उपजी या उपजाई गई, उसकी आग में मणिपुर अभी भी जल रहा है। मणिपुर की समस्या पर प्राथमिकता देकर विचार करना जरूरी है। पिछले 14 महिनों के दौरान मणिपुर में हुई हिंसा में 200 से ज्यादा मौतें हुई हैं और 50 हजार सेअधिक लोग राहत शिविर में रहने को अभी भी मजबूर है, उसका दर्द उनकी बातों से साफ झलक रहा था। उल्लेखनीय है कि मणिपुर में दो समुदायों के बीच हिंसक झड़प लगातार बढ़ती हुई दिखाई दे रही है। गत वर्ष सोशल मीडिया पर मणिपुर की दो महिलाओं को निर्वस्त्र कर घुमाने और उनके साथ यौन उत्पीड़न करने का वीडियो वायरल हुआ था। इसके बाद पूरे देश के लोगों ने अपनी-अपनी तीव्र प्रतिक्रियाएँ दी और अपना गुस्सा जाहिर किया। मणिपुर हिंसा की आग में जल रहा है। आज भी मणिपुर में दो समुदाय मैतेई और कुकी के बीच हिंसक झड़प दिखाई दे रही है।

मणिपुर में 3 मई 2023 से हिंसा की शुरुआत हुई थी। मणिपुर में इस दिन मैतेई (घाटी बहुल समुदाय) और कुकी जनजाति (पहाड़ी बहुल समुदाय) के बीच हिंसा शुरू हुई थी।

मणिपुर की करीब 14 महीने पुरानी हिंसा शुरू होने के बाद भी कोई आशाजनक परिणाम दिखाई नहीं देने के बाद संघ प्रमुख मोहन भागवत का दुख छलका है। उनकी बात से स्पष्ट दिखाई देता है कि वे मणिपुर हिंसा की रोकथाम में केन्द्र शासन के प्रयासों से संतुष्ट नहीं है।

संघ प्रमुख ने हाल ही के लोकसभा चुनाव प्रचार में मर्यादा टूटने का जिक्र करते हुए यह भी कहा कि चुनाव में जो कुछ हुआ, उस पर विचार करना होगा। देश ने विकास किया है, लेकिन चुनौतियों को भी न भूलें। सहमति से देश चलाने की परंपरा का सभी स्मरण करें। दुखी होकर उन्होंने यह भी कहा कि जब भी चुनाव होता है, मुकाबला जरूरी होता है। इस दौरान दूसरों को पीछे धकेलना भी होता है, लेकिन इसकी एक सीमा होती है। यह मुकाबला झूठ पर आधारित नहीं होना चाहिए। इस बार चुनाव ऐसे लड़ा गया, जैसे यह युद्ध हो। अनावश्यक रूप से आरएसएस जैसे संगठनों को इसमें शामिल किया गया। तकनीक का उपयोग करके झूठ फैलाया गया। सरासर झूठ।

डॉ. भागवत ने यह भी कहा जो मर्यादा का पालन करें, अहंकार नहीं करें, वही व्यक्ति सही मायने में सेवक कहलाने का हकदार है। उन्होंने यह भी कहा कि संसद में दो पक्ष जरूरी है। देश चलाने के लिए सहमति जरूरी है। संसद में सहमति से निर्णय लेने के लिए बहुमत का प्रयास किया जाता है। लेकिन हर स्थिति में दोनों पक्षों को मर्यादा का ध्यान रखना होता है।

संघ प्रमुख डॉ. भागवत को जो कहना था, कह चुके। अब जिन्हें करना है, उन्हें ही कुछ सोचना है और ठोस प्रयास करने हैं, जिससे कि मणिपुर की आग ठंडी पड़े और वहाँ स्थायी रूप से शांति कायम हो सके। यदि डॉ. भागवत जी की बातों से सीख लेकर सही मायने में काम किया जायेगा तो ही उनकी बात के फायदे हैं।

सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विसेस प्रा. लि., राउखेड़ी, देवास रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 662, साईं कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक - उमेश त्रिवेदी
संपादक (म.प्र.) - गिरीश उपाध्याय
वरिष्ठ संपादक - अजय बोकिल
स्थानीय संपादक - हेमंत पाल
प्रबंध संपादक - अरुण पटेल

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

सुरेश उपाध्याय

लेखक व्यंग्यकार हैं।

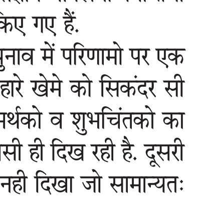

जीते - हारे सभी सिकंदर

जीत प्यार में हो, युद्ध में हो, कुश्ती के मैदान में हो या चुनाव के अखाडे में, जीत जीत है. इसीलिए 'जो जीता वही सिकंदर' कहना जमाने की रीत है. अब हारने वाला जीत स्वीकार नही करे और समर्थक शस्त्र लहराए ऐसा अपवाद स्वरुप हो सकता है, जैसे ट्रम्प के समर्थकों ने दुनिया के सबसे पुराने लोकतंत्र में किया था. हालाकि सिकंदर को इससे फर्क नही पड़ा तथा सत्ता और प्रणाली भी अपना काम करती रही है. आरोपो का संज्ञान भी लिया गया तथा आरोप सिद्ध होने पर दंड भी घोषित किए गए हैं.

हमारे देश के हाल के लोकसभा चुनाव में परिणामो पर एक अलग ही माहौल देखने को मिला है. हारे खेमे को सिकंदर सी सुर्खिया मिली है. उस खेमे, उनके समर्थको व शुभचिंतको का उमंग, उत्साह व प्रसन्नता भी सिकंदर जैसी ही दिख रही है. दूसरी ओर जीते खेमे में जीत का वह जोश नही दिखा जो सामान्यतः अपेक्षित रहता है. अब एक की खुशी व उत्साह से दूसरे का जोश आनुपातिक रुप से कम हुआ या वास्तविक कारण कुछ अन्य थे? यह अनुसंधान का विषय सर्वे एजेंसियो व विशेषज्ञो के लिए हो सकता है, जो अभी भी परिणामो के विश्लेषण में सम्प्रदाय, जाति, लिंग, पंथ के मत प्रतिशत में ही उलझे हुए हैं तथा लोगो को भी इससे बाहर नही आने देना चाहते हैं. आश्चर्य तो यह है कि मतदान एक गोपनीय प्रक्रिया है और यह एजेंसिया व विश्लेषक किस आधार पर निष्कर्ष निकाल रहे हैं. इन्ही आधारो के इनके एक्सिट पोल के नतीजो को शीर्षासन करते हुए अभी अभी सबने देखा है. इन परिणामों में जनता की मुश्किलो, उनकी बुनियादी सुविधाओ के संकट, सत्ता के अहंकार, सत्ता के दुरुपयोग, भाषा, भाव व व्यवहार के विचलन को देख नही पा रहे हैं या जानबुझकर अनदेखी कर रहे हैं?

हारे हुए सिकंदर इसलिए बन रहे हैं कि किसी एक दल की 370 सीट की आकांक्षा 240 पर तथा उसके गठबंधन की 400 पार की आस 293 पर अटक गई है. किसी एक दल को स्पष्ट बहुमत नही मिला है तथा जिस रास्ते पर अपने लक्ष की दिशा में वह जिस गति से दौड़ना चाहता था, नही दौड पाएगा. चलने के लिए उसे दो ऐसी बैसाखियो के सहारे की जरुरत है जिसका पूर्व रिकार्ड विश्वसनीय नही रहा है. दूसरा कारण उनके दल की सदस्य संख्या लगभग दोगुनी होकर सदन में विपक्षी दल का दर्जा प्राप्त करने की हो गई है. उनके गठबंधन की संख्या भी

240 होकर बहुमत के आंकडे से 32 कम है और आज के परिप्रेक्ष्य में कभी भी छीके के टूटने की आस बनी हुई है. यह भी स्मरण रखना चाहिए कि अल्पमत में सरकार बनाने व दलो में विभाजन की दक्षता किसके पास है. इसका अहसास तो बैसाखियों को भी कम नही होगा. अब जबकि सरकार बन गई है और चलने लगी है तो यह प्रश्न फिलहाल स्थगित ही समझना चाहिए लेकिन आस व डर के स्थाई भाव बने रहने के आसार रहेंगे.

जीत के बाद के संरक्षक संस्थाओं के प्रमुखों के बयान भी हारे सिकंदरो के होंसले बढा रहे हैं तो जीते सिकंदरो के माथे पर शिकन बढा रहे हैं. हार के बाद ठीकरे फोड़ने, आरोप लगाने के परम्परागत व्यवहार में यह एक नया ट्रेंड कह सकते हैं. बिट्विन द लाइन पढ़ना, बयान के भाव व अर्थ का विवेचन तथा बयान से यू टर्न लेना, गलत व्याख्या करना जैसे व्यवहारो में तो शायद कोई परिवर्तन न दिखे. खैर, व्यक्ति का परिवार, व्यक्ति की सरकार, पार्टी की सरकार से परहेज कर गठबंधन की सरकार के प्रतिकात्मक संकेत 'मै से हम' की ओर बदलाव का संकेत है. मतदाताओ को चुनाव नतीजों के बाद गरियाने का एक नया ट्रेंड भी जीते सिकंदरो के समर्थको की लोकतंत्र के प्रति अवमानना का प्रतीक है. नेतृत्व के स्तर पर इसकी अनदेखी क्या भविष्य में सुखद परिणाम देगी?

एक सीट पर तो दो रिकार्ड बने हैं, लगभग ग्यारह लाख से अधिक की जीत का और दूसरा नोटा को लगभग ढाई लाख मत प्राप्त होने का. नोटा के इस रिकार्ड ने जीत का रिकार्ड फीका कर दिया है तथा इस विशाल जीत को भी 'यह जीत कोई जीत है.' जैसे कमेंट सुनने व सहने के लिए विवश कर दिया है.

जीते व हारे के साथ इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) भी इस बार सिकंदर की श्रेणी में आ गई है, उस पर लांछन के स्वर बहुत मदम हुए हैं. इन सब में लोक व लोकतंत्र भी सिकंदर सिद्ध होगा, ऐसी कामना तो करना ही चाहिए.

कानून और न्याय

धरती माता-भाग 1

विनय झैलावत

(लेखक पूर्व असिस्टेंट सॉलिसिटर जनरल एवं वरिष्ठ अधिवक्ता हैं)

जैव-विविधता बाधित करने वाले अपराधों को रोकना जरूरी

धरती माता स्पष्ट रूप से कार्रवाई के आह्वान का आग्रह कर रही है। आजकल 50 डिग्री सेल्सियस से अधिक तापमान को पार करने वाली अत्यधिक गर्मी ने राजस्थान राज्य और देशभर के लाखों लोगों को प्रभावित किया है। जलवायु परिवर्तन, प्रकृति में मानव निर्मित परिवर्तन के साथ-साथ जैव विविधता को बाधित करने वाले अपराध, जैसे वनों की कटाई, पेड़ों की कटाई, भूमि उपयोग में परिवर्तन, प्राकृतिक जल निकायों को नष्ट करना आदि शामिल है।

राजस्थान उच्च न्यायालय ने हाल ही में सरकार से अत्यधिक मौसमी घटनाओं को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने का आग्रह किया। राजस्थान उच्च न्यायालय ने चल रही लू के कारण होने वाली मौतों का स्वतः संज्ञान लिया और कहा कि सरकार कार्रवाई करने और योजनाओं को लागू करने में विफल रही हैं। राजस्थान उच्च न्यायालय ने मई माह में राज्य में चल रही गर्मी की लहर के कारण होने वाली मौतों का स्वतः संज्ञान लिया और केंद्र सरकार से गर्मी की लहरों जैसे चरम मौसम की घटनाओं को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने का आग्रह किया। राजस्थान में पिछले कुछ दिनों में तापमान 48.3 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था। रिपोर्टों के अनुसार, राज्य में लू के कारण अब तक कई लोगों की मौत हो चुकी है।

उच्च न्यायालय ने कहा कि इस महीने सैकड़ों लोगों ने अपनी जान गंवाई है। मौसम की सभी घटनाओं पर विचार करते हुए यह संख्या हजारों में हो सकती है। इसने यह भी विस्तार से बताया कि कैसे अनौपचारिक श्रमिक इन घटनाओं के प्रति विशेष रूप से संवेदनशील होते हैं और गर्मी की लहरों के कारण इनकी होने वाली मौतों को अक्सर कम करके आंका जाता है और गर्मी के तनाव को इसके लिए जिम्मेदार ठहराया जाता है। दुर्भाग्य से गरीब की जो खराब आर्थिक स्थिति होती है उसमें उनके पास कड़ाके की गर्मी और कड़ाके की ठंड में काम करने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। वे इन चरम मौसम की स्थिति के प्रति संवेदनशील हैं और अपनी जान गंवा देते हैं। न्यायमूर्ति अनूप कुमार ढांड की एकल पीठ ने कहा कि लू से मरने वालों की संख्या का अनुमान लगाना बहुत मुश्किल है। क्योंकि, अत्यधिक गर्मी को आमतौर पर उन मामलों में मौत के प्राथमिक कारण के रूप में सूचीबद्ध नहीं किया जाता है, जहां पीड़ित को पहले से हृदय या फेफड़ों की बीमारी जैसी स्थिति है।

उच्च न्यायालय ने यह भी टिप्पणी की कि कैसे जलवायु परिवर्तन अत्यधिक गर्मी की घटनाओं का कारण बन रहा है। इस कारण ग्रह को बचाने की आवश्यकता है। न्यायालय ने कहा कि धरती माता स्पष्ट रूप से कार्रवाई के आह्वान का आग्रह कर रही है। प्रकृति पीड़ित है। आजकल 50 डिग्री सेल्सियस से अधिक तापमान को पार करने वाली अत्यधिक गर्मी ने राजस्थान राज्य और देशभर के लाखों लोगों को प्रभावित किया है। जलवायु परिवर्तन, प्रकृति में मानव निर्मित परिवर्तन के साथ-साथ जैव विविधता को बाधित करने वाले अपराध, जैसे वनों की कटाई, पेड़ों की कटाई, भूमि उपयोग में परिवर्तन, प्राकृतिक जल निकायों को नष्ट करना आदि शामिल है। यह ग्रह के विनाश की गति को तेज कर सकता है। उन्होंने कहा कि पृथ्वी एकमात्र ग्रह है जो इस पर जीवन को बनाए रख सकता है। हमारे पास कोई ग्रह भी नहीं है जिस पर हम आगे बढ़ सकें।

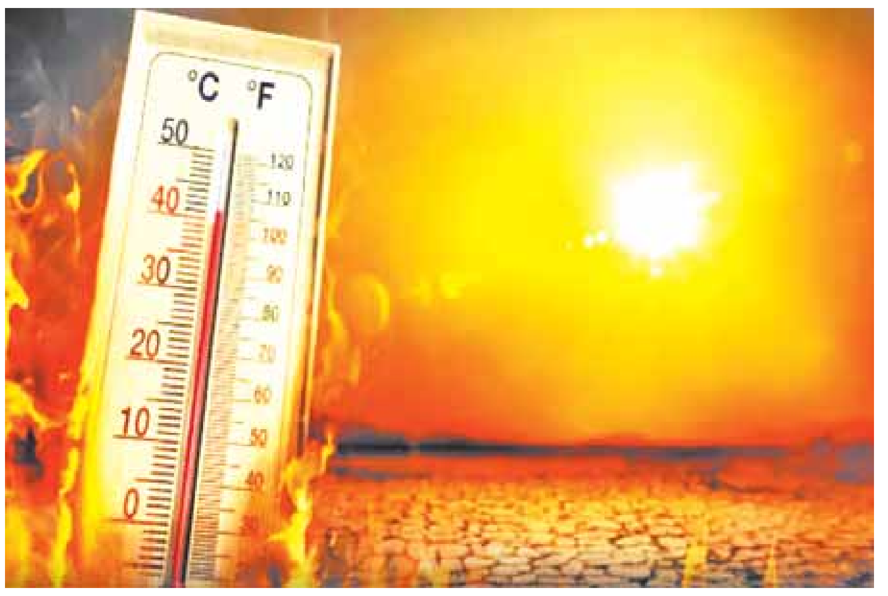

इसके अलावा, न्यायमूर्ति ढांड ने नागरिकों से भी अपनी भूमिका निभाने को भी कहा। प्रत्येक व्यक्ति का एक छोटा सा प्रयास सभी के लिए एक लंबा रास्ता तय करेगा। प्रत्येक क्रिया एक अंतर लाएगी। हम तभी सफल होंगे जब हर कोई अपनी भूमिका निभाए। उच्च न्यायालय ने इस मुद्दे से संबंधित कार्रवाई, योजनाओं और यहां तक कि विधिक बिलों का पालन नहीं करने के लिए राज्य और केंद्र दोनों सरकारों की खिंचाई की। न्यायालय ने कहा कि हालांकि राजस्थान ने एक हीट एक्शन प्लान विकसित किया है, लेकिन इसने सही मायने में अपना सही प्रभाव नहीं दिया है।

उच्च न्यायालय ने कहा कि हालांकि स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों और जिला अस्पतालों के लिए भारत में गर्मी से संबंधित बीमारी (एचआरआई) के लिए स्वास्थ्य प्रणालियों की तैयारी को मजबूत करना नामक एक योजना शुरू की, जिसमें गर्मी और उसके पहले और बाद की अवधि के लिए योजना भी शामिल है। लेकिन इसे लागू नहीं किया गया है। उच्च न्यायालय ने कहा कि सरकार इस योजना और लू के रोगियों को लाभान्वित करने वाले प्रावधानों को लागू करने में बुरी तरह विफल रही है। इसमें कहा गया है कि 2023 की दिल्ली हीट वेव एक्शन प्लान की तरह, राजस्थान और केंद्र सरकार को भी इस तरह की हीट वेव एक्शन प्लान तैयार करनी चाहिए और इस संबंध में हर संभव, ईमानदार और गंभीर कदम उठाने चाहिए। न्यायालय ने अपने नोटिस में गृह मंत्रालय और केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय सहित 17 केंद्रीय और राज्य मंत्रालयों और विभागों को प्रतिवादी के रूप में सूचीबद्ध किया है।

उच्च न्यायालय ने कहा कि गर्मी की लहरों और शीत लहरों के कारण बड़ी संख्या में लोगों के जान गंवाने को देखते हुए इन्हें राष्ट्रीय आपदा घोषित किया जाना चाहिए। इसने राज्य के मुख्य सचिव को राजस्थान जलवायु परिवर्तन परियोजना के तहत तैयार हीट एक्शन प्लान के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए तत्काल और उचित कदम उठाने के लिए कई विभागों के तहत समितियों का गठन करने का आदेश दिया। अदालत द्वारा दिए गए कई निर्देशों में स्वास्थ्य विभाग को गर्मी की लहर के रोगियों के इलाज के लिए सभी स्वास्थ्य केंद्रों पर सभी संभव सुविधाएं'' प्रदान करने और गर्मी और ठंड की लहरों में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों को उचित मुआवजा देने का निर्देश देना शामिल है। उच्च न्यायालय ने यह भी कहा कि यह सही समय है कि सरकार में गर्मी और शीत लहरों के कारण होने वाली मौतों की रोकथाम विधेयक, 2015 को कानून के रूप में लागू करें।

पूर्व सांसद राजकुमार धूत द्वारा 18 दिसंबर, 2015 को राज्यसभा में पेश किए गए इस विधेयक के मुख्य खंडों में से एक यह है कि भीषण गर्मी या शीत लहरों में लोगों की जान चली जाती है, जिसे राष्ट्रीय आपदा घोषित किया जाता है और उपयुक्त सरकार (राज्य, केंद्र सरकार या दोनों) तदनुसार कार्रवाई करती है। विधेयक में यह भी कहा गया है कि मौसम विज्ञान केंद्रों को सरकारों को गर्मी या शीत लहरों की भविष्यवाणियों के बारे में सूचित करना चाहिए, और सरकारों को कार्रवाई करनी चाहिए। इसमें बेघर लोगों के लिए रात्रि आश्रय स्थापित करना, कृषि क्षेत्रों, निर्माण स्थलों, सड़कों के पास छाया और जलयोजन दोनों के लिए शीतलन स्थान स्थापित करना, और अन्य सार्वजनिक स्थान ताकि अनौपचारिक श्रमिक गर्मी की लहर की स्थिति में इन सुविधाओं का लाभ उठा सकें। इसमें यह भी निर्दिष्ट किया गया है कि अनौपचारिक श्रमिकों को गर्मी के मौसम के दौरान दोपहर 12 बजे से दोपहर 3 बजे के बीच आराम करने की अनुमति दी जाना जरूरी है। जो कोई भी इसकी अनुमति नहीं देगा, उसे एक महीने के लिए कारावास और 2 लाख रुपये तक का जुर्माना भुगतना होगा।

विधेयक में एक ऐसा खंड भी शामिल था जिसमें सरकार को एक दीर्घकालिक कार्य योजना तैयार करनी चाहिए। एक अधिनियम के रूप में लागू किए जा रहे विधेयक के छह महीने के भीतर विभिन्न मंत्रालयों और सरकारी विभागों के बीच तैयारी, सूचना साझाकरण और प्रतिक्रिया समन्वय बढ़ाने के लिए स्वास्थ्य प्रभावों को कम करने के लिए, विशेष रूप से अत्यधिक गर्मी या ठंड के कारण होने वाली मौतों को, जैसा भी मामला हो, अपने क्षेत्रीय अधिकार क्षेत्र के भीतर कमजोर आबादी पर। विधेयक में मौतों के मामले में मुआवजे का भी प्रावधान था कि गर्मी या शीत लहर के पीड़ितों के निकटतम रिश्तेदारों को न्यूनतम 3 लाख रुपये का मुआवजा दिया जाए। यदि यह विधेयक अधिनियम बन जाता है, तो केंद्र सरकार को इस विधेयक को लागू करने के हिस्से के रूप में किए गए सभी कार्यों के लिए धन देना होगा। हालांकि, यह विधेयक अभी तक पारित नहीं हुआ है। उच्च न्यायालय की पीठ ने कहा कि 2015 का उक्त विधेयक अभी भी ठंडे बस्ते में है और लगभग एक दशक बीतने के बावजूद यह प्रकाश में नहीं आया है।

(शेष अगले कॉलम में)

फिल्म समीक्षा

रमेश मोहन शुक्ल

पापा पिस्तौल ला दो

'पापा पिस्तौल ला दो' कुल सात मिनट छः सेकेंड की यह लघु फिल्म पिता और पुत्री के रिश्तों की हृदय स्पर्शी प्रेरणादायक कहानी है, जो आजकल बेहद चर्चा का विषय बनी हुई है, माधव (आर. चंद्रा) अपनी पत्नी के स्वर्गवास के बाद तीन बेटियों को गरीबी में पाल-पोस रहा है। एक दिन शाम होने को, माधव बाज़ार जाने को तैयार हो रहा है। मगर उसकी बड़ी बेटी निम्मी (ऋचा राजपूत) अभी तक घर नहीं आई है। इस बात को लेकर माधव थोड़ा चिंतित है। अपनी साइकिल के पास बाजार जाने के लिए तैयार है, वह अपनी दोनों बेटियों पिहू और भूमि से बाज़ार से क्या लाना है, पूछता है, तभी माधव की बड़ी बेटी निम्मी स्कूल से वापस आ जाती है। मगर वो बेहद गुस्से में हैं, और आते ही, अपने पापा से पिस्तौल लाने को कहती है। माधव पहले तो भयभीत होता है। मगर निम्मी से पिस्तौल मांगने की वजह पूछता है। तब निम्मी समाज के कुछ अराजक तत्वों से परेशान होने की बात करती है, जिससे माधव निम्मी को आत्मरक्षा के लिए एक एकेडमी ले जाता। वहाँ निम्मी ताईकांडो की ट्रेनिंग लेती है,और फिर एक दिन उन बदतमीज शोहदों को सबक सिखाती है जो उसे रोज परेशान करते रहते थे। ऐसे निम्मी की ज़िन्दगी ही बदल जाती है, एक कमजोर लड़की ताकतवर बन जाती है। माधव की सोच समाज को एक नई सीख देती है। दिशा देती है। कम समय में बड़ी ही स्पष्टता से कहानी बहुत कुछ कह जाती है। फिल्म के कई दृश्य सिहरन पैदा करते हैं। केंद्रीय भूमिका में ऋचा राजपूत ने अपने अभिनय से सबका मन मोह लिया है।

पिता की भूमिका में आर. चंद्रा खूब जमे हैं। कुछ और सहायक कलाकारों ने लघु फिल्म को अपनी मेहनत लगन से अच्छी बनाने का पूरा प्रयास किया है। फिल्म के निर्माता/ निर्देशक हैं शिव सिंह सागर, फिल्म की कहानी चर्चित लघुकथाकार सुरेश सौरभ ने लिखी है। कैमरे पर पिंकू यादव ने उतारा है। इस फिल्म क आप लोग यूट्यूब पर अर्पिता फिल्म्स इंटरटेनमेंट पर देख सकते हैं।

कविता

बरसे तेज यह बारिश

बरसे तेज़ यह बारिश,
तो हम भी कभी इसके रुकने का इंतजार करें,
तुम इरादा तो करो हमसे मिलने का,तो हम भी तुम्हारा इंतजार करें,
ये बूंद बूंद बरसने को बरसना नहीं कहते हैं,
ये पल दो पल की गुफ्तगू को मुलाकात नहीं कहते हैं,
अब ना बारिश बरसती है अपने अंदाज में,अब तो ना तुम आते हो,
समझ नहीं आता यह बारिश तुम्हें खींच लाती है,या फिर तुम ही इस बारिश को लाते हो।

आपदा बनते जलजीव की तथा कथा है - 'अण्डर पेरिस'

समीक्षा

आदित्य दुबे

(लेखक वेबसाइट ई-अंतर्भव में प्रबंध संचालक हैं।)

'अण्डर पेरिस' एक हॉरर थ्रिलर है जो? फ्रांस की राजधानी पेरिस में आपदा बनकर भयभीत कर देने वाली शार्क की कहानी है जो सीन नदी में आकर डराने वाला माहौल बना देती है। कहानी को इस एक अंतर्राष्ट्रीय नरसंहार से बचाने में जुटे एक वैज्ञानिक की कोशिश के आसपास बुनी गई है। एक दुखद अतीत का सामना करते हुए इस वैज्ञानिक को जब एक विशाल शार्क सीन नदी में दिखाई देती है जो शहर के निवासियों को पीड़ा देना शुरू कर चुकी है तब वह वैज्ञानिक शासन-प्रशासन के साथ मिलकर हरसम्भव कोशिश इस आपदा से निपटने के लिये करता है। इस सारे उपक्रम को कथानक में बड़ी खूबी के साथ फिल्माया गया है और मानवीय प्रयत्नों की सीमाओं और इस सबके बीच खतरनाक होते जलजीवों की क्रिया-प्रतिक्रिया को समझने में असफलता की तथाकथा बयान करती है।

विश्व पर्यावरण दिवस 05 जून को नेटफ्लिक्स पर रिलीज़ यह फिल्म इस मामले में विषय निष्ठ कही जा सकती है कि समुद्री जलजीव के हिंसक होने को भी निर्माता ने पर्यावरण प्रदूषण और ग्लोबल वार्मिंग से सम्बद्ध (कोरिलेट) किया है। अण्डर पेरिस,जिसे फ्रेंच में सूस ला सीन के नाम से भी जाना जाता है, फ्रण्टियर (एस), हिटमैन,द डिवाइड, कोल्ड स्किन, बुडापेस्ट और पिछले साल रिलीज़ मेहेम फिल्मों के

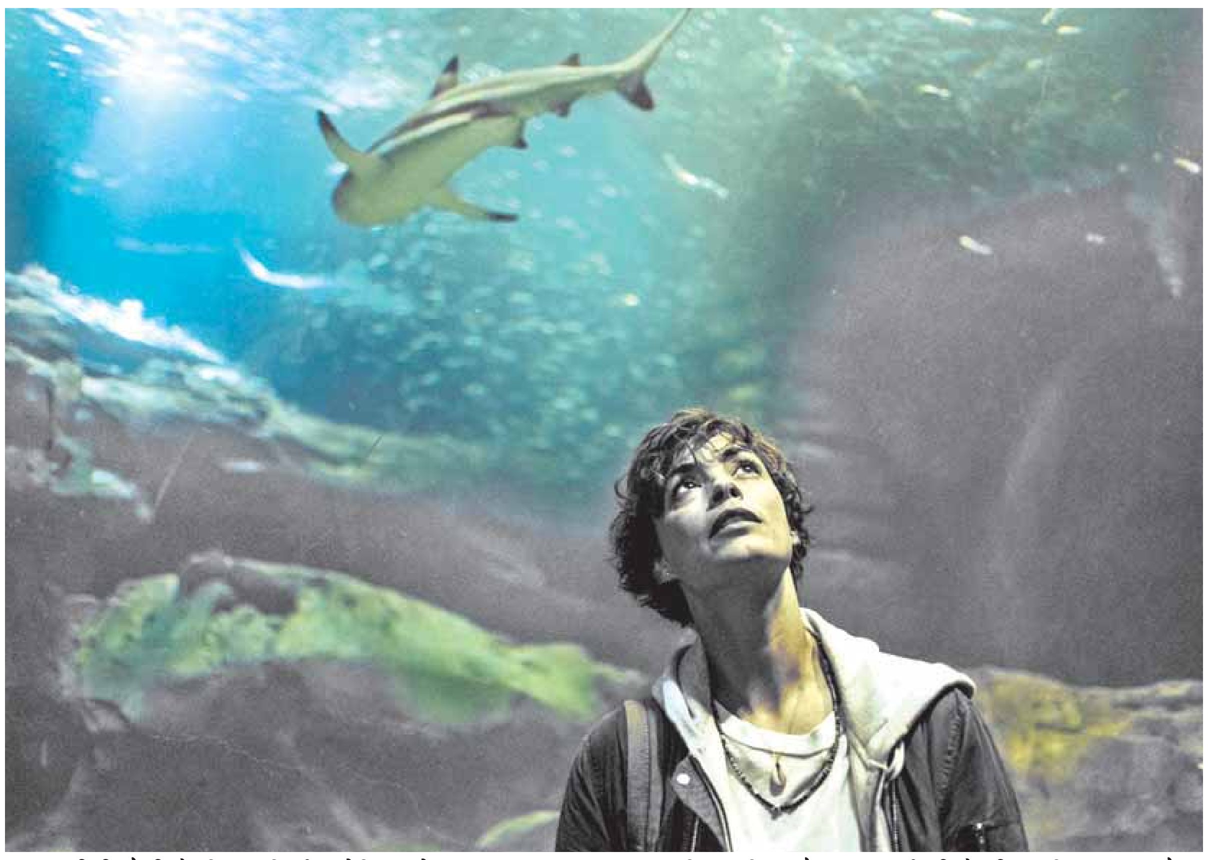

फ्रांसीसी शैली के फिल्म निर्माता जेवियर जेन्स द्वारा निर्देशित है। पटकथा की बुनावट सेबेस्टियन ऑशर के विचार के आधार पर जेवियर ने की है। फिल्म में बेरेनिस बेजो, नसीम लायस, लीया लेविएंट और इनाकी लार्टिंग ने अभिनय किया है मगर शार्क की केन्द्रीय भूमिका अहम है। पटकथा में हास्य का अन्तर्प्रवाह भी है मसलन शार्क के भय से सभी ट्रायथलॉन तैराकों को बाहर निकाल दिया जाता है मगर जॉज-प्रेरित मेयर कुछ भी करने या कुछ भी रोकने से इन्कार कर देता है।

नेटफ्लिक्स की इस फिल्म की समीक्षा में इसे एक शानदार फिल्म बताया जा रहा है जो आपदाओं के बीच मानवीय प्रयत्नों और उसकी सीमाओं को व्याख्यायित करता है। इस फिल्म की तुलना स्टीवन स्पीलबर्ग की क्लासिक फ़िल्म जॉज़ से भी की जा रही है। कुछ ही फ़िल्में जॉज़ की तरह - 'अक्सर नकल की जाने वाली मगर कभी दोहराई न जाने वाली' संज्ञा को प्राप्त होती है क्योंकि इसके बाद आई हर बेहतरीन शार्क फ़िल्म को एक हाथ की उँगलियों पर गिना जा सकता है। अण्डर पेरिस शायद उनमें से सबसे अच्छी हो सकती है यह सुनना भी कम प्रशंसा वाली बात नहीं है। द गार्जियन जैसे प्रतिष्ठित समाचार पत्र ने इसे 'बेहद महत्वाकांक्षी' फिल्म कहा है। जेवियर जेन्स द्वारा निर्देशित और सह-लिखित, अण्डर पेरिस एक बेहद महत्वाकांक्षी फिल्म है जिसमें कुछ दृष्यबंध औसत है मगर वस्तुतः यह एक बेजोड़ एक्शन सह हॉरर फिल्म है जो एक जलजीव द्वारा पैदा की जाने वाली आपदा को दिखाती है।

यह फिल्म बिल्कुल वैसी ही है जैसी ज़्यादातर शार्क पर केन्द्रित फ़िल्में होती हैं। ऐसी फिल्मों में एक बेतुकी आशंका को प्रस्तुत किया जाता हैं कि अगर शार्क संवेदनशील हत्यारी होती तो क्या करती? यह एक अच्छी फिल्म है ऐसा कहने में यदि हम संकोच करें तब भी फिल्म में कुछ ऐसे अभिप्राप्त प्रसंग और दृष्यबंध है जो आपको फिल्म की खामियों को भुलाने में मदद कर सकते हैं। कहानी में जलवायु परिवर्तन को भी एक बड़ा कारक बताया गया है और यह फिल्म अपने संदेश के साथ थोड़ी भारी हो जाती है। यह फिल्म इस परिप्रेक्ष्य में उम्मीद जगाती हैं। आपदा से केवल जानमाल खतरा ही नहीं होता है, इससे कुछ मानवीय व्यवहार भी बदलता है उसको भी फिल्म में सांकेतिक रुप में दिखाया गया है। कुल मिलाकर यह एक अच्छी फिल्म है और इसका फिल्मांकन भी गजब का है।

रक्त क्रांति सम्मान से सम्मानित हुई प्रत्याशा संस्था

बैतूल। 14 जून विश्व रक्तदान दिवस पर आयोजित रक्त क्रांति कार्यक्रम में जिला चिकित्सालय द्वारा रक्तदान के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली संस्थाओं को सम्मानित किया गया। जिसमें प्रत्याशा संस्था को भी सम्मानित किया गया। प्रत्याशा संस्था की अध्यक्ष तूलिका पचौरी ने बताया कि रक्तदान करने से किसी के जीवन को बचाया जा सकता है, महिलाओं को भी रक्तदान के क्षेत्र में बढ़-चढ़कर अपनी सहभागिता देने की आवश्यकता है, जिससे अधिक से अधिक संख्या में जरूरतमंदो को रक्त की पूर्ति कराई जा सकती है। प्रत्याशा संस्था की ओर से हेमासिंह चौहान, श्रीमती निमिषा शुक्ला, प्रमिला धोत्रे, साक्षी शर्मा, सरिता राठौर, कृष्णा अमृतरुते , कल्पना तरुडकर ,दीपा मालवी, सपना दवंडे, रीता दत्त, सोनम मिश्रा दीपाली पांडे, अनीता पाल, रुक्मणी सोनारे उपस्थित थे ।

पुलिस महानिदेशक ने बदमाशों की गिरफ्तारी हेतु अभियान चलाकर कार्यवाही के दिए निर्देश

बैतूल। रात्रि में सम्पूर्ण प्रदेश में पुलिस महानिदेशक मप्र द्वारा काम्बिंग गस्त हेतु आदेशित किया जाकर सम्पूर्ण मध्यप्रदेश में समस्त पुलिस महानिरीक्षक, अतिरिक्त पुलिस महानिरीक्षक, पुलिस अधीक्षक व राजपत्रित अधिकारी सहित मैदानी अमला को बदमाशों की चेकिग, जिला बदर के बदमाशों पर दबिश, फरार स्थायी, गिरफ्तारी व फरारी बदमाशों की गिरफ्तारी हेतु अभियान चलाकर कार्यवाही के निर्देश दिए गए थे। जिला बैतुल में समस्त थानों के बलों को अनुविभागीय अधिकारियों द्वारा थाना प्रभारी के निर्देशन में टीमें गठित कर रवाना किया गया। पुलिस अधीक्षक बैतुल द्वारा कन्ट्रोल रूम में थाना कोतवाली, गंज, महिला थाना, बैतुल बाजार व पुलिस लाइन का बल को 11.30 बजे रात्रि ब्रीफ कर रात्रि 12 बजे से सुबह 05 बजे तक के लिए रवाना किया गया व स्वयं पुलिस अधीक्षक, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक व एसडीओ पी ने रात्रि में भ्रमण कर अभियान की मॉनिटरिंग की गई। फलस्वरूप जिला बैतुल में दिनाँक 15.04.2024 -16.04.24 की दरम्यान रात्रि में 36 स्थायी वारेंट, 31 गिरफ्तारी वारेंट,11 अन्य मामलों में फरार आरोपी व 6 जिला बदर आरोपियों के घरों में अचानक दबिश देकर उनकी स्थिति की जानकारी ली गई। सम्पूर्ण जिले में पुलिस अधीक्षक, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सहित 6 राजपत्रित अधिकारीव 184 पुलिस अधिकारी कर्मचारियों ने अभियान में लगाया गया था।

पुलिस की अवैध गौवंश पर ताबड़तोड़ कार्यवाही

- कत्लखाने ले जाते पिकअप वाहन पकड़ाया, दो आरोपी गिरफ्तार

बैतूल। भैंसदेही पुलिस ने पिकअप वाहन में गौवंश तस्करी करते हुए दो आरोपियों को पकड़ा है। जिनके खिलाफ पशुक्रुरता अधिनियम के तहत कार्रवाही की है। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार शनिवार रात को मुखबीर से सूचना मिली थी कि कुछ लोग वाहन पिकअप क्रमांक एमएच 27 बीएक्स 9428 में गौवंश को क्रुरूतापूर्वक ठुंस-ठुसकर भरकर कत्लखाने महाराष्ट्र ले जा रहे है। सूचना मिलते ही वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशानुसार थाना भैसदेही से तत्काल टीम रवाना की गई। पिकअप निकलने के सभी संभावित स्थानों पर टीम को तैनात किया गया। बडगांव जोड के पास घेराबंदी कर पिकअप वाहन को रोका, जिसमें 06 नग गौवंश क्रुरूतापूर्वक एक दूसरे से बांधकर ठूस ठूस कर भरे हुए थे। वाहन चालक से पूछने पर अपना नाम दुर्गेश पिता रामेश्वर मुंडेल उम्र 28 साल निवासी रवि नगर परतवाडा तथा उसके बाजू में बैठे व्यक्ति मदन पिता बेनीलाल नंदवंशी उम्र 40 साल निवासी रवि नगर परतवाडा होना बताया। गौवंश को महाराष्ट्र कत्लखाने लेकर जाना बताया। दोनो आरोपियो द्वारा गौवंश को क्रुरूतापूर्वक एक-दूसरे से बांध कर ठुस ठूसकर भर कर महाराष्ट्र कत्लखाने ले जाते पाये जाने पर पुलिस ने धारा 5,6,9 गौवंश प्रति. अधि., 4,6,7 म.प्र. कृषि उपयोगी पशु सरक्षण अधि. धारा 5,11 (घ) पशु क्रुरूता अधिनियम का मामला पंजीबद्ध किया गया। मौके पर वाहन पिकअप क्रमांक एमएच 27 बीएक्स 9428 एवं 6 नग बैलो को जप्त किया गया।

जल गंगा संवर्धन अभियान

गंगा दशमी पर मानव श्रृंखला बनाकर जल संरक्षण का लिया संकल्प

बैतूल। जल स्त्रोतों के संरक्षण और संवर्धन के लिए जिले में वृहद स्तर पर चल रहे जल गंगा संवर्धन अभियान का गंगा दशमी के दिन रविवार को समापन किया गया। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद की जिला समन्वयक श्रीमती प्रिया चौधरी ने बताया कि परिषद की सभी नवांकुर संस्थाएं सीएमसीडीपी स्टूडेंट, प्रस्फुटन समितियों ने अपने नगर, ग्राम की जल संरचनाओं नदी, तालाब, कुएं, बावड़ी आदि का पूजन, गंगा आरती, भजन और मानव श्रृंखला बनाकर जल को बचाने का संकल्प लेकर जल गंगा संरक्षण अभियान का समापन किया गया। बैतूल नगर में सभी सामाजिक संस्थाओं द्वारा अभियान के अंतिम

दिन अभिनंदन सरोवर की सफाई की गई। सरोवर में पनपे झाड़-झाडियों एवं कचरे को हटाया गया तथा जल बचाओं-जीवन बचाओं की शपथ ली गई। उल्लेखनीय है कि कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अक्षत जैन के निर्देश पर जिले के सभी विकासखंडों में तालाब, बावड़ी गहरीकरण, नदी, नालों की सफाई, ऐतिहासिक एवं पारंपरिक जल संरचनाओं के संरक्षण, पुनर्जीवन के लिए जिले में आगामी 16 जून तक जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया गया। अभियान के माध्यम से जनमानस को जल संवर्धन और संरक्षण के लिये प्रेरित किया गया।

ग्रामीणों ने की मां ताप्ती की पूजा-अर्चना

भीमपुर ब्लॉक के ग्राम घोघरा में गंगा दशमी के अवसर पर जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत नवांकुर संस्था ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति ने जनप्रतिनिधि के साथ मां ताप्ती नदी की सफाई की। अभियान के माध्यम से ग्रामीणों ने नदी में से कचरा निकाला गया। मां ताप्ती की पूजा-अर्चना की गई। साथ ही मानव श्रृंखला बनाकर जल संरक्षण का संदेश दिया गया।

जल संरक्षण के प्रति किया जागरूक

जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतिम दिन रविवार को आठनेर विकासखंड के ग्राम धनोरा पारसडोह घाट पर ग्रामीणों द्वारा मां ताप्ती की पूजा अर्चना की गई। जल संरक्षण के लिए जागरूक किया गया। घाट पर मानव श्रृंखला बनाई गई। जन अभियान परिषद की विकासखंड समन्वयक श्रीमती मधु चौहान के नेतृत्व में नवांकुर संस्था प्रतिनिधि द्वारा जल स्रोत संरक्षण हेतु जनमानस को संकल्प दिलाया गया।

नागदेव घाट पर बनाई मानव श्रृंखला

शाहपुर ब्लॉक के आवरियां नागदेव घाट स्थल पर जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जल स्तोत्र की पूजा अर्चना की गई। ग्रामीणों द्वारा मानव श्रृंखला बनाकर जल संरक्षण का संकल्प लिया गया।

खामडोह नदी के तट पर की सफाई

घोड़ाडोंगरी ब्लॉक के ग्राम कान्हावाड़ी में मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद की नगर विकास प्रस्फुटन समिति के तत्वावधान में खामडोह नदी के तट पर की सफाई की गई। अभियान के माध्यम से ग्रामीणों ने नदी में पड़े कचरे को निकाला। नदी तट पर मां गंगा की आरती एवं मानव श्रृंखला बनाकर जल संरक्षण का संकल्प विकासखंड समन्वयक श्री संतोष राजपूत द्वारा दिलाया गया।

चोपना के ग्रामीणों ने तालाब की सफाई कर दिया जल संरक्षण का संदेश

बैतूल। जल स्त्रोतों के संरक्षण और पुर्नोद्धार के लिए 16 जून तक चलाए जा रहे जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत ग्रामीणों ने शनिवार को नर नारायण सेवा मंदिर के समीप स्थित तालाब पर बने गंगा घाट की सफाई की। नवांकुर संस्था ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में ग्रामीणों ने श्रमदान कर तालाब में पनपे झाड़-झाडियों एवं कचरे को अलग किया। तालाब में जल संरक्षण किए जाने के उद्देश्य से तालाब का गहरीकरण भी किया गया। कार्यक्रम में सामाजिक कार्यकर्ताओं द्वारा ग्रामीणों को पर्यावरण संरक्षण एवं जल संवर्धन की शपथ दिलाई गई। म.प्र. जन अभियान परिषद जिला समन्वयक श्रीमती प्रिया चौधरी ने बताया कि कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अक्षत जैन के निर्देश पर जिले के सभी विकासखंडों में तालाब, बावड़ी गहरीकरण, नदी, नालों की सफाई, ऐतिहासिक एवं पारंपरिक जल संरचनाओं के संरक्षण, पुनर्जीवन के लिए जिले में आगामी 16 जून तक जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के माध्यम से जनमानस को जल संवर्धन और संरक्षण के लिये प्रेरित किया जा रहा है। इस अवसर पर सीमा तपन विश्वास जिला पंचायत सदस्य जनपद सदस्य, अशोक नवड़े सरपंच ग्राम पंचायत चोपना, विनय डोंगरे भारतीय मजदूर संघ, श्री श्रीवास्तव विकासखंड अधिकारी, किशोर विश्वास उप सरपंच ग्राम पंचायत चोपना, तृप्ति मंडल, महिला मोर्चा मंडल महामंत्री वासुदेव दास, ग्राम विकास हॉस्पिटल समिति चोपना के अध्यक्ष अमित दास उपस्थित रहे।

निकिता गुजरे ने बढ़ाया जिले और प्रदेश का मान, एसएसबी में ऑल इंडिया रैंक वन हासिल की

बैतूल की बेटी ने राष्ट्रीय स्तर पर पाया असिस्टेंट कमांडेंट लॉ ऑफिसर का पद

बैतूल। जिले के छोटे से गांव साबरी सोनोरी की निवासी कुमारी निकिता गुजरे ने सर्विस सिलेक्शन बोर्ड (एसएसबी) में ऑल इंडिया रैंक वन हासिल कर जिले और प्रदेश का मान बढ़ाया है। निकिता के इस उपलब्धि ने पूरे जिले को गर्वित किया है। निकिता के मामा अनिल कापसे ने बताया कि निकिता वर्तमान में भोपाल में निवासरत हैं और उन्होंने पिछले साल अक्टूबर में हुए एसएसबी परीक्षा में यह मुकाम हासिल किया।

निकिता ने 2017 में 12वीं कक्षा उत्तीर्ण करने के बाद मुंबई की एमिटी यूनिवर्सिटी से 2022 में बीए एलएलबी ऑनर्स की डिग्री हासिल की। इसके बाद उन्होंने एसएसबी के एग्जाम में शामिल होने का निर्णय लिया। निकिता ने अपने लक्ष्य को पाने के लिए कड़ी मेहनत की और दृढ़ संकल्प के साथ इस पद को हासिल किया। निकिता ने राष्टीय स्तर पर असिस्टेंट कमांडेंट लॉ ऑफिसर की एकमात्र पोस्ट पर विजय प्राप्त की। इस पद पर चयन के बाद निकिता ने इंडियन नेवल अकैडमी केरला में 22 हफ्ते की ट्रेनिंग पूरी की। गृह जिले में वापसी पर निकिता का स्वागत धूमधाम से किया गया। उनके नाना-नानी विट्ठल कापसे गुरुजी और श्रीमती कचनार कापसे ने ढोल और पुष्प वर्षा कर उनका स्वागत किया। निकिता का जन्मदिन भी गरिमामयी उपस्थिति में शाहपुर स्थित निवास पर केक काटकर सेलिब्रेट किया गया।

निकिता का संदेश और समाज के लिए अपील

निकिता ने अपनी सफलता का श्रेय अपनी मां की प्रेरणा, पापा के मार्गदर्शन और बहन के प्यार को दिया। अपने संदेश में निकिता ने प्रतिभागियों को प्रेरित किया कि जब आप कुछ पाने की जिद ठान लेते हैं तो प्रकृति भी आपकी मदद करती है। असफलताओं को सीखने का मौका मानकर पुनः प्रयासरत रहने की आवश्यकता होती है। उन्होंने अभिभावकों से भी अपील की कि वे लड़कियों को भी वही दर्जा दें जो लड़कों को मिलता है।

समारोह के विशिष्ट अतिथि

इस कार्यक्रम का मंच संचालन धर्मदास दवंडे और आभार प्रदर्शन अनिल कापसे, जिला अध्यक्ष द्वारा किया गया। समारोह में शाहपुर नगर के गणमान्य व्यक्तियों में हजारीलाल गुप्ता, अरुण तिवारी, कमल किशोर परसाई, मुन्ना गुप्ता, कोठारी जी, मालवीय गुरुजी, व्याख्याता केएल शर्मा, प्राचार्य एसके जैन, अंबिका प्रसाद मिश्रा, नंदलाल सुनारिया, सुरेश कहार, सुनील सिसोदिया, ज्ञानदेव झरबड़े, सरसोदे सीएल महोबिया, राजमल दरश्यामकर, अमित तिवारी, अमित जोठे, पूर्व जिला अध्यक्ष एवीएफओ संघ श्रीमती रमा राजपूत, मालवी बहन, सरसोदे मैडम, विनय गुप्ता, पंकज मालवी, सुनील मालवी, अंशुमन अनिरुद्ध आदि उपस्थित थे।

सामूहिक भावना और प्रयास जीत का मूल मंत्रः डी.डी. उइके

- लोकसभा चुनाव परिणाम को लेकर भाजपा की जिला स्तरीय समीक्षा बैठक संपंन्न

बैतूल। शनिवार को जिला भाजपा कार्यालय विजय भवन में आयोजित लोकसभा चुनाव की जिला स्तरीय समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए केन्द्रीय राज्य मंत्री दुर्गादास उइके ने कहा कि आज हम भाजपा परिवार के साथ आत्म चिंतन कर रहे है। कार्यकर्ताओ के आर्षीवाद से ही ऐतिहासिक जीत मिली है। मेरा मंत्री पद कार्यकर्ताओ को समर्पित है। सामुहिक भावना और सामुहिक शक्ति परिणामो को बदल देती है। शब्दो की संवेदनाओं में अपार शक्ति होती है। वही संवाद से सफलता सुनिष्चित होती है। सामुहिक भावना के साथ संवेदनाओ को लेकर किया गया सामुहिक प्रयास जीत का मूल मंत्र है। श्री उइके ने कहा कि प्रषासनीक क्षमता के साथ प्रबंधकिय कौषल का प्रमाण बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल ने दिया है जिनके नेतृत्व मे मध्यप्रदेष मे लोकसभा की 29 सीटो मे से 29 सीटे जीते है। संगठनात्मक दृष्टि से जो भू भाग होता है उसका पूरा दौरा हर पदाधिकारी और जनप्रतिनिधि को करना चाहिए हम सब समर्पित कार्यकर्ता है जो राष्ट्र धर्म संस्कृति के लिए सामुहिक रूप से प्रयास करते है भाजपा मे कोई विषिष्ट नही होता सब के बीच निरंतर संवाद रहे तो सफलता मिलती रहेगी।

वन अपराध प्रकरणों के अन्वेषण के लिए हुआ विधिक प्रशिक्षण का आयोजन

वन अधिकारियों और कर्मचारियों को दिया गया विशेष प्रशिक्षण

बैतूल। वन विद्यालय सभागृह में वन अपराध प्रकरणों के अन्वेषण और परिवाद प्रस्तुतिकरण में आने वाली कठिनाइयों के समाधान हेतु एक दिवसीय विधिक प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। डीएफओ विजयानन्तम टी.आर. के मार्गदर्शन में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में माननीय न्यायालय बैतूल के जिला लोक अभियोजन अधिकारी सत्यप्रकाश वर्मा, सहायक लोक अभियोजन अधिकारी ओमप्रकाश सूर्यवंशी, अमित राय, और अजीत सिंह ने भाग लिया। उन्होंने वन विभाग के अधिकारियों को न्यायालय में वन अपराध प्रकरणों में दस्तावेजों का विधि सम्मत संधारण करने और वन अपराध घटित होने पर अपराधियों के विरुद्ध की जाने वाली कार्यवाही के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। डीएफओ विजयानन्तम टी.आर. ने बताया इस प्रशिक्षण का उद्देश्य वन अधिकारियों और कर्मचारियों को वन अपराध प्रकरणों के दस्तावेजों का विधि सम्मत संधारण करने और अपराध घटित होने पर अपराधियों के विरुद्ध

उचित कार्यवाही करने के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल प्रदान करना था। माननीय न्यायालय बैतूल के जिला लोक अभियोजन अधिकारी सत्यप्रकाश वर्मा, सहायक लोक अभियोजन अधिकारी ओमप्रकाश सूर्यवंशी, अमित राय, और अजीत सिंह ने इस प्रशिक्षण सत्र का नेतृत्व किया। प्रशिक्षण में सुश्री निधि चौहान प्रशिक्षु भा.व.से., नीरज निश्चल प्रशिक्षु भा.व.से., उपवनमंडलाधिकारी मुलताई संजय साल्वे, परिक्षेत्र अधिकारी आठनेर, परिक्षेत्र अधिकारी सावलमेढा, परिक्षेत्र अधिकारी ताप्ती और अन्य क्षेत्रीय कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों को वन अपराध प्रकरणों में दस्तावेजों का विधि सम्मत संधारण और अपराध घटित होने पर उचित कार्यवाही करने के लिए प्रशिक्षण दिया गया।

यह है प्रशिक्षण की मुख्य बातेंः प्रशिक्षण के दौरान, माननीय जिला लोक अभियोजन अधिकारी सत्यप्रकाश वर्मा ने वन अपराध प्रकरणों में दस्तावेजों के संधारण के महत्व पर प्रकाश डाला और कहा, वन अपराध प्रकरणों में सटीक और पूर्ण दस्तावेजों का संधारण अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह न्यायिक प्रक्रिया को सुगम बनाता है, अपराधियों को सजा दिलाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

सहायक लोक अभियोजन अधिकारी ओमप्रकाश सूर्यवंशी, अमित राय, और अजीत सिंह ने विभिन्न मामलों के अध्ययन और अनुभवों के आधार पर वन अधिकारियों को उपयोगी सुझाव और मार्गदर्शन प्रदान किया। उन्होंने बताया कि किस प्रकार से दस्तावेजों को तैयार करना चाहिए और अपराधियों के खिलाफ कानूनी कार्यवाही को मजबूत बनाने के लिए किन बिंदुओं का ध्यान रखना आवश्यक है।

प्रशिक्षण से वन विभाग की कार्यक्षमता में होगा सुधारः डीएफओ विजयानन्तम टी.आर. ने कहा इस प्रशिक्षण कार्यक्रम ने वन अधिकारियों और कर्मचारियों को वन अपराध प्रकरणों के अन्वेषण और परिवाद प्रस्तुतिकरण में आने वाली कठिनाइयों को समझने और उनके समाधान के लिए आवश्यक विधिक ज्ञान प्रदान किया। इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रमों से वन विभाग की कार्यक्षमता में सुधार होगा और वन अपराधों पर कड़ी नजर रखी जा सकेगी।

ग्रीन धारकी परिकल्पना लिए जमनजत्ती पहाड़ी पर नगर वन लेगा आकार, उठे हाथ

अपने बच्चों के जन्मदिन, पितरों की पुण्यतिथि के दिन एक पौधा अवश्य लगाएं : केन्द्रीय राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर

धार। गंगा दशहरा के पावन पर्व पर च्च ग्रीन धार च्च की परिकल्पना लिए जमनजत्ती पहाड़ी पर नगर वन के संकल्प को लेकर उठे हाथ .. शहरवासियों ने बढ- चढ़ कर पौधारोपण कर इस महाअभियान में अपनी भागीदारी निभाई. केन्द्रीय राज्यमंत्री महिला एवं बाल विकास विभाग सावित्री ठाकुर ने रविवार को जल गंगा संवर्धन महाअभियान के तहत धार में स्थित जमन जत्ती पहाड़ी पर बनाए गए नगर वन में पौधारोपण कार्यक्रम में कहा कि जिलेवासी पर्यावरण बचाव को लेकर संकल्प ले की अपने बच्चों के जन्मदिन, पितरों की पुण्यतिथि के दिन एक पौधा अवश्य लगाएंगे। साथ ही यहां जमन जत्ती पर आकर अपने परिवार के साथ पौधारोपण करें और उसकी देखभाल कर उसे एक वृक्ष के रूप विकसित करें। जनसंख्या बढ़ती जा रही है और पौधे कम होते जा रहे है। समुचित पर्यावरण को बचाने के लिए अपना योगदान देवें। उन्होंने यहॉ पर त्रिवेणी का पौधारोपण किया।

पर्यावरण को हम सभी को मिल कर बचाना है- कलेक्टर

इस अवसर पर कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने कहा कि पर्यावरण को हम सभी को मिल कर बचाना है। पर्यावरण को बचाने में जो महत्वपूर्ण कार्य है वह पेड़ लगाना है। लोगों को पेड़ लागाने की इच्छा होती है किन्तु जगह के अभाव में वह बड़े पेड़ नहीं लगा पाते है । हमारे जिले को भी नगर वन मिला है जिसका प्रबंधन वन विभाग करेगा, किन्तु इस कार्य में जनता अधिक से अधिक शामिल नहीं होगी तब तक इसको सफल नहीं किया जा सकता हैं । इसके लिए सघन अभियान चलाकर यहॉ पर जनता की सहभागिता के साथ नगर वन का निर्माण किया जाएगा। जिले के सभी नागरिक अपने परिवार के साथ आकर यहॉ पेड़ लगाए। इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष सरदार सिंह मेड़ा, जिला न्यायाधीश उमेश सोनी, डीएफओ अशोक सोलंकी, जिला पंचायत सीईओ सविता झानिया, अधिकारीगण, पत्रकार बंधु, समाज सेवी, गणमान्य नागरिक एवं छात्र-छात्राएं व बड़ी संख्या में आम नागरिक मौजूद थे और सभी ने पौधारोपण किया ।

बच्चों ने दिखाई पर्यावरण के प्रति अपनी जागरूकता

पौधारोपण कार्यक्रम मे दौरान कक्षा यूकेजी की कायरा श्रीवास्तव, नर्सरी कक्षा के त्रियांश चौहान, ढाई साल के एकलव्य मूवेल, कक्षा दुसरी की अनिशा जमरा, कक्षा तीसरी के राघव सिसोदिया, कक्षा सातवीं की राधिका मोरी, रिधान चौहान, आद्विक, अयांश ने पौधारोपण कर च्चपर्यावरण के प्रति हमारी जागरूकताज्ज के लिए संदेश दिया।

संगठनों ने भी पौधारोपण में अपनी सहभागिता दिखाई: इस दौरान प्रेमजी अजीम फाउंडेशन, चतुर्भुज राम मंदिर ट्रस्ट माण्डव, भू माई फाउंडेशन, श्री प्रजना समाज सेवा संगठन, कायस्थ समाज युवा संगठन व अन्य संगठनों ने भी पौधारोपण में अपनी सहभागिता दिखाई। नगर वन योजना जून, 2020-21 में विश्व पर्यावरण दिवस समारोह के दौरान शुरू की गई थी। 2015 के दौरान लागू की गई नगर वन उद्यान योजना से संशोधत नगर वन योजना के कार्यान्वयन का लक्ष्य अगले पांच वर्षों में देश भर में नगर वन विकसित करना है।

नगर वन उद्यान हेतु जमनजत्ती पहाड़ी का चयन क्यों ?

यह क्षेत्र धार नगर से 4 क.मी. की दूरी पर स्थित है। इसके उत्तर में काल भैरव तालाब, दक्षिण में नटनागरा तालाब एवं शासकीय भूमि से घिरा है। धार जैसे वृहद आबादी के अत्यंत समीप स्थित होकर सुगम, सुरक्षित और शांत परिवेश में स्थित है। धार के शिक्षा क्षेत्र में वद्यार्थियों को एक मात्र नगर वन उद्यान प्राप्त होगा। बच्चों के लिये मनोरंजन पार्क स्थापित होगा जो शहर के लिए नया पर्यटन स्थल रहेगा। शहर के बीचो बीच ऑक्सीजन पार्क से इस वृहद और जैव विवधता भूखण्ड से शहरवासी योग, पर्यटन, भ्रमण आदि का लाभ ले पायेगे। विद्यार्थी एवं प्रकृति प्रेमी, यहा की प्राकृतिक घटा का लाभ प्राप्त कर पाएंगे। धार मालवा क्षेत्र की विभिन्न संकटापन्न वृक्षों, बेलाओं, झाड्यों एवं औषधर्यो का संरक्षण एवं संवर्धन होगा। पक्षी एवं तितली प्रेमियों को अनेको प्रजातियां देखने को मलेगी। इस नगर वन उद्यान के निर्माण में लगभग 22000 मानव दिवस रोजगार सृजित होगा जो सैकड़ों लोगों के लये रोजगार का अवसर होगा। ग्राम वन समिति के माध्यम से नर्सरी में वकसित किये जाने वाले पौधों की बिकी एवं सैलानियों से शुल्क एक अतिरिक्त आमदनी का अवसर उपलब्ध कराएगा। नगर वन उद्यान शहवासियो को पर्यावरण के प्रति शिक्षित करने का सर्वोत्तम माध्यम बनेगा। पक्षियों को आश्रय दिये जाने वाले वृक्षों जैसें पीपल, गूलर, पाखर, बरगद, शहतूत, चेरी, बकुल इत्यादि का बड़े पैमाने पर रोपण करना एवं इस भाग को पक्षियों के आवास के रूप से वकसित करना। क्षेत्र को शैक्षणिक, पर्यटन, जागृति एवं विज्ञान के प्रचार प्रसार के उद्देश्य से ईको पर्यटन उपलब्ध करना। स्थानीय जीव जन्तुओं के अनुकूल एवं उनकी संख्या वर्धन करने वाले वकास कार्य करना। नेचर इन्टर प्रटेशन सेंटर स्था पत कर मालवा क्षेत्र से जुडी दुर्लभ वन्य जीवन से अवगत कराना। खेल खेल में शक्षा देते हुए बच्चों को मनोरंजन स्थल उपलब्ध कराना। नक्षत्र गार्डन, सन डाइल, सेल्फी गार्डन, केक्ट्स गार्डन, टेरेस गार्डन, रोज गार्डन जैसे अदभुत प्रयोग करना है।

श्रवण संस्कृति संस्कार शिविर का आयोजन

नरसिंहपुर। नरसिंहपुर कंदेली जैन मंदिर जी में श्रवण संस्कृति संस्कार शिविर का आयोजन किया जिसमें सांगानेर से आए हुए भैयाजी ने संस्कार शिविर के महत्व ओर संस्कार को आचरण में लाने के लिये उपस्थित श्रावकों से आव्हान किया। इसमें महिलाओं को इंस्टोपदेश पढ़ाया एवं बच्चों को भाग 1 भाग 2 की शिक्षा दी गई गया जिसमें बड़े जैन मंदिर जीनरसिंहपुर की महिलाओं एवं बच्चों ने जाकर भाग लिया । उसके तत्पश्चात आखिरी दिन बच्चों एवं महिलाओं को प्रमाण पत्र एवं गिफ्ट प्रदान किए गए।

बरमान घाट में श्रमदान कर चलाया स्वच्छता अभियान

नागरिकों को दिलाई स्वच्छता की शपथ

नरसिंहपुर। जल गंगा संवर्धन अभियान के दौरान जिले में विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। जिले में नुक्कड़ नाटक, रैली, श्रमदान, स्वच्छता, पौधरोपण आदि विभिन्न कार्यक्रम आयोजित हो रहे हैं। इन कार्यक्रमों में स्थानीय जनप्रतिनिधि, स्वयं सेवी संगठनों के पदाधिकारी, अधिकारी व कर्मचारी, जनअभियान परिषद और बड़ी संख्या में ग्रामवासी अपना सहयोग दे रहे हैं। इसी क्रम में जिले की ग्राम पंचायत बरमान कला में प्रभारी कलेक्टर एवं जिला पंचायत सीईओ श्री दलीप कुमार के मार्गदर्शन मे नर्मदा नदी के तट पर श्रमदान कर घाटों की साफ- सफाई का कार्य किया गया। घाट से मिट्टी, पॉलीथिन और अनावश्यक पड़ी वस्तुओं को हटाकर घाट को स्वच्छ किया गया। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ श्री दलीप कुमार ने उपस्थित ग्रामीण एवं श्रद्धालुओं से घाटों पर साफ-सफाई रखने एवं पॉलीथिन का उपयोग नहीं करने की अपील की। साथ ही सभी को स्वच्छता अभियान में बढ़- चढ़कर सहभागिता करने की शपथ भी दिलाई गई। इस दौरान नेशनल यूथ अवार्डी शिवम मिश्रा, जिला कमांडेंट होमगार्ड शैलेंद्र चौहान, जनपद सीईओ करेली श्रीमती प्रतिभा परते, नायब तहसीलदार करेली श्री विक्रम ठाकुर, जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक श्री जय नारायण शर्मा, ग्राम पंचायत सचिव, शक्ति क्लब, शिवाजी यूथ क्लब बरमान सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी मौजूद रहे।

जनमन योजना के तहत कैम्प

नरसिंहपुर। भारत सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय के निर्देशानुसार प्रधानमंत्री पीवीटीजी मिशन के अंतर्गत जिले की जनपद पंचायत बाबई चीचली के अंतर्गत 14, करेली के अंतर्गत 9 एवं गोटेगांव के अंतर्गत एक सहित कुल 24 पीवीटीजी ग्रामों के समग्र विकास के लिए कैम्प का आयोजन किया जायेगा। इन ग्रामों में निवासरत पिछड़ी जनजातियों (भारिया) के संबंधित मुखिया/ परिवारजनों को विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाये जाने के लिए यह कैम्प आयोजित किये जायेंगे। इस संबंध में कलेक्टर ने ब्लाक स्तरीय नोडल अधिकारी व सहायक नोडल अधिकारियों की ड्यूटी लगाई है। जनमन योजना के अंतर्गत विकासखंड बाबई चीचली के अंतर्गत 18, 19 व 20 जून को ग्राम पंचायत भिलमाढाना, सिल्हेटी व खड़ई ग्राम पंचायतों हेतु शाहपुर में, ग्राम पंचायत मोहपानी, पटकुही व माल्हनवाड़ा- इकलौनी हेतु चारगांव खुर्द में और ग्राम पंचायत ग्वारी, देवरी व बैरागढ़ हेतु ग्राम टुडनी में शिविर लगाया जायेगा। विकासखंड करेली के अंतर्गत 18, 19 व 20 जून को ग्राम पंचायत नयाखेड़ा, आमगांवबड़ा व करताज हेतु ग्राम पंचायत आमगांवबड़ा में, ग्राम पंचायत ग्वारी हेतु ग्राम पिपरहा में, ग्राम पंचायत गुरसी, मिड़ली व हिरनपुर हेतु बिकौर में और विकासखंड गोटेगांव के लिए 18, 19 व 20 जून को ग्राम पंचायत बुढ़ैना के लिए ग्राम बुढ़ैना में शिविर लगाया जायेगा। जारी आदेश में कहा गया है कि उक्त ग्रामों में सूची के अनुसार शेष परिवार/ सदस्यों को शिविर स्थल पर लाने के लिए संबंधित सुपरवाईजर महिला एवं बाल विकास, पंचायत समन्वय अधिकारी एवं पटवारी पूर्ण रूप से जिम्मेदार होंगे। अन्य ग्रामों में कार्य के लिए हितग्राहियों के परिवार से सम्पर्क कर शिविर में लाने के लिए सचिव एवं अधीक्षक जनजातीय कार्य विभाग, पटवारी पूर्णत- जिम्मेदारी होगी। संबंधित ग्राम रोजगार सहायक शिविर की व्यवस्था व कार्यवाही पूर्ण करायेंगे। उक्त कार्य संबंधित तहसीलदार एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत के निर्देशन में कार्य करेंगे। जनमन योजना के अंतर्गत आयोजित शिविर में सभी संबंधित अधिकारी प्रात- 10 बजे अनिवार्यत- पहुंचना सुनिश्चित करेंगे। शिविर की प्रगति से संबंधित मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत कलेक्टर कार्यालय को अवगत कराना सुनिश्चित करेंगे।

मध्यप्रदेश शिक्षक महासंघ की प्रांतीय कार्यकारिणी में दुबे प्रदेश मंत्री नियुक्त

जिला कार्यकारिणी ने दी बधाई

नरसिंहपुर। संविदा शिक्षक महासंघ की प्रदेश स्तरीय बैठक भादव माता मंदिर उज्जैन में पूर्व कैबिनेट दर्जा प्राप्त मंत्री अध्यक्ष कर्मचारी कल्याण समिति रमेश चंद्र शर्मा, विभाग प्रमुख भारतीय मजदूर संघ सतीश शर्मा, मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ जिलाध्यक्ष मनोहर गिरी की उपस्थिति में आयोजित की गई । जिसमें संगठन के नाम को बदलकर मध्यप्रदेश शिक्षक महासंघ किया गया एवम् प्रांतीय कार्यकारिणी का गठन किया गया बैठक में मध्य प्रदेश शिक्षक महासंघ नरसिहपुर के जिलाध्यक्ष मनीष कटारे एवं जिला कार्यकारिणी के वरिष्ठ सदस्यों की आम सहमति से प्रांतीय कार्यकारिणी के निर्वाचन में प्रदेश मंत्री हेतु शिक्षक आशीष दुबे करेली का नाम प्रस्तावित गया एवं आमसहमति से श्री दुबे निर्विरोध प्रदेश मंत्री निर्वाचित हुए। प्रांतीय कार्यकारिणी की बैठक में निर्वाचित पदाधिकारियों को मध्य प्रदेश शिक्षक महासंघ नरसिहपुर के जिलाध्यक्ष श्री मनीष कटारे एवं जिला कार्यकारिणी के सदस्यों द्वारा शुभकामनाएं बधाई दी गई।

धार गायत्री शक्तिपीठ पर श्रद्धा, भक्ति और हर्षउल्लास के साथ मनाया गया गायत्री जयंती का पर्व

धार। धार गायत्री शक्तिपीठ पर राविवार को गायत्री जंयती (गंगा दशहरा) का पर्व श्रृद्धा, भक्ति और हर्ष उल्लास के साथ मनाया गया । गंगा दशहरा और गायत्री जंयती होने से पंचकुंडीय यज्ञ से पहले गंगाजल और मां गायत्री का विधि पूर्वक पूजन किया गया। तत्पश्चात पंचकुंडीय यज्ञ प्रारंभ हुआ जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए और गायत्री महामंत्र तथा महामृत्युंजय मंत्र के साथ आहुतियां दी गई। इस दौरान संस्कार भी सम्पन्न करवाए गए। यज्ञ और संस्कार आचार्य प्रज्ञा बैरागी द्वारा सम्मान करवाए गए। यह जानकारी देते हुए शक्तिपीठ के मुख्य ट्रस्टी रमेश चंद्र सचान ने बताया कि यज्ञ पूर्णाहूति के पश्चात भोजन प्रसादी का आयोजन भी किया गया। बड़ी संख्या में गायत्री परिजनो द्वारा प्रसादी ग्रहण की गई।

नया चित्तौड़ पट्टन में सड़क से लगी दो तरफ वन भूमि के पास

राजस्व क्षेत्र में व्यापक पैमाने में हुआ उत्खनन

हीरालाल गोलानी सोहागपुर

सोहागपुर विधानसभा के मुख्यालय से करीबन 8किलोमीटर दूर आदिवासी क्षेत्र के नया चित्तौड़ पट्टन में सड़क से लगी दो तरफ वन भूमि के पास राजस्व क्षेत्र में व्यापक पैमाने से लम्बे अरसे से मुरम का अवैध उत्खनन किया जा था। इसकी जानकारी कपिल मालवीय ने सोहागपुर के सोशल मीडिया पर विगत दिवस डाली। जिसमें 14 जून की रात तक पोकलेन मशीन से उत्खनन करते डंपरों में मुरम भरी जाने के फोटो एवं विडियोज डालकर वायरल किया गया। इस वायरल फोटो के साथ यह भी लिखा गया कि मौके पर तहसीलदार भी काफी पहले उक्त स्थान पर जा चुकी हैं।

कपिल मालवीय ने लिखा सोशल मीडिया पर: नया चितौड़ पट्टन के पास न जाने कब से पोकलेन मशीन से दिन रात अवैध मुरम खोदी जा रही है और डंफरो से ढुलाई हो रही है ।प्रशासनिक अधिकारियों को भी इसकी जानकारी है। सवाल यह है कि इस पर किसी प्रकार की कार्रवाई क्यों नहीं हो रही है ।इस अवैध उत्खनन करता पर प्रशासनिक अधिकारी इतने मेहरवान क्यों हैं ।तहसीलदार मैडम भी मौके पर जा चुकी हैं ।फिर भी मौके पर हमेशा पोकलेन और डंपर देखे जा सकते हैं ।जिस जगह यह खुदाई चल रही है ।वहां पर उत्खननकर्ताओं के द्वारा बहुत बड़ा गड्ढा नुमा तालाब बना दिया गया है?। अभी भी रात में भी उत्खनन जोरो पर चल रहा है।

कई सवाल खड़े हैं

इतने लम्बे अरसे से चल रहे अवैध उत्खनन पर कई विभागों की कार्यवाही पर सवाल निशान खड़े हो रहे हैं। पहला जिस स्थान पर अवैध उत्खनन हो रहा है। वहां दो तरफ वन क्षेत्र लगा हुआ है। भीमकाय वन विभाग के अमले ने अपनी आंखे क्यों बंद रखी हैं। वह क्या कर रहा था।दूसरा सवाल राजस्व क्षेत्र में लम्बे अरसे से हो अवैध उत्खनन के मामले में वहां के पटवारी सबसे अधिक दोषी होने की संभावना, फिर वहां के आर आई, यदि जैसा कपिल मालवीय ने इंगित किया है।कि तहसीलदार मैडम भी वहां जा चुकी तो वह भी जिम्मेदारी से बच नहीं सकती।

अवैध उत्खनन पर पहुंचा प्रतिनिधि: आज दोपहर यह संवाददाता आदिवासी क्षेत्रों के जंगलों में बसे नया चित्तौड़ पट्टन पहुंचा। उत्खनन स्थल के लगी सड़क गोड़ी खेरी से गोहनादेह सड़क से करीबन मात्र 7 फुट की दूरी पर एक तरफ करीबन 35 से 40 नीचे तालाब नुमा उत्खनन, सड़क के दूसरे छोर पर करीबन 20 से 22 फुट उत्खनन किया गया था। इस तालाब नुमा उत्खनन स्थल पर बरसात के दिनों में पानी तो भरेगा ही । इससे दोनों तरफ की सड़क छतिग्रस्त होने की संभावनाओं से इन्कार नहीं किया जा सकता। इसकी भरपाई कौनसा विभाग करेगा। तालाब नुमा उत्खनन स्थल की उंचाई बताते हुए आज दोपहर का फ़ोटो।

रात के अंधेरे में अवैध उत्खनन :अवैध उत्खनन करने वाले रात के अंधेरे में शातिरता से खनन करते थे।इसकी बानगी यह है कि जब रास्ते रात में सुनसान हो तब उत्खनन करके गंतव्य स्थानों पर बेरोकटोक पहुंचाया जाता था।

कृषि दुकानों का निरीक्षण

नरसिंहपुर। जिले में खरीफ- 2024 में कृषकों को उत्तम गुणवत्ता का कृषि आदान सामग्री उर्वरक/ बीज/ कीटनाशक सुनिश्चित कराने एवं किसानों को अनुसार उर्वरकों का औद्योगिक एवं गैर कृषि कार्यों में उपयोग, कालाबाजारी, अवैध भंडारण/ परिवहन रोकने के लिए कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले ने जिला, अनुविभाग व विकासखंड स्तरीय उड़नदस्ता दलों का गठन किया है। यह दल कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले के निर्देशन में लगातार जिले में कार्यवाही कर रहा है। इसी क्रम में शर्मा एजेंसी सिंहपुर, दादा ट्रेडर्स, करकबेल में आस्था कृषि केन्द्र और अनुराग जैन संस्थान का निरीक्षण किया। यह निरीक्षण दल प्रभारी सहायक संचालक कृषि श्रीमती रश्मि ठाकुर, अनुविभागीय कृषि अधिकारी श्रीमती शिल्पी नेमा, जिला निरीक्षक श्रीमती विभा तोमर एवं विकासखंड नरसिंहपुर से श्री एनके आरसे एवं गोटेगांव से श्री आरएन त्रिपाठी निरीक्षक द्वारा किया गया। निरीक्षण के दौरान शर्मा एजेंसी सिंहपुर व दादा ट्रेडर्स के अभिलेखों का संधारण सही करना पाया गया। दोनों संस्थानों से भंडारित बीज के नमूना लेकर प्रयोग शाला भेजे गए। इसके पश्चात उक्त दल करकबेल में आस्था कृषि केन्द्र का निरीक्षण किया। इस दौरान आदान स्टॉक सूचना, भाव फलक व स्टाक पंजी का अपूर्ण संधारण जैसी अनियमितता पाई गई। इसी प्रकार अनुराग जैन संस्थान में भी अनियमितता मिली। दोनों संस्थानों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। जिले के किसानों से आग्रह किया गया है कि वे कृषि आदान सामग्री लेते समय पक्का बिल आवश्यक रूप से ले।

जन सहभागिता से हो रहे जल संवर्धन के कार्य

नरसिंहपुर। राज्य शासन ने निर्णय लिया है कि प्रदेश में बड़े पैमाने पर जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जाये। इस अभियान के दौरान जिले में व्यापक स्तर पर पौधरोपण, स्वच्छता अभियान, रैली, शपथ, नुक्कड़ नाटक, संगोष्ठी, श्रमदान आदि के कार्यक्रम आयोजित किये जायें।

करेली व चांवरपाठा विकासखंड के विभिन्न ग्रामों में हो रहे जीर्णोद्धार कार्य: जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जिले के विकासखण्ड करेली में ग्राम पंचायत कठौतिया व बांसादेही में पांचवें वित्त योजना से 50 हजार की लागत से सामुदायिक कुआँ का जीर्णोद्धार व ग्राम पंचायत जोबा व ग्राम पंचायत सासबहु में बावड़ी जीर्णोद्धार कार्य किया जा रहा है। इसी तरह विकासखण्ड चांवरपाठा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत बीकोर में 7 लाख 10 हजार की लागत से सामुदायिक तालाब, ग्राम पंचायत ऊमरपानी में कुआं और ग्राम पंचायत ग्वारीकला में बावड़ी जीर्णोद्धार का कार्य किया जा रहा है।

जनपद पंचायत गोटेगांव के ग्राम नगवारा में होगा वृहद स्तर पर पौधरोपण: जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जिले की जनपद पंचायत गोटेगांव के अंतर्गत आने वाले ग्राम नगवारा में शासकीय भूमि पर ब्लाक प्लानटेशन के तहत पौधारोपण के लिए 1200 गड्ढों को तैयार किया जा रहा है। इसी तरह जनपद पंचायत नरसिंहपुर के अंतर्गत ग्राम पंचायत महगवां में एससीटी निर्माण व ग्राम पंचायत पस्ताना में पौधारोण हेतु गड्ढे खुदाई कार्य किया जा रहा है। ग्राम पंचायत पाठा में डग पौंड निर्माण का कार्य किया जा रहा है।

जल संवर्धन के लिए नुक्कड़ नाटक का हुआ आयोजन: जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत गोटेगांव विकासखंड के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत सिलवानी में नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से राज्य शासन द्वारा चलाये जा रहे अभियान को विस्तार से समझाया गया। ग्रामीणों को जल संरक्षण, संवर्धन, पौधरोपण और स्वच्छता अभियान के बारे में विस्तार से बताया गया। इसके अलावा ग्राम पंचायत गोटेगांवखेड़ा के ग्राम रामनिवारी, ग्राम पंचायत पिपरिया, लाठगांव एवं ग्राम पंचायत जमुनिया में जनभागीदारी से नहर व नाली की साफ-सफाई का कार्य किया जा रहा है।

सत्ता का सर्कस

दिनेश गुप्ता

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

पानी पिलाने के बजाए सरकार चला रही है अभियान

मध्यप्रदेश में कई शहरों में लोग मानसून का इंतजार बेकरारी से कर रहे हैं। इस इंतजार की वजह बेहद साधारण हैं। केंद्र सरकार की बहुचर्चित नल-जल योजना के बाद भी राज्य के कई शहरों एवं गांवों में लोगों को पीने का पानी नहीं मिल पा रहा है। पानी मध्यप्रदेश के वीआईपी नेताओं के निर्वाचन क्षेत्र के लोगों को भी नहीं मिल रहा है। इन नेताओं में केन्द्रीय मंत्री द्वय शिवराज सिंह चौहान और ज्योतिरादित्य सिंधिया के अलावा प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीडी शर्मा भी हैं। बुरहानपुर और अशोकनगर जहां सरकारी दावा शत प्रतिशत घरों में नल से पीने का पानी पहुंचाने का दावा मुख्यमंत्री से लेकर प्रधानमंत्री तक कर रहे हैं,वहां भी लोग बूंद-बूंद के लिए तरस रहे हैं। भिंड जिले में दूषित पानी पीने से तीन लोगों की मौत हो चुकी है। सरकार लोगों तक पीने का पानी पहुंचाने के लिए क्या कर रही है? यह एक स्वाभाविक सवाल है। इस सवाल का मुख्यमंत्री,मंत्री और कलेक्टर जो पहला जवाब देंगे वो सवाल नुमा होगा। कहां नहीं मिल रहा पानी,बताएं,कहीं कोई पीने के पानी की समस्या नहीं है। जहां समस्या आ रही है,वहां टैंकर से पानी पहुंचा रहे हैं। यह सच है कि जहां पानी की समस्या है,वहां पानी टैंकर से पहुंच रहा है। लेकिन, लोग पानी खरीद रहे हैं। सरकार यदि देखना चाहे तो दिल्ली की तरह एक पानी माफिया मध्यप्रदेश के हर छोटे-बडे शहर में सक्रिय दिखाई देगा। भोपाल में नर्मदा का पानी आने के बाद भी संकट बना हुआ है। सरकार ने दावा किया था कि वह नर्मदा आने के बाद चौबीस घंटे पानी की सप्लाई करेगी। नए भोपाल के कुछ क्षेत्र छोड़ दिए जाएं तो कहीं भी नगर निगम प्रति व्यक्ति, प्रतिदिन जितना पानी लगता है,उतना भी वह सप्लाई नहीं कर पा रहा है या कर नहीं रहा है? पानी के संकट पर सवाल होगा तो वहीं जवाब कहां समस्या है? भोपाल में भी पानी माफिया सक्रिय है। बुरहानपुर जिले की कहानी भी भोपाल जैसी ही है। यह मध्यप्रदेश का वह जिला है,जहां सभी घरों में पानी की सप्लाई होने लगी है। नल-जल योजना की इस उपलब्धि के लिए बुरहानपुर के तत्कालीन कलेक्टर प्रवीण सिंह दिल्ली जाकर राष्ट्रपति के हाथों अवॉर्ड भी ले आए थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इस उपलब्धि के लिए उन्हें बधाई दी थी। इसके बाद तो यह शंका ही ही नहीं जाना चाहिए कि लोगों को पीने का पानी नहीं मिल रहा।

बुरहानपुर की कहानी नरसिंहपुर जैसी

मामला चार दशक से भी ज्यादा पुराना है। इसी तरह का अवार्ड नरसिंहपुर जिले को भी मिला था। यह अवार्ड पीने के पानी के लिए नहीं था। अवॉर्ड प्रौढ़ शिक्षा अभियान के तहत दिया गया था। नरसिंहपुर जिले के कलेक्टर ने रातों-रात अपने जिले के हर व्यक्ति के साक्षर होने की रिपोर्ट केंद्र सरकार को भेज दी थी। उसके बाद उन्हें अवार्ड भी दिया गया था। लेकिन,जमीनी हकीकत सरकारी रिपोर्ट के विपरीत ही थी। जैसी रिपोर्ट अभी बुरहानपुर जिले से पीने के पानी को लेकर आ रही है। नरसिंहपुर जिले के कलेक्टर को अवार्ड मिलने के बाद वहां लोगों की बीच एक कहावत काफी चर्चित हुई। पढ़े-लिखे न होए,नरसिंहपुरिया होए। इसका अर्थ यह था कि आप कहां तक पढ़े हैं,यह बताने की जरूरत नहीं है। नरसिंहपुर के रहने वाले हैं,इतना बताने से ही लोग मान लेंगे कि आप पढ़े लिखे हैं। लेकिन, पानी का मामला अलग तरह का होता है। पानी के बिना जिंदा रहने के बारे में सोचा भी नहीं जा सकता। जान बचाने के लिए गंदा पानी पीना कई बार मजबूरी हो जाता है। सरकारी दस्तावेज के मुताबिक बुरहानपुर की 167 ग्राम पंचायतों में 254 गांव हैं। जल जीवन मिशन की शुरुआत में (15 अगस्त 2019) में बुरहानपुर में कुल 1,01,905 घरों में से केवल 37,241 ग्रामीण परिवारों (36.54 प्रतिशत) के पास ही नल कनेक्शन के पीने का पानी था, जिसके बाद सरकार ने दावा किया था कि इन सभी गांव में 2022 तक हर घर नल से जल पहुंच गया है। इसके अलावा 640 स्कूलों, 549 आंगनबाड़ी केंद्रों में भी इस योजना के तहत पानी पहुंच गया है। जिला मुख्यालय से 22 किमी दूर असीरगढ़ की तीन ग्राम पंचायतें असीर, धूलकोट और खामला के कई गांवों में जेजेएम योजना के तहत पाइप लाइन तो बिछाई गई है, लेकिन पानी नहीं

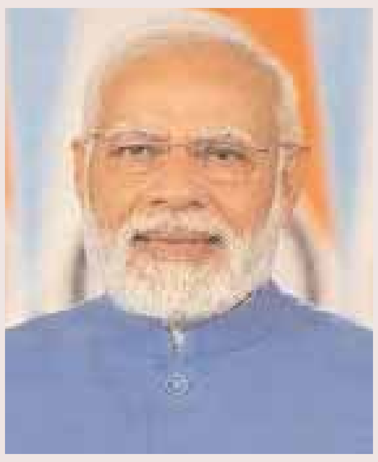

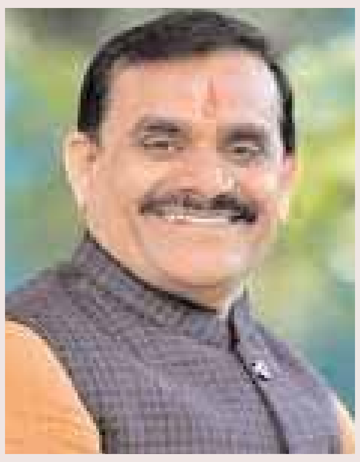

आता। दूसरी तरफ कई गांव ऐसे हैं जहां इस योजना का फायदा ही नहीं पहुंचा। इन सभी गांवों में ज्यादातर बारेला आदिवासी समुदाय के लोग रहते हैं।असीर पंचायत के मेटल्या गांव में आदिवासियों के 10-15 टोले बने हैं। इनके पास जमीन का पट्टा तो है, मगर गर्मी में गांव में पानी नहीं रहता। महिलाओं को पांच किलोमीटर दूर से पानी लाना पड़ता है।

धूलकोट से पहले पिपराना गांव पड़ता है। जल जीवन मिशन की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार धूलकोट के 1 हजार 178 घरों तक पानी पहुंचा दिया गया है, लेकिन इन आंकड़ों में धूलकोट के करीब 4-5 फालिए (बस्ती) शामिल नहीं है। वेबसाइट के अनुसार ही धूलकोट का 15 घरों वाला मोफी फालिया क्षेत्र है, जहां सभी घरों में पानी पहुंचा दिया है लेकिन हकीकत ये कि इस क्षेत्र में पानी के लिए पाइप लगा ही नही। इसी तरह पिपराना गांव में भी 275 घरों तक जल पहुंचाने का आंकड़ा दर्ज है लेकिन गांव के मुख्य सड़क से सटे इलाकों में ही न नल और न ही पानी पहुंचा है। यह दो उदाहरण सिर्फ सरकारी योजनाओं में होने वाले घोटालों की बानगी हो सकते हैं। लेकिन, सरकार इन मामलों की जांच इसलिए नहीं करा सकती कि क्योंकि वह अपनी उपलब्धि बताकर अवॉर्ड ले चुकी है। प्रधानमंत्री भी पीठ थपथपा चुके हैं। अब वे दंडित करने से तो रहे।

डिंडोरी में पानी के लिए होता है रतजगा

डिंडोरी जिले की, स्थिति और भी ज्यादा खराब नजर आ रही है। यह पूर्व केन्द्रीय मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते का निर्वाचन क्षेत्र है। यहां लोग पीने के पानी के लिए रात भर जागने को मजबूर हो रहे हैं। जिले के भानपुर गांव के ग्रामीण बूंद-बूंद पानी के लिये मोहताज हैं। और पानी लेने के लिए इस गांव के लोग रात-रात भर जागने के लिए मजबूर हैं। गांव के तमाम जल स्त्रोत सूख चुके हैं। पीएचई विभाग के अधिकारी से शिकायत भी की गई लेकिन कुछ नहीं हुआ। 2008 में दूषित पानी पीने की वजह से इसी गांव के 11 लोगों की मौत हुई थी। वहीं 400 से ज्यादा ग्रामीण बीमार भी हुए थे। इस गांव की आबादी करीब 850 है लेकिन आश्चर्य की बात है कि यहां कोई नल जल योजना नहीं है।

शिवपुरी में संकट है कि खत्म नहीं होता

मध्यप्रदेश का शिवपुरी शहर वह शहर है जहां पानी माफिया को सबसे ज्यादा ताकतवर माना जा सकता है। इस पानी माफिया के कारण ही मड़ीखेड़ा बांध से लोगों को आज तक पानी नहीं मिल पा रहा है। दो दिन पहले शिवपुरी के भाजपा नेता धैर्यवर्धन शर्मा ने अपनी फेसबुक पोस्ट में लिखा कि पानी की स्थिति नहीं सुधरी तो दिल्ली जाकर श्रीमंत (क्षेत्रीय सांसद) को अवगत कराऊंगा। श्रीमंत से उनका आशय केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया से है। वे ही क्षेत्रीय सांसद हैं। शिवपुरी को जल संकट से निजात दिलाने के लिए सरकार ने मड़ीखेड़ा जलावर्धन योजना के नाम पर करोड़ों रुपये पानी की तरह बहा दिए गए हैं। कागजों में लोगों के घरों में पानी पहुंच रहा है, परंतु धरातल पर हालात यह हैं कि लोगों को या तो सीवर युक्त पानी पीना पड़ा रहा है या फिर गड्ढों और कुओं से कीचड़ युक्त पानी को छान कर पीना पड़ रहा है। यह हालात किसी सुदूर गांव के नहीं, बल्कि शहर के वार्ड क्रमांक-16 के हैं। मदकपुरा में तो जल संकट के हालात इतने भीषण हैं कि पेयजल प्रबंधन के लिए उन्होंने जो गड्ढे खोदे थे वह सूख चुके हैं। मध्यप्रदेश के कई गांवों में नल जल योजना केवल कागजों में ही देखने को मिल रही है। अशोकनगर शहर में भी पीने के पानी का संकट गंभीर बना हुआ है। वार्ड 7 की महिलाएं पानी न मिलने की समस्या को लेकर विधायक हरिबाबू राय के कार्यालय पहुंच गईं और उन्हें बताया कि नगरपालिका वार्डों में पानी उपलब्ध नहीं करा पा रही है तो दूसरी ओर टैंकर वाले पानी देने के बदले पैसे ले रहे हैं। वार्ड 7 की महिलाओं ने विधायक को बताया कि हमारे वार्ड में टैंकर वाले तो एक केन भरने के बदले में चार रुपये ले रहे हैं। इसके बाद विधायक ने ठेकेदार को लोगों की समस्या बताते हुए कहा कि आगे से ऐसी समस्या न आए, अन्यथा मैं वार्डवासियों के साथ नगर पालिका में धरने पर बैठूंगा। ऐसे में प्रतिदिन 5 रुपए में प्राइवेट टैंकरों से एक डिब्बा पानी भरकर गुजारा करने वाले वार्डवासियों का आक्रोश फूट पड़ा और तपती दोपहर में पानी के लिए वे सड़क पर बैठ गए। पानी के लिए परेशान महिलाओं ने जमकर नेताओं पर अपनी भड़ास उतारी। विदिशा में पानी को लेकर महिलाओं ने किया प्रदर्शन

विदिशा और सीहोर में भी पेयजल संकट

शिवराज सिंह चौहान,मध्यप्रदेश की राजनीति का वो चेहरा हैं, जो सबसे लंबे समय तक राज्य के मुख्यमंत्री रहे हैं। वे मुख्यमंत्री बनने से पहले विदिशा संसदीय क्षेत्र से सांसद थे। सीहोर उनका गृह जिला भी है। वे इसी जिले की बुधनी विधानसभा सीट से विधायक निर्वाचित होते रहे हैं। कोई व्यक्ति यदि राज्य का मुख्यमंत्री रहता है तो यही माना जाता है कि उनके गृह जिले में मूलभूत सुविधाएं होंगीं। लेकिन,सीहोर और विदिशा में ऐसा नहीं है।

सीहोर जिले के 250 से अधिक गांव भीषण जलसंकट से जूझ रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्र में लोगों को सुबह से शाम तक पानी के लिए खासी मशक्कत करनी पड़ रही है। हालत यह है कि हर साल जलसंकट से निपटने कार्ययोजना बनाकर कराड़ों रुपये का प्रस्ताव भी बनता है, लेकिन जल संकट दूर होने का नाम नहीं लेता है। पिछले साल गर्मी के मौसम में ज्यादा पानी समस्या वाले करीब 100 से ज्यादा गांव में निजी ट्यूबवेल अधिग्रहण कर लोगों को पानी उपलब्ध कराया था, लेकिन इस बार कोई कदम नहीं उठाया है। इसके चलते ग्रामीण इलाकों में लोग कई किलोमीटर दूर से पानी लाने को मजबूर हैं।जिला मुख्यालय से 3 किमी दूर स्थित गांव में

सीहोर जिला मुख्यालय से तीन किमी दूर स्थित ग्राम जमोनिया टेंक में 80 लाख 36 हजार रुपए खर्च कर पानी की टंकी बनाने के साथ ही 250 घरों में नल कनेक्शन दिए गए थे और तीन माह टेस्टिंग के बाद नल जल योजना को पंचायत के हवाले कर दिया गया, लेकिन घटिया निर्माण और पंचायत की अनदेखी से लोगों के घरों में जनवरी माह से पानी नहीं पहुंच रहा है, जिससे ग्राम जमोनिया टैंक के लोग भीषण जलसंकट से जूझ रहे हैं। करोड़ों रुपये की लागत से जिले भर में जल जीवन मिशन योजना के काम चल रहे हैं। हर घर नल से जल योजना का उद्देश्य लेकिन हाल फिलहाल तो सार्थक होता हुआ दिखाई नहीं दे रहा है।

विदिशा शहर में भी पानी का संकट गहरा गया है। पिछले 10 दिन के अंदर ही करीब 50 नये पाइंट बनाए गए हैं, जहां नगर पालिका टैंकर से पानी की सप्लाई कर रही है, लेकिन रहवासियों का आरोप है कि उन्हें पर्याप्त पानी नहीं मिल रहा है। अप्रैल के अंतिम सप्ताह में शहर में करीब 40 से 50 ही स्थानों पर पानी की सप्लाई करना पड़ रही थी, लेकिन मई के अंतिम सप्ताह तक इनकी संख्या दो गुना से अधिक निकल गई है। वर्तमान में स्थानों पर पानी की डिमांड की जा रही है। नपा भले ही टैंकरों से पर्याप्त पानी पहुंचाने का दावा कर रही हो, लेकिन बस्तियों में पानी की कमी से लोग परेशान हो रहे हैं।

वीडी शर्मा के निर्वाचन क्षेत्र में भी संकट

मध्यप्रदेश भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष वीडी शर्मा खजुराहो से सांसद हैं। पन्ना उनके संसदीय क्षेत्र का हिस्सा है। पन्ना जिले के लोग पानी के लिए दर-दर भटक रहे हैं। हालात इतने खराब हैं कि लोग नदी के किनारे गड्ढे खोद रहे हैं और गड्ढों से पीने का पानी निकाल रहे हैं। यहां सुबह से शाम तक यही काम चल रहा है। अब तो नदियों का पानी भी सूख गया है। पन्ना जिले के पवई क्षेत्र के अंतर्गत मुछवारी गांव की हरिजन बस्ती की आबादी लगभग एक हजार की है। यहां के रहवासी कई समय से पीने के पानी के लिए दर-दर भटकते रहे है। महिलाएं, बच्चे व बुजुर्ग रोज पीने के पानी के लिए संघर्ष कर रहे हैं। रोज एक किलोमीटर दूर नदी से पीने का पानी लाते हैं। अब तो नदी का पानी भी सूखने की कगार पर है। जिले में नल जल योजना के तहत नल है पर उसमें पीने के लिए पानी नहीं है। पन्ना जिले से निकली केन नदी के सूखने के कारण इस समय यहां जल संकट गहरा गया है। नदी सूखने के कारण लोग किनारों पर गड्ढा खोदकर पानी निकाल रहे है। नदी की ऊपरी सतह पर सिर्फ कीचड़ है। गाँव के लोग नदी के पास गड्ढा खोदकर पानी निकाल रहे है।

डॉ. मोहन यादव की सरकार कल बचाने में जुटी

जल है तो कल है। यहां नारा हर जगह लिखा दिखाई दे जाएगा। जल संरक्षण के लगभग हर कार्यक्रम में हर वक्ता इस नारे का उपयोग करते हैं। सरकार भी कल की चिंता में ही योजनाएं बनाती है। लेकिन, जल वाला कल कभी आता नहीं है। योजनाएं बनती हैं। सफल हो जाती हैं। हर मानसून से पहले जल संरक्षण का अभियान चलाना भी सरकार का रस्मी काम हो गया है। कभी जल ग्रहण मिशन के जरिए गड्ढा खोदकर पानी बचाने का प्रयास किया जाता था। अब नदी, तालाबों की साफ-सफाई की जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की सरकार भी लोगों की आज की परेशानी छोड़कर कल की चिंता में अभियान चला रहे हैं। इस अभियान का नाम है जल गंगा संवर्धन अभियान। यह अभियान 16 जून गंगा दशहरा तक संचालित किया जाएगा। इसके तहत प्रदेश के सभी जिलों में नदी, तालाबों, कुओं, बावड़ियों सहित जल स्त्रोतों के जीर्णोद्धार एवं साफ सफाई का कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा पर्यावरण दिवस पर शुरू किए गए जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत प्रदेश भर में जल-स्त्रोतों के संरक्षण और साफ-सफाई के साथ-साथ व्यापक स्तर पर वृक्षारोपण किया जा रहा है। इस विशेष अभियान के अंतर्गत 3 हजार 90 करोड़ लागत के जल संरक्षण के 990 कार्य प्रदेश में आरंभ होगे। प्रत्येक जिले, विकासखंड और पंचायत स्तर पर जल संरचनाओं की मरम्मत, पर्यावरण संरक्षण और पौधरोपण के लिए जनभागीदारी से गतिविधियां संचालित की जाएंगी।

मंदिर में गोवंश का सिर फेंकने पर एक्शन, दो और आरोपियों के घरों पर चला बुलडोजर

रतलाम (नप्र)। रतलाम में जावरा के जागनाथ मंदिर में गोवंश का सिर फेंकने के दो और आरोपी के घर रविवार को गिरा दिए गए। दोपहर को टीम आरोपी नौशाद और शाहरुख के घर बुलडोजर लेकर पहुंची। नौशाद उर्फ हनुमार (40) पिता भूरे खां कुरैशी जूना कबाड़ा, जबकि शाहरुख (25) पिता अब्दुल सत्तार अरब साहब कॉलोनी का रहने वाला है। घटना गुरुवार रात 3 बजे की है। शुक्रवार सुबह दो आरोपी सलमान (24) पिता मोहम्मद मेवाती निवासी मेवातीपुरा और शाकिर (19) पिता शाहिद कुरैशी निवासी जेल रोड के घर गिरा दिए गए थे।

सीएम ने फादर्स डे पर पिता से मांगे 500 रुपए

पिता ने भी ट्रैक्टर सुधरवाने का बिल थमा दिया, हंस दिए मुख्यमंत्री

उज्जैन (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को फादर्स डे पर पिता पूनमचंद यादव से मुलाकात की। सीएम ने पैसे मांगे तो उन्होंने 500 रुपए के नोटों की गड्डी निकालकर थमा दी। सीएम ने एक नोट रखा और बाकी लौटा दिए। इसी दौरान पिता ने सीएम बेटे को ट्रैक्टर सुधरवाने का बिल थमा दिया। सीएम ने उनसे पूछा- बैंक में कितने पैसे हैं? इस बात पर दोनों हंस दिए। मुख्यमंत्री ने पिता के पैर छूकर आशीर्वाद लिया। उनसे कहा कि ट्रैक्टर सुधारने में जो खर्च हुआ है, वे दे देंगे। उन्हें पिता ने बताया कि 4 लाख 86 हजार रुपए गिर गए थे, वापस भी मिल गए।

सीएम बोले- कुटुंब परंपरा भारत की देन

मीडिया से चर्चा में सीएम ने फादर्स डे की बधाई देते हुए कहा, कुटुंब और परिवार परंपरा दुनिया के लिए अद्वितीय है। भारत की देन है। हमारे ऋषि-मुनियों ने

रिसर्च कर विद्या के बलबुते पर अपनी संस्कृति को बढ़ाया है। सीएम शनिवार से उज्जैन में हैं। वे यहीं से ग्वालियर रवाना हुए थे। शनिवार रात लौट आए और निवास पर रात्रि विश्राम किया। आज सुबह पिता से मुलाकात की। इस दौरान बड़े भाई नारायण यादव भी साथ थे। पैसे मांगने पर पिता ने सीएम को 500 के नोट की गड्डी दी।

पीएम श्री धार्मिक पर्यटन हेली सेवा शुरू की

मुख्यमंत्री ने उज्जैन में पीएम श्री धार्मिक पर्यटन हेली सेवा के संचालन का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा, मध्यप्रदेश सरकार लगातार हवाई सेवाओं के विस्तार के लिए लगी है। खासकर हमारे यहां जो धार्मिक, ऐतिहासिक, पौराणिक पर्यटन के केंद्र हैं, वहां यात्री सुगमता से यात्रा करें, इसके लिए आज दो ज्योतिर्लिंग के लिए हेलिकॉप्टर सेवा शुरू की गई है। उज्जैन, ओंकारेश्वर, भोपाल, इंदौर से हेलिकॉप्टर सेवा शुरू हुई है, आने वाले समय में यह सेवा और बढ़ेगी। आज फादर्स डे है, हम सब बाबा महाकाल के पुत्र हैं, ऐसे में बाबा महाकाल के चरणों में यह सेवा समर्पित है।

कही-सुनी

रवि भोई

(लेखक पत्रिका समवेत सृजन के प्रबंध संपादक और स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

छत्तीसगढ़ की साख पर बट्टा

कहा जा रहा है बलौदाबाजार की घटना से छत्तीसगढ़ की साख पर बट्टा लग गया। एक जमाना था जब छत्तीसगढ़ को शांति का टापू कहा जाता था। फिर नक्सलवाद ने छत्तीसगढ़ को तार-तार किया। अब कलेक्टोरेट-एसपी दफ्तर जलाने का दाग छत्तीसगढ़ पर लग गया। कलेक्टोरेट-एसपी दफ्तर जिले की जान होती है, वही सुरक्षित नहीं रह पाया। सरकार वहां के कलेक्टर और एसपी को सस्पेंड तो कर दिया, पर राज्य में बैठे आला अफसरों की भी तो कुछ जिम्मेदारी बनती है। चर्चा है कि पुलिस के खुफ़िया तंत्र की नाकामी के कारण इतनी बड़ी घटना हो गई। कहते हैं पुलिस के छोटे से लेकर बड़ा अफसर तक का जनता से संपर्क टूट गया है। वे न तो लोगों से मिलते हैं और न ही लोगों का फोन उठाते हैं। पुराने समय में पुलिस के छोटे से बड़े अधिकारी लोगों से व्यक्तिगत संपर्क रखते थे और उन्हें सटीक सूचना मिल जाती थी। अब तो मैसेज-मैसेज खेल का जमाना आ गया है। इस कारण पुलिस को शहर के नब्ज का सही अंदाजा नहीं हो पा रहा है। बलौदाबाजार जैसी घटना पुलिस के पास सटीक सूचना न होने का नमूना है। बलौदाबाजार की घटना से पुलिस सबक ले और कार्यप्रणाली में बदलाव लाए। नए के साथ पुराने और टेस्टेड सिस्टम को अपनाए।

तीन की लड़ाई में तोखन को फायदा

कहते हैं न दो की लड़ाई में तीसरे को फायदा,ऐसा ही कुछ हो गया छत्तीसगढ़ से केंद्रीय मंत्रिमंडल में प्रतिनिधित्व को लेकर। केंद्रीय मंत्रिमंडल में स्थान के लिए बृजमोहन अग्रवाल, संतोष पांडे और विजय बघेल सशक्त दावेदार थे। तीनों की मजबूत दावेदारी थी। कहते हैं तीनों में किसी एक को केंद्रीय मंत्रिमंडल में प्रतिनिधित्व दिया जाता तो राजनीतिक समीकरण गड़बड़ा जाते। ऐसे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिलासपुर के सांसद तोखन साहू को कैबिनेट के लिए चुन लिया। तोखन साहू को मंत्रिमंडल में शामिल करने से सांप भी मर गया और लाठी भी नहीं टूटी वाली कहावत चरितार्थ हो गई। इसके साथ एक पंत दो काज वाला मामला भी फिट हो गया। तोखन साहू को मंत्री बनाकर छत्तीसगढ़ में साहू समाज को भी खुश कर दिया गया। बताते हैं चुनाव से पहले साहू समाज लोकसभा में अपने समाज से एक ही व्यक्ति को भाजपा प्रत्याशी बनाए जाने से नाखुश था। साहू समाज को परंपरागत रूप से भाजपा का वोटर माना जाता है।

दीपक बैज को बदलने की सुगबुगाहट

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज को बदलने का हल्ला है। दीपक बैज को मोहन मरकाम की जगह छत्तीसगढ़ कांग्रेस का अध्यक्ष बनाया गया था। दीपक बैज के प्रदेश अध्यक्ष रहते कांग्रेस को विधानसभा में भी हार का सामना करना पड़ा। दीपक बैज खुद भी विधानसभा चुनाव हार गए। लोकसभा चुनाव में भी परफॉर्मेंस अच्छा नहीं रहा। लोकसभा में कांग्रेस केवल एक सीट कोरबा ही जीत सकी। कहते हैं कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता दीपक बैज की जगह प्रदेश अध्यक्ष बनाने के लिए एक महिला नेत्री को राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से मिलवाने ले गए थे, पर बात कुछ बनी नहीं। कहा जाता है जब राज्य में कांग्रेस की सरकार थी तब महिला नेत्री और वरिष्ठ कांग्रेसी नेता दो ध्रुव थे। समय बदला तो दोनों का गणित एक जैसा हो गया है। अब देखते हैं आने वाले दिनों में क्या होता है ?

सुर्ख़ियों में बृजमोहन अग्रवाल

रायपुर लोकसभा क्षेत्र से रिकार्ड मतों से सांसद चुने गए राज्य के शिक्षा मंत्री बृजमोहन अग्रवाल सुर्ख़ियों में हैं। लोग कयासबाजी में जुटे हैं कि बृजमोहन अग्रवाल सांसद की भूमिका में रहेंगे या फिर विधायक-मंत्री। बृजमोहन अग्रवाल के पास अपनी भूमिका तय करने के लिए कुछ दिन है। कहते हैं नियमानुसार लोकसभा निर्वाचन की अधिसूचना जारी होने के 14 दिनों के भीतर बृजमोहन अग्रवाल को एक सदन की सदस्यता को चुनना होगा। आठ बार के विधायक बृजमोहन अग्रवाल राज्य के वरिष्ठ और जमीनी नेता हैं। बृजमोहन अग्रवाल 1990 में पहली बार विधायक चुने गए और संयुक्त मध्यप्रदेश में मंत्री बने। बृजमोहन अग्रवाल पार्टी लाइन पर चलने वाले नेता माने जाते हैं और ऐसे नेताओं की भूमिका का निर्धारण पार्टी हाईकमान करती है।

रीना कंगाले को अच्छी पोस्टिंग की चर्चा

2003 बैच की आईएएस रीना बाबा साहेब कंगाले को विष्णुदेव साय की सरकार में जल्द अच्छी पोस्टिंग की चर्चा है। रीना कंगाले अभी राज्य की मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी हैं। विधानसभा और लोकसभा निपटने के बाद अब मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के पास कोई ख़ास काम नहीं रह गया है। सरकार ने अतिरिक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी नीलेश क्षीरसागर को कांकेर का कलेक्टर बना ही दिया है। पहले भी मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के पास सरकार में चार्ज रहे हैं। इस कारण माना जा रहा है कि रीना कंगाले को मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के साथ मंत्रालय में कोई अच्छा विभाग मिल सकता है। भूपेश बघेल की सरकार रीना कंगाले के पास कुछ दिनों तक महिला बाल विकास विभाग रहा। फिर वे अवकाश पर चली गई थी। छुट्टी से लौटने के बाद कोई ख़ास विभाग नहीं मिला और उन्हें मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी बना दिया गया। इस कारण भी भाजपा सरकार में उन्हें अच्छी पोस्टिंग मिलने की चर्चा है। रमन सरकार में उन्हें अच्छे विभाग मिले थे।

प्रशासनिक फेरबदल की कयासबाजी

मंत्रालय से लेकर जिलों में प्रशासनिक फेरबदल की कयासबाजी चल रही है। माना जा रहा है कि कई जिलों के कलेक्टरों के साथ मंत्रालय में कई अफसरों के विभागों में हेरफेर हो सकता है। कई जिलों के पुलिस अधीक्षक में बदले जा सकते हैं। कहते हैं बलौदाबाजार की घटना के बाद सरकार प्रशासनिक चुस्ती पर नजर दौड़ानी शुरू कर दी है। संभावना व्यक्त की जा रही है कि अगले हफ्ते कुछ प्रशासनिक फेरबदल हो सकता है। वैसे मुख्यमंत्री ने विभागवार समीक्षा भी शुरू कर दी है।